{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 10 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 109
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	84,180.96
निफ्टी	-	25,876.85
सोना	-	1,38,000
चांदी	-	2,52,000
डॉलर	-	89.90

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

हादसे में बच्ची समेत 4 की मौत, 7 घायल

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में शुक्रवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरा एक टेम्पो ट्रैवलर वाहन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में एक बच्ची समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी सबरीमाला मंदिर से लौट रहे थे। टक्कर से टेम्पो ट्रैवलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मृतकों की पहचान साक्षी (7), वेंकटेशप्पा (30), मरप्पा (35) और गविसिद्धप्पा (40) के रूप में हुई है। सभी मृतक कोप्पल जिले के रहने वाले थे। हादसे में सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

बाघ की 37 खालें और 133 नाखून जब्त

नर्मदा। गुजरात में नर्मदा जिले के राजपीपला शहर के पास स्थित प्रसिद्ध धर्मेश्वर महादेव मंदिर के पुराने भवन से बाघ की 37 खालें और 133 नाखून जब्त हुए हैं। वन विभाग ने खालों और नाखूनों के 30- से 35 साल पुराने होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, वन विभाग ने इनकी प्रामाणिकता की पुष्टि के लिए नमूने वन सेवा विभाग (एफएसएल) को भेजे हैं। राजपीपला शहर के हनुमान धर्मेश्वर मंदिर के कैंपस में जर्जर मकान की मरम्मत के दौरान बदबू आने पर मंदिर ट्रस्टियों ने वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन-विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एक कमरे से बाघों की खाल और नाखूनों से भरी एक पूरी पेटी बाहर निकाली।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को बम से उड़ाने की धमकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस को गुरुवार देर रात ई-मेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई। ई-मेल में राज्यपाल को बम से उड़ाने की बात लिखी थी। पुलिस ने कुछ ही घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोलकाता के पास सॉल्ट लेक इलाके से पकड़ा गया है। उससे पूछताछ की जा रही है कि उसने धमकी क्यों दी और इसके पीछे क्या साजिश हो सकती है। लोक भवन के अधिकारी ने बताया कि धमकी की जानकारी राज्य के डीजीपी को दे दी गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी इस घटना से अवगत कराया गया है। आरोपी ने ई-मेल में अपना मोबाइल नंबर भी लिखा था। धमकी के बाद राज्यपाल की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। सीवी आनंद बोस पहले से ही जेड+ सुरक्षा मिली है। राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के 60-70 जवान राज्यपाल बोस की सुरक्षा में तैनात हैं। राज्यपाल बोस को धमकी की घटना उस वक्त हुई है, जब राज्य में सियासी तूफान उठा हुआ है। 8 जनवरी को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने टीएमसी के सोशल मीडिया हेड के ठिकानों पर रेड मारी थी। सीएम ममता ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया।

कुछ ना कहना

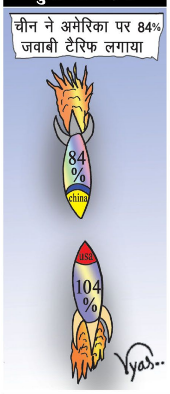

बंगाल में ईडी की कार्रवाई का दिल्ली तक विरोध, हाईकोर्ट में सुनवाई टली, सीएम ममता बनर्जी ने मार्च निकाल किया दावा...

शाह के खिलाफ पेन ड्राइव, छेड़ोगे तो छोड़ूंगी नहीं

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में टीएमसी के आईटी सेल के चीफ के ठिकानों पर ईडी रेड के विरोध में टीएमसी दिल्ली से लेकर कोलकाता तक विरोध प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी पर दो एफआईआर भी दर्ज कराई है। उन्होंने कोलकाता में मार्च भी निकाला। इसके बाद ममता बनर्जी ने दावा किया कि उनके पास गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ पेन ड्राइव है। उन्होंने कहा- दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं तक कोयला घोटाले की रकम पहुंचती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। जरूरत पड़ी तो मैं इन्हें जनता के सामने पेश कर सकती हूं। इधर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कोर्ट परिसर में भारी भीड़ और हंगामे की वजह से ईडी की याचिका पर सुनवाई टाल दी है। याचिका में ममता बनर्जी के खिलाफ छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी।

इससे पहले शुक्रवार सुबह पार्टी के 8 सांसदों ने दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। डेरेक ओ ब्रॉयन, महुआ मोइत्रा, कीर्ति आजाद नारेबाजी करते नजर आए। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई, कुछ सांसद गिर भी गए। पुलिस ने सांसदों को सुबह 10 बजे हिरासत में लिया और दोपहर 12 बजे छोड़ा। इस कार्रवाई के बाद ममता बनर्जी ने एक्स पर लिखा- गृह मंत्री के दफ्तर के बाहर विरोध करना, हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्हें सड़कों पर घसीटना कानून का पालन नहीं है, बल्कि यह पुलिस की घमंड दिखाने की कोशिश है।

मैंने अपनी जिंदगी में हजारों लड़ाइयां लड़ीं

ममता बनर्जी ने कहा कि हमने महज कुछ ही समय में 10.5 किलोमीटर की दूरी तय की। मैं रोजाना करीब 30 हजार कदम चलती हूं। कोलकाता की सड़कों पर ऐसा लग रहा था जैसे लोग बगावत पर उतर आए हों। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कई लड़ाइयां लड़ी हैं। हाजरा इलाके में ही मैं एक बार मौत के मुंह से बची थी। उन्होंने याद किया कि उस समय सीपीएम के गुंडों ने लोहे की जंजीरों के साथ उनका पीछा किया था, लाठी से सिर पर हमला किया गया था, खून बह रहा था और लगातार पीटा गया। ममता ने कहा, मुझे कई फ्रैक्चर हुए लेकिन मैं काम के जरिए जीती हूं।

ईडी ने टीएमसी का डेटा और रणनीति चुराने की कोशिश

ममता बनर्जी ने कहा कि वह कल ईडी की कार्रवाई के दौरान मौके पर गई थीं और इसमें कुछ भी गलत नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि छापेमारी के दौरान उनकी पार्टी का डेटा और रणनीति चुराने की कोशिश की गई। ममता ने कहा कि अगर कोई मुझ पर राजनीतिक हमला करता है, तो मैं और मजबूत होकर वापस आती हूं। दिल्ली में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए ममता ने कहा कि वहां पुलिस ने उनके सांसदों पर हमला किया, जबकि बंगाल में भाजपा नेताओं को रेड कारपेट स्वागत मिलता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से महाराष्ट्र में जनादेश चुरा लिया और अब वही तरीका बंगाल में अपनाना चाहते है।

कल का दिन मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा था

ममता बनर्जी ने कहा कि जब-जब मुझ पर हमला होता है, मुझे नई ऊर्जा मिलती है। जैसे कल हुआ, वह दिन मेरे लिए पुनर्जन्म जैसा था। उन्होंने कहा कि जो लोग टीएमसी को गाली देते हैं और बदनाम करते हैं, वे पार्टी के कार्यकर्ताओं को नहीं जानते, जो मुस्कुराते हुए फांसी तक चढ़ने को तैयार हैं। इस बीच ईडी बनाम तृणमूल कांग्रेस मामले की सुनवाई कलकत्ता हाई कोर्ट में भारी भीड़ और हंगामे के कारण टाल दी गई और अब अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी। ईडी ने छापेमारी के दौरान ममता बनर्जी पर कथित तौर पर 'दुराचार' का आरोप लगाया है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने इन छापों को मनमाना और गैरकानूनी बताया है।

बस दुर्घटनाग्रस्त, 12 लोगों की मौके पर ही मौत; कई घायल

सिरमौर जिले के हरिपुरधार में

शिमला। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में निजी बस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को घटनास्थल से निकाला जा रहा है। वहीं बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। ये बस कुपवी से शिमला जा रही थी। जो हरिपुरधार के पास खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार बस में 30 से 35 लोग सवार थे। स्थानीय लोग हादसे में घायलों को बाहर सड़क तक लेकर आ रहे हैं। घटना के बाद मौके पर चीखों पुकार मची है। हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए हैं।

एसपी सिरमौर, निश्चित सिंह नेगी ने कहा कि सिरमौर जिले में हरिपुरधार के पास कुपवी से शिमला जा रही एक प्राइवेट बस के सड़क से नीचे गिरने से हुए हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बस में 30-35 लोग सवार थे। और जानकारी का इंतजार है। मैं मौके पर जा रहा हूं। पुलिस और दूसरी बचाव टीमें घायलों को निकालने की कोशिश कर रही हैं। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में शुक्रवार दोपहर बाद एक निजी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई घायल हो गए। घटना के बाद राहत बचाव कार्य जारी है। गंभीर रूप से घायल पांच मरीजों को उपचार के लिए हायर संगड़ाह, ददाहू और नाहन लाया जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उधर, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान दुर्घटना पर सरकार की ओर से शोक जताया है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज नाहन में गंभीर रूप से लाए जा रहे मरीजों के उपचार के लेकर उचित व्यवस्था के निर्देश दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के तर्कों को खारिज कर 'हकीकत से पूरी तरह अलग' बताया

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों की समस्या से जुड़े मामले में अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की ओर से रखे गए तर्कों को सख्ती से खारिज कर उन्हें 'हकीकत से पूरी तरह अलग' बताया। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, विशेषकर अस्पताल जैसे संवेदनशील परिसरों में कुत्तों की मौजूदगी को महिमामंडित नहीं करना चाहिए। यह टिप्पणी एम्स परिसर में लंबे समय से रह रहे कुत्ते 'गोल्डी' के उदाहरण पर की गई। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सड़क पर रहने वाले कुत्तों में टिक्स और अन्य संक्रमण होने की आशंका रहती है, जो अस्पतालों में गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। बेंच ने कहा कि जमीनी वास्तविकताओं को नजरअंदाज कर भावनात्मक तर्क नहीं दिए जा सकते और सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है।

दरअसल अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि किसी भी कुत्ते को आक्रामक घोषित करने से पहले विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका व्यवहार मूल्यांकन होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि एक्सपर्ट कमिटी गठित कर आक्रामक और सामान्य कुत्तों में अंतर करे तथा काटने वाले कुत्तों की पहचान के लिए कलर-कोडेड कॉलर प्रणाली अपनाई जाए, जैसा कि जॉर्जिया और आर्मेनिया जैसे देशों में होता है। इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि उन देशों की जनसंख्या और परिस्थितियां भारत से कैसे तुलनीय हैं, और दोहराया कि 'आपको हकीकत देखनी चाहिए। सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने भी हस्तक्षेप कर कहा कि न्यायिक दखल वहीं होना चाहिए जहां विधायिका ने जानबूझकर कानून नहीं बनाया हो। उन्होंने चेताया कि बिना डोमेन विशेषज्ञों के फैसलों से नई और अव्यावहारिक व्यवस्थाएं खड़ी हो सकती हैं। कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनते हुए मामले की सुनवाई जारी रखी है और सार्वजनिक सुरक्षा व पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया है।

राहुल गांधी का भाजपा पर तीखा हमला, कहा

मोदी सरकार ने लोगों की जिंदगी की तबाह

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमलावर हैं। एक दिन पहले जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ट्रंप के टैरिफ को लेकर कड़ा निशाना साधा था। वहीं अब उन्होंने एक लंबे-चौड़े एक्स पोस्ट के जरिए भाजपा शासित राज्यों पर सिलसिलेवार हमला किया है। कांग्रेस सांसद ने शुक्रवार को अपने बयान में आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में भ्रष्ट जनता पार्टी की डबल इंजन सरकारों ने जनता की जिंदगी तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के साथ सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार का जहर भाजपा की राजनीति में ऊपर से नीचे तक फैल चुका है।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि इनके सिस्टम में गरीब, असहाय, मजदूर

और मध्यमवर्ग की जिंदगी सिर्फ आंकड़ा है और विकास के नाम पर वसूली-तंत्र चल रहा है। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया - लेकिन सवाल आज भी वही हैं- सत्ता का संरक्षण भाजपा के किस वीआईपी को बचा रहा है? कानून सबके लिए बराबर कब होगा?

यूपी से लेकर इंदौर तक... गंदे पानी का उठाया मुद्दा

उन्होंने यूपी और इंदौर का मुद्दा उठाते हुए लिखा, उत्तर प्रदेश के उन्नाव कांड में भी पूरा देश देख चुका है कि सत्ता के गुरूर में अपराधियों को कैसे बचाया गया और पीड़िता को न्याय के लिए कितनी कीमत चुकानी पड़ी। इंदौर में जहरीला पानी पीकर मौतें हों या गुजरात-हरियाणा-दिल्ली तक काले पानी और दूषित सप्लाई की शिकायतें - हर तरफ बीमारियों का डर है। हालिया अरावली पर्वत माला को लेकर उपजे विवाद पर कांग्रेस सांसद ने कहा, राजस्थान की अरावली हो या प्राकृतिक संसाधन - जहां-जहां अरबपतियों का लालच और स्वार्थ पहुंचा, वहां-वहां नियमों को रौंद दिया गया।

ट्रंप ने दिया झटका, भारत के इंटरनेशनल सोलर एलायंस से बाहर हुआ अमेरिका

भारत के लिए यह कूटनीतिक चुनौती, क्योंकि यह पीएम मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है

नई दिल्ली। भारत के इंटरनेशनल सोलर एलायंस को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संगठन से अमेरिका के बाहर होने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम न केवल वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के लिए चुनौती है, बल्कि भारत और अमेरिका के बीच पिछले तीन दशकों से बने मजबूत रिश्तों में भी दरार पैदा करने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने एक बड़ा कार्यकारी आदेश जारी करते हुए भारत द्वारा प्रवर्तित इंटरनेशनल सोलर एलायंस से हटने की घोषणा की है। यह फैसला ट्रंप की उस व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों से नाता तोड़ रहा है जिन्हें वह अपने राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता के खिलाफ मानता है। सूत्रों का मानना है कि भारत का कहना है कि अमेरिका को जहां जाना है जाए, यह गठबंधन कायम रहेगा। उसके हटने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

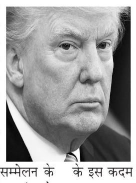

बता दें इस संगठन की शुरुआत 2015 में पेरिस जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और फ्रांस के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने की थी। इसका मुख्य मुख्यालय भारत के गुरुग्राम में है। इसका लक्ष्य 2030 तक सौर ऊर्जा में 1 ट्रिलियन डॉलर का निवेश जुटाना है। साथ ही विकासशील देशों को सस्ती सौर तकनीक और फाइनेंस उपलब्ध कराना ताकि वे प्रदूषण बढ़ाए बिना अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी कर सकें।

अमेरिका के पूर्व जलवायु दूत जॉन केरी ने ट्रंप प्रशासन के इस कदम को खुद को पहुंचाया गया घाव बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला कोई आश्चर्य की बात नहीं है, लेकिन यह चीन के लिए एक गिफ्ट की तरह है। इससे उन देशों और प्रदूषण फैलाने वाली ताकतों को छूट मिल जाएगी जो अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं। अमेरिका 31 यूएन संस्थाओं और 35 गैर-यूएन अंतर-सरकारी संगठनों से हट गया है, जिसमें यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज, इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज, इंटरनेशनल ट्रेड सेंटर और ग्लोबल काउंटरटेररिज्म फोरम शामिल हैं। व्हाइट हाउस की एक फैक्ट शीट के मुताबिक ये संगठन, कन्वेंशन और संधियां अमेरिकी राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि या संप्रभुता के विपरीत काम करते हैं।

एसआईआर को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती, 13 जनवरी को अर्जियों पर सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सहित कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए भारत निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अंतिम सुनवाई 13 जनवरी तक स्थगित कर दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी, लेकिन बाद में कहा कि वह मंगलवार (13 जनवरी) को कार्यवाही फिर से शुरू करेगी। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी मामले में अपनी दलीलें फिर से पेश करने वाले थे। 6 जनवरी को, चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ को बताया था कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का अधिकार और क्षमता उसके पास है, साथ ही यह सुनिश्चित करना संवैधानिक कर्तव्य है कि किसी भी विदेशी को मतदाता के रूप में पंजीकृत न किया जाए। इन याचिकाओं में बिहार सहित कई राज्यों में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती दी गई है और इसमें चुनाव आयोग की शक्तियों की सीमा, नागरिकता तथा मतदान के अधिकार से जुड़े महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न उठाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट उन कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है जिसमें तर्क दिया गया है कि पुनरीक्षण प्रक्रिया अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग की संवैधानिक शक्तियों का उल्लंघन कर सकती है। इन कार्यवाही के परिणाम से मतदाता सूची संशोधन के संबंध में चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र और इसके परस्पर संबंध के बारे में स्पष्टता आने की उम्मीद है।

संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से होगा शुरू

1 फरवरी को रविवार के दिन पेश होगा बजट

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हो सकता है। केंद्रीय बजट 1 फरवरी, रविवार को पेश किया जा सकता है। संसद के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह संभावित कार्यक्रम संसदीय मामलों की कैबिनेट कमिटी ने बनाया है। इसके अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 जनवरी को दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। राष्ट्रपति का पारंपरिक संबोधन साल के पहले संसद सत्र के पहले दिन होता है। दोनों सदन 29 जनवरी को नहीं मिलेंगे क्योंकि उसी दिन बीटिंग रिट्रीट समारोह आयोजित होगा।

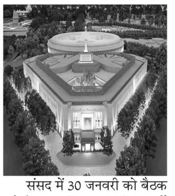

संसद में 30 जनवरी को बैठक करेंगी। उस दिन इकोनॉमिक सर्वे पेश किया जा सकता है। 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा नहीं बैठेंगी। केंद्रीय बजट 1 फरवरी, रविवार को पेश किया जाएगा।

राष्ट्रपति के संबोधन और केंद्रीय बजट पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के बाद, संसद 13 फरवरी से लगभग एक महीने की अवकाश अवधि के लिए स्थगित होगी। संसद 9 मार्च को पुनः बैठक करेगी और सत्र 2 अप्रैल, गुरुवार को समाप्त होगा। अधिकारियों ने बताया कि आमतौर पर संसद शुक्रवार को स्थगित की जाती है, लेकिन 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे और उसके बाद वाले वीकेंड को ध्यान में रखते हुए, सत्र 2 अप्रैल को समाप्त हो सकता है। बजट सत्र में अवकाश से संबंधित स्टैंडिंग कमेटियों को विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगों की जांच करने का समय मिलता है।

दंतेवाड़ा में 63 नक्सलियों ने किया सरेंडर

एक करोड़ से ज्यादा का था इनाम, 18 महिलाएं भी शामिल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। लोन वर्राटू अभियान के तहत आज 63 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिनमें 18 महिला नक्सली भी शामिल हैं। यह घटना राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है।

आत्मसमर्पण करने वालों में पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी के सचिव मोहन कड़ती भी शामिल है, जिसने अपनी पत्नी के साथ आत्मसमर्पण किया है। इन नक्सलियों पर कुल मिलाकर एक करोड़ रुपये से अधिक का इनाम घोषित था, जो उनकी नक्सली गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। इस बड़े पैमाने पर हुए आत्मसमर्पण से नक्सलियों के संगठन को बड़ा झटका लगा है।

अभियान की व्यापकता

यह आत्मसमर्पण केवल छत्तीसगढ़ प्रदेश के नक्सलियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश के बाहर के भी नक्सली शामिल हैं। यह इस बात का संकेत देता है कि राज्य की पुलिस और सुरक्षा बल नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई कर रहे हैं और नक्सलियों के प्रभाव को कम करने में सफल हो रहे हैं। लोन वर्राटू (घर वापसी) अभियान के तहत नक्सलियों को मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास सफल हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र में शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

सुरक्षाबलों के प्रयास

सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे सघन अभियान, नक्सलियों के विरुद्ध मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने और उन्हें आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीतियों के तहत मुख्यधारा में एकीकृत करने और उन्हें बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। इस सफलता से क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति में सुधार की उम्मीद है और विकास कार्यों को गति मिलेगी। यह घटना छत्तीसगढ़ सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

दूषित पानी और मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस का हमला

मंत्री विजयवर्गीय से इस्तीफे की मांग, 11 को होगा इंदौर में आंदोलन की चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बालाघाट विधायक द्वारा हाल ही में इंदौर में हुई घटना को लेकर स्थानीय सर्किट हाउस में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इंदौर की घटना को लेकर सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदले जाने को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताई। संजय उईके ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं बल्कि ग्रामीण गरीबों के रोजगार और अधिकार का प्रतीक है। इसका नाम बदलना महात्मा गांधी की विचारधारा और गरीबों के अधिकारों का अपमान है।

बीते दिनों इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विवादित बयान को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। इसी मुद्दे को लेकर 9 जनवरी को स्थानीय सर्किट हाउस में कांग्रेस द्वारा एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता को कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके एवं बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने संबोधित किया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके ने कहा कि देश में स्वच्छता के मामले में नंबर वन बताए जाने वाले इंदौर शहर में दूषित पानी पीने से लगभग 20 लोगों की मौत होना बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस मामले को भुलाने और दबाने का प्रयास कर रही है, जबकि कांग्रेस इस मुद्दे को लगातार आम जनता तक पहुंचा रही है और सरकार को कटघरे में खड़ा कर रही है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने मंत्री द्वारा मीडिया के सामने की गई अभद्र भाषा की कड़ी निंदा की । कांग्रेस नेताओं ने बताया कि इस मामले को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में 11 जनवरी को इंदौर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसके तहत जनाक्रोश रैली निकाली जाएगी। उन्होंने मांग की कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। प्रेस वार्ता के दौरान मनरेगा योजना का नाम बदले जाने को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा सरकार मनरेगा के तहत लोगों को 100 दिन का रोजगार तक उपलब्ध नहीं करा पा रही है, जबकि अब 125 दिन काम देने के दावे किए जा रहे हैं। उन्होंने योजना का नाम बदलने को निंदनीय बताते हुए इसे महात्मा गांधी के विचारों का अपमान करार दिया।

कांग्रेस ने ऐलान किया कि 12 जनवरी से जिले सहित गांव-गांव स्तर पर आंदोलन किए जाएंगे। इसके तहत उपवास कार्यक्रम होंगे और कांग्रेस चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को जोड़ा जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि भाजपा सरकार द्वारा योजनाओं के नाम बदले जाने के खिलाफ उनका विरोध लगातार जारी रहेगा।

कैलाश विजयवर्गीय नैतिकता के आधार पर दे इस्तीफा - अनुभा

स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने संबोधित किया। उन्होंने इंदौर की घटना को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव से जनता से माफी की मांग की। विधायक मुंजारे ने कहा कि यह मामला किसी एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरी इंदौर बस्ती का है, जहां अधिकांश लोग गरीब वर्ग से हैं। उन्होंने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पर अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें इस पूरे मामले की जिम्मेदारी लेकर नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। साथ ही उन्होंने बालाघाट नगर पालिका पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो बालाघाट में भी इंदौर जैसी स्थिति बन सकती है। उन्होंने नगर के कई क्षेत्रों में दूषित पानी की आपूर्ति का आरोप लगाते हुए फिल्टर प्लांट की स्थिति की जांच की मांग की।

बंदरझिरिया नाले से बरामद लाश की हुई पहचान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत ग्राम कोसमी के बन्दरझिरिया समीप नाले में जिस व्यक्ति की लाश बरामद की गई थी। उसे व्यक्ति की पहचान अनिल पिता जगत राम आमाडारे 30 वर्ष ग्राम गोंगलई थाना ग्रामीण निवासी के नाम से उसके परिजनों की। ग्रामीण पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल आमाडारे कि मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह घूमते रहता था और घर वापस लौट जाता था अनिल को फिट की भी बीमारी थी। 10,12 दिन से अनिल घर से निकला था जो घर वापस नहीं लौटा। परिजनों सोचे की अनिल घूमते हुए निकल गया है। 7 जनवरी की शाम 5:30 बजे करीब बंदरझिरिया के लोग जब नाले तरफ गए थे। तब उन्होंने नाले के पानी में एक व्यक्ति की लाश उतराते हुई देखी और ग्रामीण थाना में सूचना दी थी। ग्रामीण थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नाले से इस अज्ञात व्यक्ति की लाश बाहर निकले इस व्यक्ति की मौके पर शिनाख्त नहीं हो पाई थी। ग्रामीण पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 8 जनवरी को इस व्यक्ति की लाश का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। और लाश को जिला अस्पताल के फ्रीजर में ही रखवा दिए थे। इधर ग्राम गोंगलई से अनिल के लापता होने और बंदरझिरिया समीप नाले से एक व्यक्ति की लाश मिलने की खबर जब गोंगलई में फैली तब अनिल के परिवार के लोग ग्रामीण थाना पहुंचे। ग्रामीण पुलिस ने इस अज्ञात व्यक्ति के कपड़े और ली गई फोटो दिखाई तभी इस व्यक्ति की पहचान अनिल आमाडारे के नाम से की गई। 9 जनवरी को अनिल आमाडारे के परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंचे। ग्रामीण पुलिस ने अनिल आमाडारे की लाश अंतिम संस्कार हेतु उनके परिजनों के हवाले कर दिए। संभावना व्यक्ति की गई है कि अनिल घूमते हुए बंदर धीरे पहुंचा और शौच के दौरान फिट का दौरा पड़ने से वह नाले में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीण पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

स्टोटर्फ मैदान में हॉकी का महाकुंभ कल से

ऑल इण्डिया स्वर्य कप हॉकी टूर्नामेंट में खिलाड़ी दिखाएंगे कलाइयों का जादू

कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे टूर्नामेंट का शुभारंभ

वितेजा टीम को 1 लाख उप विजेता टीम को मिलेगा नकद 50 हजार का ईनाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी एक बार फिर से नगर के स्टोटर्फ मैदान में ऑल इंडिया स्वर्ण कप हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

जिसमें देश भर के विभिन्न राज्यों की टीम मैदान में अपनी कलाइयों का जादू दिखाएंगी।बताया गया कि 51 वीं नारायणसिंह मेमोरियल ऑल इण्डिया स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन कल 11 जनवरी से स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर आजाद एस्टोटर्फ मैदान में किया जाएगा।नेहरू स्पोर्टिंग क्लब और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश की करीब दो दर्जन से अधिक टीमें शामिल हो रही है।जिसकी तमाम जानकारी शुक्रवार को हॉकी मैदान में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी सहित अन्य ने पत्रकारों को दी।

ये टीमें होंगी शामिल

ऑल इण्डिया स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट में ये टीमें शामिल होगी। जिनमें पॉनपोश एकेडमी राऊरकेला, आर.डब्लु.एफ बैंगलुरू, बी.एस.एफ जालंधर, सदर्न कमांडेट बैंगलुरू, सैफई ईटावा, एस.ई.आर कलकत्ता, अश्विनी स्पोर्ट एकेडमी कुर्ग कर्नाटक, गैंगपुर हॉकी ओड़ीसा, आर्मी इलेवन दिल्ली, एस.सी रेल्वे सिकन्द्राबाद, ए.जी नागपुर, कैनरा बैंक बैंगलुरू, एन.सी.ओ.ई इम्फाल, रेल्वे बिलासपुर, आरेंज सिटी नागपुर, डी.एच.ए जबलपुर, डी.एच.ए बैतुल, बिलासपुर एकेडमी, डी.एच.ए सिवनी, डी.एच.ए दुर्ग, डी.एच.ए इटारसी, डी.एच.ए बालाघाट शामिल है।

11 से 17 जनवरी तक चलेगी प्रतियोगिता

नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि टूर्नामेंट को लेकर तैयारियां कर ली गई। टूर्नामेंट के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री प्रहलादसिंह पटेल उपस्थित रहेंगे। वहीं अध्यक्षता सांसद श्रीमती भारती पारधी, विशिष्ट अतिथि बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीतसिंह ठाकुर, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े उपस्थित रहेंगे।उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट का शुभारंभ 11 जनवरी को तो समापन 17 जनवरी को फाईनल मैच के साथ भव्य रूप से किया जाएंगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने इस अवसर पर खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है। इस दौरान हॉकी म.प्र के उपाध्यक्ष व नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के महासचिव विजय वर्मा, संरक्षक रमेश रंगलानी, ऋषभदास वैद्य, राजकुमार शांडिल्य, राजेश सेवईवार, सुशील वर्मा, मकरंद अंधारे, रमेश उके, फिरोज खान सहित अन्य मौजूद रहे।

भंडारण केंद्रों में पहुंचाई जा रही अमानक धान ?

विभिन्न गोदामो की जांच में मिली जगह जगह खामियां।। सर्वेयर के साथ रजेगांव केंद्र में की गई मारपीट, आर.बी. एसोसिएट्स ने सौपा ज्ञापन, कार्यवाही की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम दिलाने और उन्हें बिचौलियों से बचाने के लिए शासन द्वारा प्रतिवर्ष समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीदी की जाती है और तय समय सीमा में किसानो को धान का भुगतान कर दिया जाता है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदने का यह काम इस वर्ष 1 दिसंबर से शुरू किया गया है जो 20 जनवरी तक चलेगा। लेकिन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जो समितियां किसानों से धान खरीद कर उनका परिवहन कर रही है इनमें से कई समितियो द्वारा अमानक स्तर का रिजेक्ट धान गोदामो में पहुंचाकर उसका भंडारण कराया जा रहा है। जहां रोजाना 50 से 60 बोरी धान विभिन्न भंडारण केंद्रों में पहुंचाई जा रहा है। जिसमें कंकड़, पत्थर, भूसा, रेत, होने की शिकायत मिल रही है।तो वहीं कई धान खरीदी केंद्रों में रबी की धान खरीदकर अमानक स्तर की धान का भंडारण कराया जा रहा है।ऐसा करके समितियां शासन का नुकसान पहुंच रहे हैं।यह आरोप धान की गुणवत्ता का निरीक्षण करने वाली शासन से अधीकृत संस्था आर.बी. एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्रा. लि ने लगाया है। जिन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत करते हुए शनिवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने उक्त सभी शिकायतो की तत्काल जांच कर, संबंधितों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

रजेगांव के एक केंद्र में सर्वेयर के साथ की गई मारपीट

उक्त मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय ज्ञापन लेकर पहुंचे आर.बी. एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्रा. लि के गुणवत्ता कंट्रोलर और गुणवत्ता निरीक्षक सहित अन्य सर्वेयर ने बताया कि शासन द्वारा अमानक धान का खुलासा करने के लिए आर.बी. एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्रा. लि. को अधीकृत किया गया है।जो विभिन्न केंद्रों और विभिन्न भंडारण केंद्र का निरीक्षण कर इसकी रोकथाम के प्रयास करते है। साथ ही विभिन्न समितियां में सर्वेयर की भी व्यवस्था कराई गई है।जो अमानक धान पड़कर उसकी जानकारी शासन तक पहुंचा रहे है ,जिसके चलते समितियो और सर्वेयर के बीच अक्सर विवाद देखने को मिल रहा है। तो वही विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में समितियो और सर्वेयर के बीच तीखी नोकझोंक की शिकायतें भी मिल रही है। जिस पर अपनी आपत्ति हुए गुणवत्ता कंट्रोलर और

गुणवत्ता निरीक्षण के दल ने मामले की शिकायत जिला प्रशासन से ज्ञापन सौपकर की है।तो वहीं उन्होंने रजेगांव के एक खरीदी केंद्र पर सर्वेयर के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया है।जिन्होंने की गई सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराकर, संबंधियों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

बोरी में कंकर पत्थर डालकर शासन को पहुंचाया जा रहा नुकसान

सौपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया है।संस्था, आर.बी. एसोसिएट्स ग्लोबल कनेक्ट प्रा. लि.भोपाल को शासन द्वारा संपूर्ण मध्य प्रदेश सहित बालाघाट जिले में धान उपार्जन हेतु %गुणवता परीक्षण का कार्य सौंपा गया है। हमारे सर्वेयर शासन के मापदंडों के अनुरूप निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।लेकिन जब हमारे सर्वेयरों द्वारा अमानक धान के स्कंध को रिजेक्ट किया जाता है, तो संबंधित समिति प्रभारियों द्वारा अपनी कमियों को छिपाने के लिए हम पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है।समितियों द्वारा अनियमितता एवं शासन के निर्देशों का उल्लंघन कई केंद्रों पर समिति प्रभारियों द्वारा कर शासन के स्पष्ट निर्देशों की अवहेलना की जा रही है। बोरी पलटी अच्छी गुणवता बाली धान की आड़ में हल्की गुणवता वाली धान को बोरी से बोरी पलटी करके खपाने का प्रयास किया जा रहा है। मिलावट एवं धोखाधड़ी बोरियों में ऊपर अच्छी गुणवत्ता की धान दिखाई जाती है, जबकि नीचे खराब, अमानक स्तर की धान और यहाँ तक कि पत्थर कंकड भरकर शासन को आर्थिक क्षति पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन को गुमराह करने का षड्यंत्र अमानक स्कंध को अपग्रेड (साफ-सुथरा) करने के बजाय, समितियां गलत तरीकों का सहारा ले रही हैं।

जनप्रतिनिधियों से झूठी शिकायत कर बनाया जा रहा दवाव

उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल को ज्ञापन देकर और प्रशासन के समक्ष हमारे विरुद्ध तथ्यहीन व झूठे आरोप लगाए गए हैं, ताकि प्रशासन को भृमित किया जा सके। शोषण और अपनी अनियमितताओं को छिपाने के लिए कुछ समिति प्रभारियों द्वारा संदिग्ध रूप से कुछ लोगो को अनुचित लाभ पहुंचाकर / साठगांठ कर हमारे खिलाफ झूठी और एकतरफा बाते बताई जा रही है। बिना धान की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच किए फैलाई जा रही इन खबरों का उद्देश्य केवल सर्वेयरों का मानसिक शोषण करना और उन पर गलत माल पास करने का दबाव बनाना है। जिला प्रशासन द्वारा निरंतर निरीक्षण जिला प्रशासन एवं जिला उपार्जन समिति के अधिकारियों के द्वारा निरंतर निरीक्षण के दौरान उपार्जन केंद्रों पर अमानक स्तर के स्कंध को निरंतर देखा जा रहा है। इसके बावजूद भी समितियों द्वारा सुधार न कर, हम पर अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है।हमारी मांग है कि शासन को गुमराह कर अमानक धान खपाने का प्रयास करने वाले समिति प्रभारियों की गतिविधियों की सूक्ष्मता से जांच कराई जाए। बिना तथ्यों के भ्रामक अफवाह फैलाने वाले तत्वों और षड्यंत्रकारियों के विरुद्ध उचित दंडात्मक कार्यवाही की जाए।वही सर्वेयरों को सुरक्षा और निष्पक्ष कार्य करने का वातावरण प्रदान किया जाए।

60 से 70 केंद्रों में खरीदी गई अमानक धान-दीपक राखा

वारासिवनी के ग्राम खापा भंडारण केंद्र में भंडारित की गई धान की गुणवत्ता का निरीक्षण करने पहुंचे, गुणवत्ता निरीक्षक दीपक राखा ने बताया कि विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में खरीदी गई धान के स्टॉक, भंडारण के लिए भेजे जा रहे हैं।जिंसमे कई लाट अमानत व घटिया किस्मत है,हमारे सर्वेयर जब उस धान को रिजेक्ट करते हैं तो समिति द्वारा सर्वेयर पर दबाव बनाया जाता है ,समिति के लोग अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से झूठी शिकायत करते हैं और जब सर्वेयर दबाव में नहीं आते तो पैसे मांगने का आरोप लगाया जाता है। एक गाड़ी में 50 से 60 बोरी में मिट्टी कंकर पत्थर मिला है कई बोरी में अमानत धान पाई गई है। खापा केंद्र में जो बोरिया आई है, कई बोरियों में सिलाई, टैग किसानो की पहचान नंबर सहित अन्य तरह की खामियां पाई गई है। जिले में करीब 60 से 70 ऐसे केंद्र हैं जहां पर जहां अमानत धान की खरीदी की गई है।

मामले में की जाए वैधानिक कार्यवाही- शैलेंद्र भगत

कलेक्टर कार्यालय में सौंपे गए ज्ञापन के दौरान गुणवत्ता कंट्रोलर पूर्व सैनिक शैलेंद्र कुमार भगत ने बताया कि हमे शासन द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है उसका वह निर्वहन कर रहे हैं लेकिन विभिन्न समितियां में जो सर्वेयर रखे गए हैं उन पर समितियां दबाव बनाती हैं और अमानक धान को मानक बातकर पास करने को कहती है, जो सरकार के मापदंड में नहीं बैठते। जब सर्वेयर गलत काम मे साथ देने से मना कर देता है तो उसकी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से शिकायत की जाती है। हमने अब तक जितनी शिकायतें कि हैं उसका निरीक्षण खाद अधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार और अन्य अधिकारियों ने भंडारण केंद्रों पर पहुंचकर किया है सभी शिकायतें सही पाई गई है। अभी रजेगांव के केंद्र में हमारे एक सर्वेयर के साथ मारपीट की गई है जो कि गलत है। हमारी मांग है सभी शिकायतो की जांच की जाए और संबंधितों पर वैधानिक कार्रवाई की जाए।

खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025 को लेकर जिला स्तरीय बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025 की आगामी चयन स्पर्धा एवं प्रतियोगिताओं को लेकर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

08 जनवरी को खेल एवं युवा कल्याण विभाग कार्यालय बालाघाट में किया गया। यह बैठक जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में जिले में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं से संबंधित समस्त खेल संघों के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। इस दौरान आगामी तिथियों, राज्य स्तरीय खेल संघों द्वारा जारी नियमावली एवं निर्देशिका के अनुसार 11 जनवरी से विकासखंड स्तर पर चयन स्पर्धा तथा जिला स्तर पर नॉकआउट प्रतियोगिता आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए खेल संघों के पदाधिकारी, खेल क्लबों के कोच, आदिवासी विकास विभाग के खेल शिक्षक, खेल प्रशिक्षक, विभागीय युवा समन्वयक कर्मचारी तथा खेलो इंडिया कोच आपसी समन्वय के साथ निर्धारित नियमों का पालन करेंगे। बैठक में उपस्थित सभी खेल संघों के पदाधिकारियों ने आगामी खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025 के आयोजन को सफल बनाने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की।

बालाघाट में आज 5 घंटे बिजली बंद रहेगी

शहर-ग्रामीण के 4 फीडर प्रभावित, सुबह 9 बजे से शटडाउन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार, 10 जनवरी को पांच घंटे बिजली गुल रहेगी। 33/11 के.व्ही. बूढ़ी उपकेंद्र में नवीन फीडर निर्माण कार्य के कारण सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। शहर वितरण केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, बूढ़ी उपकेंद्र से जुड़े चार 11 के. व्ही. फीडर प्रभावित होंगे। इनमें बूढ़ी फीडर, भटेरा फीडर, कुम्हारी फीडर और वाटर वर्क्स फीडर शामिल हैं। बूढ़ी फीडर के अंतर्गत आईटीआई, ढीमरटोला, लुम्बिनी नगर, सुभाष नगर, गंगा नगर, बूढ़ी, समता भवन, बुद्धविहार, रैनबसेरा, एमपीईबी टाउन ऑफिस क्षेत्र और पुलिस लाइन में बिजली नहीं रहेगी। भटेरा फीडर से जुड़े गौरीशंकर नगर, माता मंदिर, आमा तालाब, नेमा कॉलोनी, नेमा लॉन, भटेरा नाका, आशा निवास, महर्षि स्कूल, भटेरा, दुर्गा मंदिर, दारूभट्टी, साईं लॉन, बूढ़ी, शिव मंदिर, बस स्टैंड, भटेरा स्कूल, बालाघाट हॉस्पिटल, मटन मार्केट, गड्डा मोहल्ला और मोनार्क सिटी प्रभावित होंगे। कुम्हारी फीडर के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्रामों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसके अतिरिक्त, वाटर वर्क्स फीडर से संबंधित वाटर प्लांट की बिजली भी बंद रहेगी। शहर वितरण केंद्र ने बताया कि कार्य की आवश्यकतानुसार शटडाउन की समयावधि घटाई या बढ़ाई जा सकती है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने डी.एल.एड. प्रथम/द्वितीय वर्ष परीक्षा 2025 (द्वितीय अवसर) के परिणाम किए घोषित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा संचालित डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष परीक्षा 2025 (द्वितीय अवसर) के परिणाम 8 जनवरी 2026 को घोषित कर दिए गए हैं। परीक्षा में सम्मिलित परीक्षार्थी अपना परिणाम मण्डल की आधिकारिक वेबसाइट www.mpbse.mponline.gov.in पर जाकर देख सकते हैं। मण्डल द्वारा परिणाम जारी होने के बाद परीक्षार्थियों में उत्साह देखा गया। संबंधित संस्थानों एवं अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आगे की प्रक्रिया के लिए मण्डल द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

दहेज में मांगा डेढ़ लाख रुपये और एक एकड़ जमीन

महिला ने पति-सास-ससुर और ननद पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की खैरलांजी पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के मामले में एक महिला की शिकायत पर उसके पति कृष्णा माहुले, सास दुर्गा माहुले, ससुर गोविंद माहुले और ननद सविता दाऊदसरे ग्राम गोंदापुर महाराष्ट्र निवासी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 23 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि दहेज में डेढ़ लाख रुपये और एक एकड़ जमीन की मांग पूरी न होने पर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह महिला खैरलांजी क्षेत्र की निवासी है। 6 जून 2022 को उसकी शादी महाराष्ट्र राज्य के ग्राम गोंदापुर के कृष्णा माहुले के साथ सामाजिक रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में महिला के माता-पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया था। कृष्णा माहुले मजदूरी का काम करते हैं। शादी के प्रारंभिक छह महीने तक महिला को उसके पति और ससुराल वालों ने सामान्य रूप से रखा। इसके बाद महिला की ननद सविता दाऊदसरे अपने पति को छोड़कर मायके लौट आई और महिला के पति-सास-ससुर को उसके खिलाफ भड़काने लगी। उसने यह कहकर ताने देने शुरू किए कि महिला दहेज में पर्याप्त गहने लेकर नहीं आई है। इस भड़काने के बाद महिला के पति, सास, ससुर और ननद ने उसके मायके से पैसे और संपत्ति लाने की मांग शुरू कर दी। रुपए न लाने पर महिला को धमकाया जाने लगा कि वह अपने मायके वालों से रिश्ता तोड़ दे। इसके साथ ही ननद के झगड़े और ताने महिला को मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करने लगे। महिला ने अपने माता-पिता को फोन करके इस परेशानियों की जानकारी दी। उसके माता-पिता ने समझाने का प्रयास किया और इसके बाद लगभग एक साल तक स्थिति सामान्य रही। लेकिन बाद में पति-सास-ससुर और ननद ने फिर से दहेज में डेढ़ लाख रुपये और एक एकड़ जमीन की मांग शुरू कर दी। महिला ने समझाया कि शादी में उसके माता-पिता ने अपनी क्षमता अनुसार सब कुछ दे दिया है और अब और नहीं दे सकते। इसके बावजूद उसे दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। 29 अक्टूबर 2025 को महिला अपने पति के साथ मायके आई थी। इस दौरान भी कृष्णा माहुले ने उसे अश्लील गालियों के साथ धमकाया और मारपीट की, साथ ही कहा कि अगर उसने डेढ़ लाख रुपये और एक एकड़ जमीन नहीं लाए तो ससुराल गोंदापुर वापस मत आना, और अन्यथा जान से मारने की धमकी दी। महिला कुछ समय बाद जब अपने ससुराल गई, तो दहेज न देने पर पति, सास, ससुर और ननद ने शारीरिक और मानसिक प्रताड़ित की जाने लगी जिससे परेशान होकर यह महिला 1 जनवरी 2026 को अपने मायके लौट आई। खैरलांजी पुलिस ने महिला की रिपोर्ट पर उसके पति सास ससुर और नंनद के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना और संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर के अवैध कॉलोनाईजरों में हड़कंप

दोनों आरोपी हुए फरार, गिरफ्तारी होगी !!

अवैध कॉलोनी विकसित करने पर सख्त कार्रवाई, दो कॉलोनाइजरों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अवैध कॉलोनी विकास के मामलों में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए एक अहम कार्रवाई की है। संभवतः यह पहला मौका है जब अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने पर संबंधित कॉलोनाइजरों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई नगर पालिका बालाघाट में पदस्थ उपयंत्री ज्योति मेश्राम की शिकायत पर कोतवाली पुलिस द्वारा की गई है। पुलिस ने बालाघाट शहर के दो कॉलोनाइजर कमल पिता मंगल पटले, निवासी नर्मदा नगर एवं लेशय कुमार पिता फूलचंद विजयवार, निवासी वार्ड क्रमांक 33 के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 292(सी) के साथ ही मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1956 के प्रावधानों के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपियों द्वारा नगर पालिका की अनुमति का पालन किए बिना कॉलोनी विकसित की जा रही थी। शिकायत की जांच के बाद नगर पालिका द्वारा आवश्यक दस्तावेज पुलिस को सौंपे गए, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई को अवैध कॉलोनियों पर रोक लगाने की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है। नगर प्रशासन का कहना है कि भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वाले कॉलोनाइजरों के खिलाफ इसी तरह कठोर कदम उठाए जाएंगे, ताकि शहर में अनियोजित विकास पर अंकुश लगाया जा सके। अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने के खिलाफ दर्ज किए गए आपराधिक प्रकरण के बाद जिलेभर में नियमों को ताक पर रखकर जनता को भ्रमित करने वाले कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध कॉलोनी निर्माण से जुड़े कई कॉलोनाइजर सतर्क हो गए हैं। कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध दर्ज किए जाने के बाद आरोपित कॉलोनाइजर कमल पटले एवं लेशय कुमार फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अलग-अलग टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है, मोबाइल लोकेशन और पूछताछ के आधार पर आरोपितों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने बताया कि नगर पालिका बालाघाट की शिकायत पर शहर के दो कॉलोनाइजरों के खिलाफ अवैध कॉलोनी निर्माण के मामले में अपराध दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपितों की पतासाजी की जा रही है और पुलिस की कई टीमें सक्रिय हैं। मोबाइल लोकेशन ट्रेस की जा रही है और जल्द ही दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस कार्रवाई को लेकर नगर प्रशासन और पुलिस ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि भविष्य में भी अवैध कॉलोनी निर्माण और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

जल्द होगी गिरफ्तारी - कामेश कुमार

थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेती ने बताया कि दोनों आरोपितों की मोबाइल लोकेशन खंगाली जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि अवैध कॉलोनी निर्माण से जुड़े मामलों में आगे भी सखूत कार्रवाई जारी रहेगी।

रायसेन के नाम रहा म.प्र हॉकी महिला स्टेट टूर्नामेंट का खिताब

2 गोल दागकर जबलपुर की टीम बनी उप विजेता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्वर्गीय दीवान बहादुर एम.एम मुलना साहब की स्मृति में 4 जनवरी से आयोजित हॉकी मध्यप्रदेश महिला स्टेट हॉकी टूर्नामेंट का फाइलन मैच 9 जनवरी को दोपहर 3 बजे से रायसेन बनाम जबलपुर के मध्य खेला गया। इसमें रायसेन टीम ने 3-2 गोल से विजयी होकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। जबकि जबलपुर की टीम उपविजेता घोषित की गई।यह फाईनल मैच काफी रोमांचक हुआ और दोनों ही टीम के खिलाडियों ने बेहतर प्रदर्शन कर खेल प्रेमी दर्शकों को रोमांचित किया।जहा फाइनल के बाद नगर के शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण के साथ समापन किया गया।

जबलपुर और मंदसौर के बीच खेला गया दूसरा सेमीफाइनल

टूर्नामेंट का सेमी फाइनल 9 जनवरी को ही सुबह जबलपुर बनाम मंदसौर के बीच खेला गया। इसमें जबलपुर टीम 5-2 गोल से विजयी होकर फाइनल में प्रवेश किया था। जबकि एक दिन पूर्व ही रायसेन ने भोपाल को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई थी।जिसके चलते प्रतियोगिता का फाइनल मैच रायसेन बनाम जबलपुर के मध्य खेला गया।जिंसमे अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रायसेन ने 3-2 से प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के फाइनल अवसर पर अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीतसिंह ठाकुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रीमती अर्चना लोकरे, पूर्व नपाध्यक्ष रमेश रंगलानी, नेहरू सपोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, हॉकी म.प्र उपाध्यक्ष विजय वर्मा, महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. सरिता चौरे, डॉ. साजिया तबस्सुम, डॉ. सुप्रिया बिसेन उपस्थित रहे। अतिथयों के हाथों विजेता व उपविजेता एवं तृतीय स्थान पर रही मंदसौर की टीम को ट्राफी व पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं हॉकी के लिये सदैव समर्पित रहने वाले विजय वर्मा, किरण भाई त्रिवेदी व वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राजकुमार शांडिल्य को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के समापन अवसर पर नेहरू स्पोटिंग क्लब की सदस्यता शिक्षक नंदू तोमर द्वारा विधिवत ली गई। जिन्हें क्लब के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुये बधाई दी।

फाइनल मैच में देखने मिली कांटे की टक्कर

टूर्नामेंट का फाइनल मैच रायसेन बनाम जबलपुर के बीच खेला गया। जो शुरूवात से ही काफी रोमांचक रहा। खेल प्रारंभ होते ही जबलपुर ने पहला गोल कर 1-0 की बढ़त बनाई, तो वहीं रायसेन की टीम के खिलाड़ी ने भी गोल कर मैच को 1-1 गोल से बराबर कर दिया। इसके बाद सेकेण्ड हॉफ में रायसेन के खिलाड़ी ने दूसरा गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। मध्यातंर के बाद रायसेन ने तीसरा गोल किया और टीम 3-1 से बढ़त में थी, तभी अंतिम हॉफ में जबलपुर टीम के खिलाड़ी ने 1 गोल कर मैच को 3-2 पर ला दिया। उधर खेल के अंतिम क्षणों में जबलपुर टीम को पैनाल्टी कार्नर मिला लेकिन उसे खिलाडियों ने गोल में परिवर्तित नहीं कर पाए और इस तरह रायसेन 3-2 गोल से विजयी हुई।वही जबलपुर को उपविजेता टीम के खिताब से नवाजा गया।

आयोजको ने जताया आभार

मैच के दौरान मंच का सफल संचालन सुशील वर्मा द्वारा किया गया व टूर्नामेंट के समापन की घोषणा हॉकी म.प्र उपाध्यक्ष विजय वर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाडियों को बधाई देते हुये इस आयोजन को सफल बनाने के लिये सभी सहयोगी व खेल प्रेमी दर्शकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार हॉकी का आयोजन हो रहा है। इसके पूर्व इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया था।11 जनवरी से अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का आयाजन किया जा रहा है। जिसमें देश की नामी गिरामी टीम हिस्सा ले रही है। जिससे जिले की जनता को बेहतर खेल देखने का अवसर मिलेगा।

इनका रहा सहयोग

खेल के सफल संचालन में वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राजकुमार शांडिल्य, राजेश सेवईवार, फिरोज खान, रमेश इंगले, रमेश उके, गोपाल धुर्वे, फिरोज खान, वामन उके, चीनु गंगवानी, तुषार मानकर, मकरंद अंधारे, सत्यम वमा सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों का सहयोग रहा।

कांग्रेस विधायक संजय उईके और अनुभा मुंजारे ने अधिवक्ताओं का समर्थन किया

कहा- अब तानाशाही पर उतर आए है नौकरशाह ऐसा सीईओ बालाघाट में नही रहेगा

अब विधान सभा में गूंजेगा अधिवक्ता के अपमान का मुद्दा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार 6 जनवरी को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ द्वारा एक आवेदक का आवेदन स्वीकार न करने और आवेदक पक्षकार के साथ जनसुनवाई पहुचे अधिवक्ता के खिलाफ कथित रूप से पक्षकार के समक्ष अशोभनीय टिप्पणी व अभद्र व्यवहार का मामला थमने का नाम नही ले रहा है।इस मामले में जहा एक ओर प्रशासनिक पक्ष अबतक सामने नही आया है।तो वही मामले को लेकर जिला अधिवक्ता संघ द्वारा शुरू किया गया चरणबद्ध आंदोलन अब भी जारी है। जो मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग पर अड़े हुए हैं।जिलाअधिवक्ता संघ द्वारा शुरू किए गए इस चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे दिन शुक्रवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और बैहर विधायक संजय उइके अधिवक्ताओं से मुलाकात करने बार कार्यालय पहुंचे।जिन्होंने इस पूरे मामले में पीड़ित अधिवक्ता और अन्य अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओ से मामले को लेकर की।वही मामले में पीड़ित अधिवक्ता को इंसाफ दिलाने की बात कही।उन्होंने बताया कि जिले में अफसरशाही बढ़ गई है। तानाशाह, नौकरशाह जनप्रतिनिधियों सहित अन्य पर हावी हो रहे है।ऐसे तानाशाह अधिकारियों को बालाघाट जिले में नहीं रहने का अधिकार नही है। तो वहीं उन्होंने मामले का निराकरण यथाशीघ्र ना होने पर इस पूरे मामले को सदन में उठाने और मुख्यमंत्री से मामले को लेकर जवाब मांगने की बात कही है।जिन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जो अवसर जो नौकरशाह तानाशाही पर उतरे हैं ऐसे अफसर जिले में नहीं रहेंगे। वहीं उन्होंने पीड़ित अधिवक्ता को मामले में इंसाफ दिलाए जाने की भी बात कही है।

सीईओ को माफी मांगनी चाहिए-मुंजारे

विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जिला पंचायत सीईओ पूर्व में मेरे कॉल का रिसीव नहीं कर रहे थे। जिसकों लेकर उन्होने आयोजित कलेक्ट्रेट की बैठक में इस मुददा को उठाया और आपत्ति की थी। जिस पर सीईओ ने खेद जताया था। वही सीईओ की कार्यप्रणाली सकारात्मक नहीं होने को लेकर उन्होने पंचायत मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से भी शिकायत की थी। जिस पर मंत्री श्री पटेल ने सीईओ को तलब कर कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिये थे। जिसके बाद सीईओ के व्यवहार में कुछ बदलाव आया और वे मेरे कॉल को रिसीव करने लगे हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि बीजेपी की सरकार में अफसरशाही कुछ ज्यादा ही हावी हो गई हैं। लेकिन यह हमारा बालाघाट है। जहां पर लोग अफसरों से कार्य कराना जानते है तो उनके गलत व्यवहार का प्रतिकार करना भी। जिसे कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा। उन्होने कहा कि वह अधिवक्ताओं के साथ है और सीईओ को अपने व्यवहार के लिये माफी मांगनी चाहिए।

अधिकारियों ने कार्यप्रणाली में सुधार लाना चाहिए- उइके

इस अवसर पर कांग्रेस विधायक संजय उईके ने भी अधिवक्ताओं के साथ हुये दुर्व्यहार की बात को संज्ञान में लिया और मामले को काफी गंभीर बताया। उन्होने कहा कि अधिकारियों को अपने कार्यप्रणाली में सुधार लाना चाहिए।

पिता-पुत्र ने किया बेटी के ससुर पर चाकू से हमला

बेटी के द्वारा कोर्ट मैरिज करने से गुस्से में थे दोनो, ग्रामीण थाना के ग्राम ठाकुर टोला की घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत लामता रोड पर स्थित ग्राम समनापुर के ठाकुर टोला के पास पिता पुत्र ने एक व्यक्ति को हाथबुक्के और चाकू से हमला कर घायल कर दिए। 9 जनवरी को दोपहर 1:00 बजे करीब यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई। चाकू के हमले में घायल व्यक्ति रमेश पिता सुखचंद ठवरे 57 वर्ष ग्राम समनापुर निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। इस व्यक्ति पर चाकू से हमला करने वाले रवि लांजेवार और उसका बेटा हर्ष लांजेवार समनापुर निवासी ही बताए गए हैं। जो घटना के बाद से फरार है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश ठवरे मजदूरी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी और दो बेटे और दो बेटी है। जिनके मोहल्ले में ही रवि लांजेवार अपने परिवार के साथ रहते हैं। 6 माह पहले रवि ठवरे के बड़े बेटे मनोज ठवरे ने रवि लांजेवार की बेटी रानी से कोर्ट मैरिज की है। और दोनों पति-पत्नी लालबर्रा में रहकर मजदूरी करते हैं। मनोज ठवरे के द्वारा रानीके साथ कोर्ट मैरिज करने से रवि लांजेवार की रमेश ठवरे और उसके परिवार के साथ आपसी रंजिश बनी हुई थी और रवि लांजेवार इस रंजिश को भुनाने की फिराक में था। 7 जनवरी को ग्राम समनापुर में रमेश ठवरे की बेटी पूनम की शादी का टीका का कार्यक्रम था। 6 जनवरी को ही मनोज ठवरे अपनी पत्नी रानी ठवरे के साथ ग्राम समनापुर अपने घर आए थे। रवि लांजेवार रमेश ठवरे के घर मनोज ठवरे और अपनी बेटी रानी को देख चुका था। 7 जनवरी को रमेश ठवरे की बेटी पूनम का टीका के कार्यक्रम सम्पन हुआ। 9 जनवरी को दोपहर में मनोज ठवरे अपनी पत्नी रानी ठवरे और छोटे भाई मनीष ठवरे के साथ मोटरसाइकिल में समनापुर से लालबर्रा जाने निकले थे।तभी मोके की ताक में बैठे रवि लांजेवार और उसके बेटे हर्ष लांजेवार ने मनोज ठवरे को रानी के साथ मोटरसाइकिल में जाते देखे और दोनों पिता पुत्र मोटरसाइकिल से उनका का पीछा करने घर से निकले थे। रवि लांजेवार और उसके बेटे हर्ष लांजेवार मोटरसाइकिल से घर से निकलते हुए रमेश ठवरे देख चुका था। तब रमेश ठवरे भी अपने भांजे जयप्रकाश खोबरागड़े के साथ मोटरसाइकिल में निकले थे। तभी ठाकुर टोला के आगे शेर ढाबा के पास पहुंचे ही थे कि रवि लांजेवार अपने बेटे हर्ष लांजेवार के साथ रोड किनारे खड़े थे दोनों पिता पुत्र रमेश ठवरे को देखकर अश्लील गालियां देने लगे। रमेश ठवरे ने उन्हें गाली देने से मना किया। तभी रवि लांजेवार ने अपने बेटे हर्ष लांजेवार के साथ रमेश ठवरे पर हमला कर दिये और उसे हाथ बुक्के से मारपीट करने के साथ ही चाकू से वार कर दिए। चाकू का वार रमेश ठवरे के कमर और पीठ में लगने से वह घायल हो गया वहीं बीच बचाव करने आए रमेश ठवरे के भांजे जयप्रकाश खोबरागड़े पर को भी दोनों पिता पुत्र ने मारपीट कर उस पर भी चाकू से वार कर दिए और मोटरसाइकिल वहीं छोड़कर फरार हो गए। चाकू के हमले में घायल रमेश ठवरे और उसका भांजा जयप्रकाश खोबरागड़े समनापुर अस्पताल पहुंचे। सूचना मिलते ही उनके परिवार के लोग भी आ चुके थे। समनापुर अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद चाकू के वार से घायल रमेश ठवरे को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने घायल रमेश ठवरे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु घटनास्थल से संबंधित ग्रामीण थाना नवेगांव भिजवा दी है।

आस-पास की खबरें

महाविद्यालय से निकाली गई जागरूकता रैली

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के अंतर्गत स्वामी

विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह के अंतर्गत 9 जनवरी को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन में जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से स्वस्थ युवा, स्वस्थ भारत, समाज को नशामुक्ति करने के उद्देश्य, समाज को आत्म निर्भर बनाने के लिए विदेशी वस्तुओं का त्याग करे एवं स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने के उद्देश्य से विद्यार्थियों द्वारा नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। जागरूकता रैली कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, रेड रिबन क्लब प्रभारी नरेश सौलखे, सहायक प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, नितेश कुमार, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. कामाक्षा बिसेन, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेडे, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

जिले के किसानों को 10 घंटे निरंतर बिजली प्रदाय करे विद्युत विभाग - सम्राट

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने गुरूवार को म.प्र. विद्युत मंडल बालाघाट के अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपकर बालाघाट जिले के किसानों को दिन में निरंतर 10 घंटे बिजली दिये जाने की मांग की है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य मे बताया कि बालाघाट जिले के किसानों को 10 घंटे की बिजली दो पाली में दी जा रही है। जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही इन 10 घंटों में अनेकों बार बिजली कटौती की जाती है, जिसके कारण किसान सिंचाई नही कर पा रहे है जिससे उनकी रबी की फसल प्रभावित हो रही है। जबकि निरंतर 10 घंटे बिजली प्रदाय की जानी चाहिए तभी किसान फसल उत्पादन ले सकते है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। श्री सरस्वार ने बताया कि दो पाली में बिजली मिलने से रात्रि के समय किसानों को खेत जाने पर हिंसक वन्यप्राणियों का भी डर बना रहता है इसलिए अधीक्षण अभियंता को लिखित ज्ञापन सौंपकर बालाघाट जिले के किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में 10 घंटे निरंतर बिजली दिये जाने की मांग की गई है।

दिन में 10 घंटे नियमित बिजली की मांग को लेकर आंदोलन 16 को

बैठक में किसानों को पर्याप्त बिजली नही मिलने से हो रही परेशानी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में शुक्रवार को किसान गर्जना संगठन की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं किसानों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में किसानों को कृषि कार्य हेतु पर्याप्त बिजली नही मिलने से हो रही परेशानी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और निरंतर दिन में 10 घंटे बिजली दिये जाने की मांग विद्युत मंडल से की है। वहीं उक्त मांगे पूरी नही होने पर आगामी 16 जनवरी को अधीक्षण अभियंता कार्यालय बालाघाट का घेराव कर आंदोलन करने की रणनीति तैयार की है। वहीं बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं किसानों ने कहा कि सरकार के द्वारा पूर्व में कहा गया था कि कृषि कार्य के लिए 24 घंटे बिजली दी जायेगी, लेकिन उक्त घोषणा पूरी नही हो पाई है। जिसके बाद किसानों को 10 घंटे कृषि कार्य के लिए बिजली दिये जाने की बात कही गई है। लेकिन लालबर्रा क्षेत्र में विद्युत विभाग के द्वारा इस 10 घंटे की बिजली को दो शिफ्ट में प्रदाय की जा रही है। जिससे किसानों के खेतों में लगी फसल में सिंचाई नही हो पा रही है जिसके कारण रबी में लगी दलहन एवं धान की फसल नही पक पायेगी जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। वहीं दिन एवं रात में बिजली दी जाती है ऐसी स्थिति में रात्रि के समय किसान अपने खेत नही जा पा रहे है क्योंकि रात्रि के समय वन्यप्राणियों के हमले करने एवं जहरीले कीड़े-मकोड़े व सर्प के काटने का डर बना रहता है। साथ ही यह भी कहा कि दो पाली में बिजली प्रदाय की जाती है वह भी पुरी नही मिल पा रही है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। इसलिए सरकार एवं विद्युत विभाग से मांग है कि एक साथ दिन में 10 घंटे नियमित रूप से कृषि कार्य के लिए बिजली प्रदाय करें नही तो आगामी 16 जनवरी को अक्षीक्षण अभियंता कार्यालय बालाघाट का घेराव का विरोध प्रदर्शन किया जायेगा, जिसका जिम्मेदार शासन-प्रशासन होगा। बैठक में 16 जनवरी को किसानों के हित में 10 घंटे नियमित रूप से दिन में बिजली प्रदाय किये जाने की मांग को लेकर अधीक्षण अभियंता (विद्युत विभाग) कार्यालय का घेराव करने के संबंध में रणनीति तैयारी की गई है। इस अवसर पर किसान अजय पटले, गुरूप्रसाद बिसेन, नारायण यादव, धर्मेन्द्र ढांडे, मुनेन्द्र ठाकरे, सतानंद दमाहे, नारायण यादव, टीकाराम मोहारे, हरसित गोमासे, राजेन्द्र हरिनखेडे सहित अन्य पदाधिकारी एवं किसानगण उपस्थित रहे।

पर्याप्त बिजली नही मिलने से किसान परेशान है - सतानंद

किसान सतानंद दमाहे ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को कृषि कार्य के लिए पर्याप्त बिजली नही मिल रही है और जो बिजली मिल रही है वह दो शिफ्ट में दी जा रही है, जिससे पर्याप्त सिंचाई नही होने से फसल खराब हो रही है। जबकि कृषि कार्य के लिए 24 घंटे बिजली प्रदाय की जानी चाहिए किन्तु 10 घंटे देने की बात कही गई है। वह भी पूरी नही मिल रही है जिससे किसानों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

मांगे पूरी नही होने पर अधीक्षण अभियंता कार्यालय का करेगें घेराव - रामचंद्र

किसान गर्जना संगठन लालबर्रा अध्यक्ष रामचंद्र सिहोरे ने बताया कि किसानों को सिंचाई के लिए शासन के निर्देशानुसार 10 घंटे बिजली दी जा रही है परंतु यह बिजली नियमित रूप से एक साथ 10 घंटे न देखकर सुबह 6 घंटे एवं रात में 4 घंटे मिलती है। इस तरह से दो पाली में दी जा रही है जिससे किसानों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री सिहोरे ने बताया कि बिजली की समस्या को लेकर बैठक आयोजित की गई थी और किसान गर्जना संगठन के बैनर तले आगामी 16 जनवरी को जिला मुख्यालय में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव का दिन में निरंतर 10 घंटे बिजली दिये जाने की मांग की जायेगी।

विकासखण्ड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने दिखाया हुनर

अमोली के शासकीय कन्या उमावि. में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 9 जनवरी को विकासखण्ड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी (मेला) कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोजित इस विज्ञान प्रदर्शनी मेला में विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले शासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता व वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया। आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी (मेला) में छात्र-छात्राओं ने विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण और गणित जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित आकर्षक मॉडल तैयार कर उपस्थित हुए। इस तरह से विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा और गणितीय सिध्दांतों को मॉडलों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। साथ ही छात्र-छात्राओं के द्वारा तैयार किये गये इस मॉडल को शिक्षक-शिक्षिका एवं निर्णायकों ने प्रत्येक स्टाल पर जाकर देखे और छात्र-छात्राओं के द्वारा बनाये गये मॉडलों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। साथ ही शिक्षक एवं निर्णायकों के द्वारा मॉडलों की कार्यप्रणाली और उनके सामाजिक व वैज्ञानिक महत्व के बारे में प्रश्न पूछे, जिनका विद्यार्थियों ने जवाब भी दिये। वहीं इस विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारना है। साथ ही विकासखण्ड स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी (मेला) में चयनित विद्यार्थी आगामी समय में जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में विकासखण्ड का प्रतिनिधित्व करेगें। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 9 जनवरी को विकासखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विकासखण्ड स्थित शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक स्कूल के छात्र-छात्राएं विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण, गणित का प्रदर्शनी लेकर उपस्थित हुए। जिनके द्वारा तैयार किये गये मॉडल को निर्णायकों के द्वारा निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं से उसके महत्व के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही जिसका मॉडल अच्छा रहा उसे विकासखण्ड स्तर के लिए चयनित किया जायेगा। श्री तुरकर ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी मेला का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य है कि छात्र-छात्राओं में वैज्ञानिक रूचि बढ़ाना है। इस अवसर पर बीआरसी श्रीराम तुरकर, बीएसी, जनशिक्षक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कक्षा 10 वीं और 12 वीं की प्री-बोर्ड परीक्षा जारी

वार्षिक परीक्षा के लिए परखी जा रही विद्यार्थियों की तैयारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 10 वीं और 12 वीं की गत 5 जनवरी से प्री बोर्ड परीक्षा शुरू हो चुकी है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में भी गत 5 जनवरी से प्री बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। शुक्रवार को कक्षा 10 वीं के 233 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का और कक्षा 12 वीं के 25 विद्यार्थियों ने संस्कृत एवं 239 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक हल किये। इस तरह से दो कक्षाओं में 30 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे। वहीं प्री-बोर्ड परीक्षा संपन्न होने के बाद फरवरी माह में बोर्ड वार्षिक परीक्षा शुरू हो जायेगी। वहीं यह प्री-बोर्ड परीक्षा पुरी बोर्ड के निर्देशानुसार संपन्न करवाई जा रही है ताकि फरवरी माह में संपन्न होने वाली बोर्ड परीक्षा के पहले उनकी वार्षिक परीक्षा की तैयारी का मूल्यांकन किया जा रहा है यानि कि परीक्षा की तैयारी को परखी जा रही है। वहीं जो विद्यार्थी इस परीक्षा में जिस विषय में कमजोर होगें उनके लिए रिमिडयल कक्षाएं लगाकर उनकी कठिनाईयों का समाधान भी किया जायेगा ताकि विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो सके। चर्चा में सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 10 वीं, 12 वीं की बोर्ड परीक्षा के पहले प्री बोर्ड परीक्षा लेने के निर्देश जारी किये गये है। इसी निर्देश के परिपालन में गत 5 जनवरी से कक्षा 10 वीं और 12 वीं की प्री-बोर्ड परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। 9 जनवरी को कक्षा 10 वीं के 233 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय एवं कक्षा 12 वीं के 25 विद्यार्थियों ने संस्कृत और 239 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किये है और परीक्षा संपन्न होने के बाद जल्द परिणाम घोषित कर दिया जायेगा एवं फरवरी माह के प्रथम सप्ताह से वार्षिक परीक्षा शुरू होने वाली है। श्री दुबे बताया कि इस प्री बोर्ड परीक्षा से ब' चों की वार्षिक परीक्षा की तैयारी का मूल्यांकन किया जा रहा है और इस परीक्षा में जो विद्यार्थी जिस विषय में कमजोर होगें उनकी रिमिडियल कक्षाएं लगाकर जो कठिनाई आ रही है। उसका समाधान कर परीक्षा की अच्छी तैयारी करवाई जायेगी ताकि सभी विद्यार्थी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो सके।

मुरझड़ में 21 हजार ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत मुरझड़ स्थित पट मैदान में क्रिकेट स्टार 11 के तत्वाधान में 10 जनवरी से 21 हजार ईनामी ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी से मुरझड़ के पट मैदान में ग्रामीण स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रथम पुरस्कार 21000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 11000 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 1100 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त प्रतियोगिता सरपंच भोजलाल लिल्हारे की अध्यक्षता एवं पत्रकार कमलेश बंजारी, मोहसिन खान, पूनम राउत, राजू पंचेश्र, ईश्वरीप्रसाद नगपुरे, नंदकिशोर डेहरे, रामेश्वर डेहरे, तुलाराम लिल्हारे (लोधी अध्यक्ष), डीजनलाल दशरिये (सचिव), मनोज वाहने (सहायक सचिव), प्रेमलाल बिरनवार, दशरथ नगपुरे, ओमकार बिरनवार, नंदकिशोर नगपुरे, शिवप्रसाद अटरे, विवेक सिहोरे, दीपक बिरनवार, महेन्द्र दशरिये, दशरिये, महाजन बसेने,

ओमकार सिहोरे, प्रताप पंचेश्वर, दौलत सिहोरे, मानसिंह पंचे, रामचंद्र सिहोरे, विष्णु नगपुरे, रामकिशोर पंचेश्वर, प्रेमलाल नगपुरे, नंदकिशोर अटरे, बुन्नू बिरनवार, दीपक नगपुरे, कृष्णा घोटीकर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर जिलेभर के क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष, सरपंच भोजलाल लिल्हारे, उपाध्यक्ष रामेश्वर बिरनवार, कार्यकारिणी अध्यक्ष ललित डेहरे, आकाश अटरे, धीरत लिल्हारे, तुषार डेहरे, आयुष बिरनवार, सतीष नगपुरे, कृष्णा बिरनवार, अंकुश नगपुरे, स्वराज दशरिये, राजेन्द्र नगपुरे, विनय सिहोरे, निकेत बिरनवार, सुमित पिछोड़े, ब्रजेश बसेने, गजेन्द्र बिरनवार, दुर्गा मोहारे, अमित बहेटवार, आकाश घोटीकर, प्रमोद बहेटवार, पियुष बिरनवार, राजा बिरनवार, अंकुश सिहोरे, अरविंद अटरे, आदर्श बसेने, सागर पंचेश्वर, पंकज लिल्हारे, आर्यन नगपुरे, सांईराम सिहोरे, प्रभात बसेने, दिपेश नगपुरे, मिथलेश बसेने, सोमेश चौधरी, कशोरी मुंजारे, विनोद बिरनवार, ललित कुतराहे, राहुल दशरिये, विशाल धामड़े, शैलेष बिरनवार, सतीष बहेटवार, अरविंद दांदरे, सौरभ अटरे सहित ग्रामीणजनों ने की है।

हीरालाल महोबे का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पंचायत बेलगांव निवासी, ग्राम पंचायत रानीकुठार सचिव केशव महोबे के बड़े भाई, आरटीओ विभाग के कर्मचारी 60 वर्षीय हीरालाल महोबे का 9 जनवरी को प्रात: के समय हृद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरटीओ विभाग के कर्मचारी हीरालाल महोबे बीते सोमवार को रजेगांव स्थित आरटीओ चेक पोस्ट पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे। तभी अचानक उनका स्वास्थ्य खराब हो गया और वे बेहोश होकर गिर पड़े जिसके बाद सहकर्मियों द्वारा उन्हें तत्काल उपचार हेतु रजेगांव अस्पताल लेकर पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद परिजनों द्वारा गोंदिया के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। वहीं गोंदिया में स्वास्थ्य में कोई सुधार नही आने पर उन्हे बेहतर उपचार के लिए नागपुर रिफर किया गया था। नागपुर के अस्पताल में उपचार जारी था, इसी बीच शुक्रवार की सुबह अचानक तबियत अधिक खराब होने एवं हृद्यगति रूक जाने से उनका दु:खद निधन हो गया। वहीं आरटीओ विभाग के कर्मचारी हीरालाल महोबे का निधन

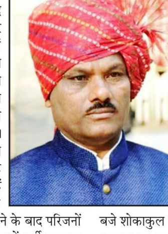

हो जाने की खबर लगते ही चित-परिचित एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. हीरालाल महोबे सामाजिक गतिविधियों में भी उनकी गहरी रूचि थी। वे रविदास समाज के सक्रिय सदस्य थे और सामाजिक उत्थान के कार्यों में हमेशा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। स्थानीय युवाओं के लिए वे एक अभिभावक की तरह थे जो सदैव उन्हें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते थे। साथ ही सरल, स्वभाव व मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। स्व. हीरालाल महोबे का बेलगांव स्थित मोक्षधाम में शुक्रवार की शाम 4 बजे शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

बड़ा देव पूजा स्थल की जमीन पर नही बनने देंगे जनपद का नया भवन ,जन आंदोलन की आदिवासी समाज ने दी चेतावनी

बड़ा देव पूजा स्थल को लेकर आदिवासी समाज और प्रशासन आमने-सामने

रिजनल रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत का नवीन भवन का निर्माण किया जाना है। यह भवन नगर एवं आसपास की पंचायत में भूमि आवंटित कर बनाया जाना है।ऐसे में बालाघाट रोड़ पर प्रशासन के द्वारा आदिवासी समाज के बड़ा देव पूजा स्थल का चयन किया गया है। जिसको लेकर प्रशासन और आदिवासी समाज आमने सामने खड़ा हो गया है। इस दौरान आदिवासी समाज के द्वारा हाई कोर्ट के निर्देश अनुसार बड़ा देव पूजा स्थल की भूमि समझौते अनुसार कलम १२ में दर्ज करने की मांग की जा रही है। वहीं विभाग के द्वारा मौके पर ११ जनवरी को जनपद का भूमि पूजन करने के बाद आदिवासी समाज की मांग पर ध्यान देने की बात कही जा रही है। इसी विषय को लेकर आदिवासी समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है और उनके द्वारा बड़ा देव स्थल को कालम १२ में दर्ज नही करने पर जन आंदोलन करने की चेतावनी प्रशासन को दी गई है। वहीं इसी विषय को लेकर ९ जनवरी को एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा गया है।

भूमिपूजन के पहले कालम १२ में दर्ज हो भूमि

आदिवासी समाज के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर क्रांतिकारी वीर नायक भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा लगायें जाने शासन से सहमत होते हुए बडादेव पूजा स्थल हेतु समझौता अनुसार भूमि खसरा नक्शा अभिलेख में आरक्षित किये जाने मांग की गई है। ज्ञापन में समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि वारा पटवारी हल्का नंबर २६/१ राजस्व निरीक्षक मंडल वारासिवनी के खसरा नंबर ५४६/३ क्षेत्रफ ल १.०१५ नजूल भूमि में से १.१५ एकड भूमि पर बडादेव का पूजा आराधन अर्चना वर्षो से आदिवासी समाज के द्वारा ग्राम वारा के समस्त आदिवासीयों के द्वारा किया जाता रहा है। वहां भगवान बिरसा मुंडा की पूजा अर्चना कर सतरंगी ध्वज लगा भूखंण्ड के चारो ओर पीले एवं सतरंगी ध्वज आदिवासी समुदाय द्वारा परम्परानुसार मनाया जाता है। उक्त भूमि खसरा नंबर ५४६/३ क्षेत्रफल १.०१५ हे. नजूल भूमि मे से १.१५ एकड भूमि पर बडादेव पूजा अर्चना किया जाते आ रहा है। जिस पर गत दिनों शासन प्रशासन और अध्यक्ष मानसिंह परते आदिवासी समुदाय ग्राम वारा और समस्त आदिवासीगणों के बीच आपसी बैठक ८ जनवरी को हुई। इस बैठक में समझौता सहमती से उक्त भूमि में से ०.२०२ हेक्टेयर यानी ५० डिसमिल भूमि आदिवासी समुदाय हेतु बिरसामुंडा की प्रतिमा लगायें जाने और आदिवासी समुदाय के लिए स्थल भूमि खसरा नंबर ५४६/३ के कॉलम नंबर १२ में दर्ज करना सुनिश्चित किया जायें। इसके बाद नवीन जनपद पंचायत भवन निमार्ण हेतु भूमि प्रस्तावित करें। इस अवसर पर स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कालम १२ में जमीन नहीं चढ़ेगी तो कब्जा नहीं हटेगा-रायसिंह

ग्रामीण रायसिंह पंन्द्रे ने बताया कि बालाघाट रोड़ पर आदिवासियों का बड़ा देव स्थल है। वहां पर हम पूजा करते आ रहे हैं अब प्रशासन वहां जनपद बनाने की कोशिश कर रहा है। जबकि वह हमारा पूजा पाठ का स्थान है हमारी कोई सुन नहीं रहा है। हम चाहते हैं कि हमें इसके बदले जमीन दे और नहीं देंगे तो आंदोलन करेंगे।जन आंदोलन होगा जनपद नहीं बनने देंगे यह आंदोलन गांव और समाज के लोगों के साथ मिलकर करेंगे। जब तक कलम १२ में जमीन नहीं चढ़ेगी हम वहां से नहीं हटेंगे और ना ही हमारा कब्जा हटेगा।

यह जमीन समाज को पंचायत ने ग्रामसभा में प्रस्ताव लेकर दी हैं-यशवंत

ग्रामीण यशवंत पूसाम ने बताया कि हमारा बड़ा देव पूजा स्थल है बिरसा मुंडा का स्थल है।यह जमीन की पंचायत ने एनओसी दे रखी है प्रस्ताव भी है और यह ग्राम सभा में लिया गया है की ५४६/३ में १ एकड़ १५ डिसमिल जगह हमारी है।एसडीएम न्यायालय में हम सभी ने आकर आवेदन दिया है जिला कलेक्टर को भी दिया है कि इसे कालम नंबर १२ में चढ़ाया जायें। अन्यथा आंदोलन होगा जनपद हम बनने नहीं देंगे और इसके लिए हमें हाई कोर्ट जाना पड़े तो जाएंगे।क्योंकि ना लोकसभा ना विधानसभा सबसे बड़ी ग्राम सभा जिसका हमारे पास प्रस्ताव है जनपद हम बनने नहीं देंगे।

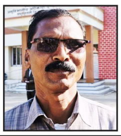

हम जनआंदोलन कर हाई कोर्ट में केस दायर करेंगे-गणेश

समाज ब्लॉक अध्यक्ष गणेश कुमरे ने बताया कि हम एसडीएम के पास आये हैं क्योंकि हमारा जो पूजा स्थल है वहां बरसों से हम पूजा कर रहे हैं। हाई कोर्ट का आदेश भी है कि आदिवासियों के बड़ा देव स्थल को कालम १२ में अंकित करें। जिला कलेक्टर ,एसडीएम ,पटवारी सभी को इसके निर्देश भी है अब यह हमारी भूमि में पंचायत भवन बनाने जा रहे हैं तो हम चाह रहे हैं कि हमारी भूमि सुरक्षित हो। हमारे द्वारा २००५ से यह मांग की जा रही है वहां पर रकबा करीब एक एकड़ १५ डिसमिल है उसमें शासन जमीन मांग रही थी। हम चाहते हैं जनपद बने परंतु हमारी मांग पूरी हो और नहीं तो आंदोलन होगा ।हाई कोर्ट में केस दायर करेंगे और जनपद के भूमि पूजन के पहले यह भूमि पूजा स्थल के नाम हो।

बरसों से यहां हमारा बड़ा देव पूजा स्थल है इसे हम नहीं हटाएंगे-मानसिंह

अध्यक्ष मानसिंह परते ने बताया की वाराटोला में खसरा नंबर ५४६/३ में एक एकड़ १५ डिसमिल पर हम कई वर्षों से काबिज है। इसके लिए हम शासन से लगातार मांग कर रहे हैं आवेदन भी अधिकारियों को दे दिए हैं राज्यपाल तक पहुंचा दिए हैं। अभी १५ दिन पहले पता चला कि उस जमीन पर जनपद भवन बना है तो एसडीएम को तहसीलदार ने हमसे संपर्क किया। हमने उन्हें कहा है कि बरसों से यहां हमारा बड़ा देव पूजा स्थल है इसे हम नहीं हटाएंगे जनपद आप कहीं भी बनाएं। फि र लगातार बैठक हुई और कल निरीक्षण किया गया जिसमें चर्चा हुई की ५० डिसमिल हमें देंगे तो हम आज आवेदन देने आए थे की कोई भी काम करने से पहले कालम १२ में भूमि दर्ज की जायें।

कांग्रेस खेल एवं खिलाडी प्रदेशाध्यक्ष का हुआ आगमन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ९ जनवरी को कांग्रेस खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत मिश्रा का बालाघाट आगमन हुआ। जिसमें नवनियुक्त खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष जावेद अली सहित राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच के द्वारा स्वागत कर सम्मान किया गया। जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार पूरे जिले में खेल एवं खिलाड़ियों की स्थिति एवं भावनाओं को उच्च श्रेणी में विकाश की ओर अग्रसित करने की विस्तृत चर्चा की गई। वहीं आवश्यक दिशा निर्देश व खेल प्रोत्साहन करने की चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके, खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री अधिवक्ता राकेश सिंघारे ,ब्रॉडगेज संघर्ष समित अध्यक्ष अनूप सिंह बैंस ,इंद्रजीत गौतम, अंशुमान गौतम, दिगम्बर अरशद कुरैशी ,सुमेद बंसोड़ ,राजेश कोलते ,राजा पंचेश्वर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मानव कल्याण सेवा आश्रम में अध्यात्मिक भक्ति में सत्संग ज्ञान यज्ञ का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। रामपायली। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नवेगांव ख में मानव कल्याण सेवा आश्रम के द्वारा आध्यात्मिक भक्ति मय सत्संग ज्ञान यज्ञ का नव वर्ष के अवसर पर समापन हुआ। इस मानव कल्याण के लिए आध्यात्मिक भक्ति मय सत्संग ज्ञान यज्ञ का १६ वर्षों से ग्राम में मानव कल्याण सेवा आश्रम नवेगांव ख में युवा जागृति एवं जागृति राष्ट्र जागृति का कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में प्रथम दिन घट स्थापना जोत प्रजवलित ग्राम स्वच्छता अभियान कलश यात्रा गायत्री यज्ञ शक्ति प्रज्ञापीठ खैरलांजी के सौजन्य से किया गया । सामुदायिक प्रार्थना गीता प्रवचन प्रबोधन गुलाबचंद के द्वारा हरिपाठ एवं कीर्तन बालकृष्ण सुभाष महाराज, विमल ताई महाराज ,वीरेंद्र चन्ने महाराज ,भजन मंडल राहुल बाल कीर्तनकार विजय महाराज गौ रक्षक कटंगी के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया। दूसरे दिन सामुदायिक ध्यान चिंतन नामदेव ठाकरे संगीत शिक्षक गुरुदेव सेवा आश्रम वर्धा नाना महाराज का आगमन एवं धर्म प्रचारक सम्मेलन एवं सत्कार गौ पूजन प्रार्थना सत्संग प्रवचन एवं अन्य संत जन का सत्कार समारोह और महाप्रसादी के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया। इस कार्यक्रम में सांसद श्रीमती भारती पारधी ,विधायक विवेक पटेल ,विधायक गौरव सिंह पारधी , विधायक श्रीमती अनुभां मुंजारे , विधायक मधु भगत, संजय सिंह उइके ,राजकुमार कराहे,पूर्व विधायक योगेंद्र निर्मल ,पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत ,बोधसिंह भगत ,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ,जनपद पंचायत अध्यक्ष आशु गुनाराम बघेले , जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनीता मानसिंह बहेटवार, श्रीमती मधु ऋषि शुक्ला ,प्रकाश उके ,श्रीमती स्वाति सुरेंद्र मसकरे ,श्रीमती सागरता मानक लाल कटरे ने इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाडीयों की टीम बनाकर बड़े स्तर पर खेलने का मिलेगा मौका -प्रदीप

सिकन्द्रा ने बनियाटोला की टीम को ५४ रनो से किया पराजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का ग्राम सिंकन्द्रा में आयोजन किया गया। जिसमें सिकन्द्रा की टीम ने बनियाटोला की टीम को ५४ रन से पराजित कर विजेता का ताज हासिल कर लिया। विजेता व उपविजेता दोनो टीमो को क्रमश ३१ हजार एक रूपये व १५ हजार एक रूपये सहित ट्राफी का पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री के हस्ते प्रदान किये गये। मेगा फ ाईनल में देवधर क्रिकेट टीम के प्रमुख सदस्य प्रबल प्रदीप जायसवाल का जन्मदिवस खिलाडीयो ने खेल के अंदाज में मनाकर एक अमिट छाप सी छोड दी। इस दौरान प्रदीप जायसवाल पूर्व केबिनेट मंत्री, सौरभ टेबू पटेल, सरपंच कन्हैया खैरवाल, प्रबल प्रदीप जायसवाल, मनोज दांदरे, अमित येरपूडे, शैलेन्द्र तिवारी, मानू लिमजे,संतोष आडे, कुलदीप डहरवाल मौजूद रहे। मेगा फ ाइनल के रोमांचकारी पलो में सबसे पहले बनियाटोला इलेवन ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। यंग स्टार सिकन्द्रा ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित दस ओवरो में १६८ रन का पहाड समान स्कोर खडा कर दिया। सिकन्द्रा की टीम से सुमीत भौरे ने सिर्फ३३ गेंद पर ९९ रन की तूफानी पारी खेली। जिसमें चार चौके व दस सिक्सर शामिल है। लक्ष्य का पीछा करते हुये बनियाटोला की टीम सात विकेट पर सिर्फ११४ रन ही बना पायी। अंतत सिकन्द्रा टीम ने यह मेगा फाईनल ५४ रनो के अंतर से जीत लिया। मैन आफद सीरिज का पुरस्कार सुमीत भौरे व बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार क्वाटर फ ाईनल में १०० रन बनाने वाले सौरभ उइके को प्रदान किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की आज ग्रामीण स्तर पर क्रिकेट खेल के अंदाज को देखकर यकीन हो गया कि हमारे क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नही है। हम चाहते है की ग्रामीण स्तर पर के अच्छे खिलाडीयों की प्रथक से टीम बनाकर उसे लैदर बाल देवधर प्रतियोगिता में भी अवसर दिया जायें। इस साल का महानगरो की बडी बडी टीमो से सजे हुये अंतर्राज्यीय देवधर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन वारासिवनी के खेल मैदान में १ फरवरी २०२६ से किया जा रहा है जिसमे सभी खिलाडीयो का स्वागत है। आयोजन को सफल बनाने में यर्थाथ चौधरी,भरत डहारे, अनिल पांचे,सुमीत भौरे, राहुल कुमार, सूरज बांडेबूचे, निहाल चौहान, गोल्डी टेंभरे, जमील शेख,बिटटू कुमार का सक्रिय योगदान रहा।

राधा कृष्ण मंदिर में श्रीमद् भागवत रसोत्सव जारी

ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कृष्ण लीलाओं का किया जा रहा बखान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १ मिश्रा नगर स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत रसोत्सव ज्ञान यज्ञ सप्ताह जारी है। जहां पंडित भुवनकृष्ण दुबे के द्वारा व्यास पीठ से भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का बखान किया जा रहा है। यह कार्यक्रम ७ से १४ जनवरी तक आयोजित किया गया है। जिसमें दोपहर ३ से शाम ६ बजे तक व्यास पीठ से संगीतमय कथा प्रवचन के माध्यम से सुनाई जा रही है। इस दौरान ७ जनवरी की सुबह १० बजे श्री राधा कृष्ण मंदिर से भव्य कलश शोभायात्रा हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। जो वार्ड के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर पहुंची जहां शाम ३ से पीठ पूजा करने के उपरांत कथा वाचक शुकदेव आगमन की कथा सुनाई गई। इसी प्रकार ८ जनवरी को सृष्टिवर्णन विदुर मत्रेय संवाद कपिल देवदुती संवाद एवं ९ जनवरी को धुव्र चरित्र जड़ भरत नरसिंहावतार प्रहलाद चरित्र की कथा सुनाई गयी। १० जनवरी को सुर्यवंश वर्णन रामकथा कृष्ण जन्मोत्सव, ११ जनवरी को बाललीला वर्णन पूतना वध गिरीराज पूजन छप्पन भोग ,१२ जनवरी को कृष्ण मथुरागमन कंस वध रुकमणीमंगल ,१३ जनवरी को कृष्ण सुदामा मिलन परिक्षित मोक्ष की कथा सुना कर कथा विश्राम की जायेगी। १४ जनवरी को हवन पूजन पूर्णाहूती एवं महाप्रसादी वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस संगीतमय श्रीमद् भागवत रसोत्सव ज्ञान यज्ञ सप्ताह में नगर सहित क्षेत्र के लोगों से आधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील राधा कृष्ण मंदिर समस्त महिला मंडल ने की हैं।

राज्य स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिये गायत्री बनोटे का हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार राज्य स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस पदमधर सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना के द्वारा ९ जनवरी से किया जा रहा है। जिसे हेतु शासकीय एस एसपी महाविद्यालय वारासिवनी के १ छात्रा कुं गायत्री बनोटे बीएससी तृतीय वर्ष का चयन हुआ है। ज्ञात हो की गायत्री का चयन संभाग स्तरीय महिला वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजक शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में उच्च प्रदर्शन के आधार पर किया गया है । राज्य स्तर पर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना गर्व का विषय है। गायत्री के चयन पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ सरिता कोल्हेकर,विकास साहू सहित अन्य ने बधाई प्रेषित की है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

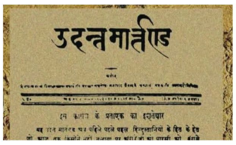

देश के लिए उम्मीद के आंकड़े

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक, भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.4 फीसद की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है। सात फीसद या उससे अधिक दर का मतलब यही है। दूसरी ओर, तेज जीडीपी से मांग बढ़ती है, जिससे यदा-कदा महंगाई का दबाव बनता है। अगर विकास दर संतुलित रहे तो आपूर्ति बढ़ने से महंगाई काबू में रहती है। कहा जा सकता है कि आम आदमी के लिए बहुत तेज विकास दर का मतलब महंगाई का खतरा होता है, वहीं इसकी धीमी रफ्तार से आमदनी प्रभावित होती है। लिहाजा, मध्यम और स्थिर विकास आंकड़ा सबसे अच्छा माना जाता है।

कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है, और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है। दूसरी ओर, नवीनतम आंकड़ों को लेकर चर्चा में कई पहलुओं की अनदेखी हो रही है। कुछ महीने बाद आने वाले जीडीपी के अनंतिम आंकड़े उनसे प्रभावित दिखेंगे। जीडीपी के आंकड़ों में अवैतनिक श्रम (जैसे घरेलू काम), पर्यावरणीय क्षति, आय असमानता और गैर-बाजार लेनदेन (जैसे स्वयंसेवा) जैसे महत्त्वपूर्ण पहलुओं को नहीं गिना जाता। जीडीपी देश की औसत आय बताता है, लेकिन यह नहीं दिखाता कि धन का वितरण कितना असमान है। उच्च जीडीपी के बावजूद समाज के एक बड़े हिस्से का जीवन स्तर निम्न हो सकता है। यह उन वस्तुओं और सेवाओं (जैसे निजी खपत के लिए उत्पादित वस्तुएं, स्वयंसेवा) को शामिल नहीं करता जिनका बाजार में लेन-देन नहीं होता, और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार को नहीं दर्शाता। आपदाओं या खराब परिस्थितियों से बचने के लिए किया गया खर्च (जैसे प्रदूषण मास्क खरीदना, मरम्मत कार्य) भी जीडीपी बढ़ाता है, जबकि यह असल में समाज के कल्याण में कमी को दर्शाता है। ऐसे में जीडीपी के आंकड़ों को सतत विकास का संकेतक नहीं माना जाता। यह भविष्य की पीढ़ियों पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में नहीं रखता। बावजूद इन तर्कों के, जीडीपी के आंकड़ों से उम्मीद तो बढ़ी है। जरूरत इस बात की है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

इस लिफाफे में तुम्हारे पूर्वजों की स्मृति है

डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य

ऊर्जा और विजय मुझे पसंद है पर जो मैं हासिल करता हूं उसमें जल्दी ही उदास हो जाता हूं। मुझे पहचानहीनता और आत्मनिषेध भी पसंद है लेकिन जिजिविषा अपनी ओर खींचती है।.... इसका कारण है-हमारा देश।

ज्ञानरंजन ने कहा था। वे सुदीर्घ योगदान के लिए जब अमर उजाला शब्द सम्मान समारोह में आकाशदीप ग्रहण कर रहे थे तो उनके शब्दों की दमक मुंबई के सभागार में खचाखच भरे हॉल को रोशनी से भर रही थी।

वे ऐसे ही, हरदम उद्दाम ऊर्जा के साथ एक गहरे स्थैर्य को भी संबोधित करते आए थे। इस सदी के पहले दशक में उनसे मेरी दुआ-सलाम शुरू हुई जो पहले ही दौर में एक आत्मीय रिश्ते में तब्दील हो गई। यह मेरी हिन्दी साहित्य की यात्रा का नया दौर था.ऐसा मैं अकेला नहीं था। उनकी उम्र से आधी उम्र के लोग उनके बहुत गहरे मित्र हो जाते थे। उनके छोटे-छोटे पोस्टकार्ड और जलती सीपियों सी चिट्ठियां अपने साथ समंदर की आवाज और तल में बैठी धूप एक साथ दे सकती थीं। शायद यह उनकी प्रकृति और पृष्ठभूमि का ही खेल था कि वे वैचारिक प्रतिबद्धताओं के साथ अंतरंगता के इंद्रधनुष में कहीं गहरे रंग डाल सकते थे।

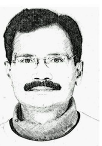

उनकी उम्र से आधी उम्र के लोग उनके बहुत गहरे मित्र हो जाते थे। उनके छोटे-छोटे पोस्टकार्ड और जलती सीपियों सी चिट्ठियां अपने साथ समंदर की आवाज और तल में बैठी धूप एक साथ दे सकती थीं। उनके लिखे कई कार्ड मेरी सम्पत्ति हैं.

पर्वत श्रृंखलाओं को पार करने, नदियों की छाती पर पुल बनाने, जंगलों-बीहड़ों से गुजरते जाने और रेतीले तपिश भरे अनुभवों में जाने और लौटने को वे अपना चुना हुआ काम कहते थे। मध्यवर्गीय शहरी जीवन की विसंगत स्थितियों का संधान करने की शक्ति से उन्होंने साठोत्तरी कहानी को अपनी ऊर्जा से भर दिया था।

विवादों, असहमतियों और जिद का उनका अपना इतिहास है। चाहे वह गांधीवादी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पिता रामनाथ सुमन से हो या आलोचक नामवर सिंह से। पिता अपने इस मझले बेटे की वैचारिकी से असहमत थे, पर गुंटर ग्रास की महंगी किताब 'डॉग ईयर्स' खरीदने के लिए रुपए भी वही देते थे। नामवर उन्हें 'डेढ़ कहानी का कथाकार' कहते थे पर सोवियत लैंड अवार्ड देने के लिए उन्हें पचास साल के ज्ञानरंजन का नाम ही सबसे प्यारा लगा। ज्ञानरंजन की इस अनूठी उलटबांसी में ही 'पहल' पत्रिका का एक जबर्दस्त समूह तैयार हुआ जिसे वह स्वयं 'अंडरवर्ल्ड' कहते थे। ये वे रस्सियां थीं, जो कुओं से जल निकालती थीं।

विचार का डंका हवा में नहीं बजता। 'पहल' कथा, कविता, आलोचना सबकी एक धड़कती जगह थी। ज्ञानरंजन की भाषा उनकी शख्सियत का जोड़ थी। सधी रीढ़, बेधती आंख, फीतों की मुश्किल से आजाद चप्पलें, बढ़ी हुई दाढ़ी, जिद का प्याला, थामा हुआ गरम हाथ और झरने सी बहती शीतल-गुनगुनी आत्मीयता। उसकी वजह से ही शायद 'चार यार' (दूधनाथ सिंह, रवींद्र कालिया, काशीनाथ सिंह और ज्ञानरंजन) इलाहाबाद की मशहूर चौकड़ी रहे होंगे। संभ्रांतों की दुनिया में अचानक घुस आए गुरिल्ले। खुद ज्ञानरंजन के शब्दों में, जब वे कहानियां लिख रहे थे, तब की दुनिया अलग थी। तब जोशीले, कलंदर, मोहब्बतों से भरे हुए जिंदादिल लोग थे। रचनाएं जुगनुओं की तरह दमकती थीं। सोहबतों का वृंदावन था।

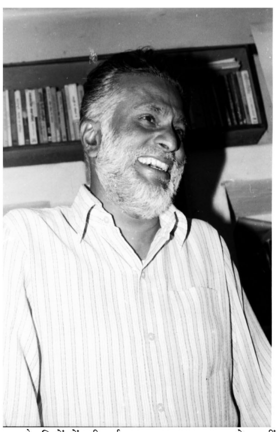

इलाहाबाद उनके भीतर इस तरह उतरा हुआ था कि वे कहते थे, आंखों पर पट्टी बांध कर आप स्टेशन पर उतार दीजिए, मैं जान जाऊंगा कि इलाहाबाद में हूं या नहीं। उस शहर के बारे में उनका बयान था-'मौत के मुंह में वहां गंगाजल के बाद सर्वाधिक उम्मीद कविता से थी।'

और शहरों की तरह इलाहाबाद भी अब वह शहर नहीं रहा, जिसे वे भीतर रखे हुए थे। बाद के दिनों में की गई एक यात्रा के बाद उन्होंने लिखा था-ऐसा लगता है, अकाल अब हर समय चल रहा है। अब अकाल ही अकाल है। लोग जादुई तरह से कराहते हुए गायब हो रहे हैं। अभी-अभी वे थे और अभी-अभी वे नहीं हैं। चीजों के निशान बचे नहीं या बने ही नहीं। क्या आज सभी शहरों की एक जैसी हालत है या इलाहाबाद ही वह शहर है जो मरी हुई आंखों में पुतली की तरह फैल गया है।

बेंजामिन कहते थे, कोई चेहरा इतना अतियथार्थवादी नहीं है जितना एक शहर का चेहरा। यहां इच्छाओं और लालसाओं की एक भयावह मरीचिका रची गई है।

अंधेरी दुनिया के ऊपर दमकते मीना बाजारों को देखते हुए जब हम किसी शहर में मीनमेख निकाल रहे होते हैं, उसी समय लाखों लाख लोग उसे प्यार भी कर रहे होते हैं। ज्ञानरंजन का मानना था कि पूरी तरह महानगरीय यथार्थ को व्यक्त करने वाली संपूर्ण रचना अब तक लिखी जाना बाकी है।

प्रकृति और शहर, ज्ञानरंजन को संगति देते थे। इस संगति ने उन्हें अनुभव, बिंब और मुठभेड़ का असलहा उपलब्ध कराया। अधूरे, उद्विग्न और बेगाने कैशोर्य से आवारागर्द की तरह वे जीवन की पाठशाला में उतरने का उपक्रम तलाशते हुए यहां तक पहुंचे। उनके ही शब्दों में, कभी ऐसा दिन भी होता है और ऐसी ऋतु जब आकाश पर सुबह तक चांद एक वाटरमार्क की तरह उपस्थित रहता है और दूसरी तरफ सूर्योदय भी हो रहा होता है। उनके जीवन का प्रारंभ कुछ ऐसा ही था।

सम्पादक और कथाकार ज्ञानरंजन की भाषा कुछ ऐसी थी जैसे- 'शमशेर (बहादुर सिंह) के नेत्र मैं भूलता नहीं, वे चलती नावों की तरह हैं।' 'सपना नहीं' की उनकी समग्र कहानियां हों या 'कबाड़खाना' अथवा 'उपस्थिति का अर्थ' का गद्य, उनकी मोहक शक्ति सर्वत्र उपस्थित होती है।

वे जब चिट्ठी खत्म करते थे तो अंत में पूरा 'तुम्हारा' लिखने की बजाय 'तु.' लिखते थे। और, एक बार उन्होंने मुझे लिफाफा भेजा आर. के. लक्ष्मण के बनाए चित्र के साथ। लिखा था- 'इसमें तुम्हारे पूर्वजों की स्मृति है।' हम साहित्य के अनुचरों के लिए इसी गुरुत्वाकर्षण का नाम था ज्ञानरंजन। जब हम समुद्र को नहीं जानते थे, तब वह डरावना था। फिर एक मस्तूल उठा, फिर नमक बना, फिर सीपियां खोजी गईं, फिर तेल भी निकला उसी के कुओं से। जानने के लिए जीवन में प्रवेश करना और मुठभेड़ को प्रस्तुत होना ही लहराते जीवन का मूल है। ज्ञानरंजन की स्मृति उस लहर को जिंदा रखेगी, अपनी अदम्य बुलाहट की तरह, 'इसमें तुम्हारे पूर्वजों की स्मृति है।'

जिंदगी

सौ साल जीना असंभव नहीं

रामपुर के अस्सी वर्षीय रामपाल को मनोवैज्ञानिक नीलकंठ ने दीर्घायु जीवन जीने के लिए कुछ यों सलाह दी

मैं अस्सी वर्ष का हूं। मैंने कई पत्र-पत्रिकाओं में पढ़ा है कि कई लोग सौ वर्षों तक जीते हैं।

क्या मैं भी सौ वर्ष तक जी सकता हूं?

पकी जिज्ञासा उम्मीदों भरी एवं उत्साही है। मनुष्य लंबे समय से लंबी उम्र पाने की आ जद्दोजहद कर रहा है और दीर्घायु जीवन को लेकर कई तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान भी हो रहे हैं। कुछ वैज्ञानिकों का तो यहां तक कहना है कि लंबी उम्र पाने में आनुवंशिकी मददगार होती है, लेकिन सौ वर्ष जीने वाले वाले लोगों के जीवन का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि वे कुछ खास आदतों को अपनाते हैं।

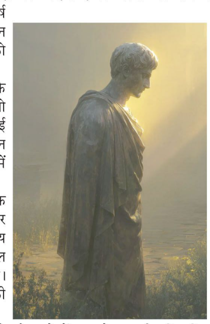

मैरी पॉपिंस जैसी क्लासिक फिल्मों के सिंगिंग, डांसिंग स्टार डिक वैन डाइक (जो खुद सौ वर्ष के हो चुके हैं) ने अपनी नई किताब 100 रूल्स फॉर लिविंग टू 100- एन ऑप्टिमिस्ट्स गाइड टू ए हैप्पी लाइफ में इसके बारे में काफी विस्तार से बताया है।

आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक क्षमता कमजोर होने लगती है, लेकिन अगर आप खुद को वृद्ध न मानें और हमेशा सक्रिय व उत्साही बने रहें, तो लंबी और खुशहाल जिंदगी पाना बिल्कुल भी असंभव नहीं है। नियमित व्यायाम से आपकी लंबी उम्र की संभावना बढ़ जाती है।

अगर आप हर रोज जिम नहीं जा सकते, तो हफ्ते में कम से कम तीन दिन जिम जाएं और वहां सर्किट ट्रेनिंग (कम से कम आराम के साथ कई तरह के व्यायाम) करें। हो सकता है कि जिम जाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रेरणा की जरूरत हो, तो आप खुद से वादा करें कि इनाम के तौर पर आप एक झपकी ले सकते हैं। जिस दिन जिम नहीं जाना हो, उस दिन घर में योग और स्ट्रेचिंग कर लें। लंबी उम्र पाने के लिए गंभीर होने से बचने की कोशिश करें और बच्चों जैसी चंचलता अपनाएं, इससे आपके भीतर जिंदादिली बनी रहेगी। चंचलता आपको मजा देती है और आजादी का एहसास कराती है, चाहे आप शारीरिक रूप से कैसा भी महसूस करें। यही नहीं, इससे तनाव कम होता है और सेहत अच्छी रहती है। चाहें, तो आप पालतू जानवर पाल लें, वे आपका हौसला बढ़ा सकते हैं। माना जाता है कि गुनगुनाने से मानसिक स्वास्थ्य बढ़िया रहता है। अपना पसंदीदा गाना गाकर भी आप अपनी जिंदगी के तनाव को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा, नए अनुभवों के लिए खुद को तैयार रखना दिमागी स्वास्थ्य और भावनात्मक बेहतरी के लिए अच्छा हो सकता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, आपको वास्तव में नए विचारों के लिए अपना दिमाग खुला रखना चाहिए। इसके साथ ही, बड़ी उम्र में अपने सामाजिक रिश्तों को मजबूत रखना भी जरूरी है। आप सिर्फ अपने हमउम्र दोस्तों से ही नहीं, पोते-पोतियों और परपोते-परपोतियों से करीबी संपर्क बनाए रखिए। बच्चों को हंसते-गाते, चीखते-चिल्लाते सुनकर आपको वास्तव में खुशी ही मिलेगी।

मुद्दा

जीवन और त्याग का फ़लसफा

- प्रभात कुमार

हम जिन चीजों का इस्तेमाल नहीं कर रहे, नहीं कर पा रहे या नहीं करना चाहते, उन्हें कोई दूसरा उपयोग कर सकता है। हमारी कोई चीज किसी को अच्छी लग रही हो, बेहद पसंद आ रही हो, हमें यह अंदाजा हो जाए और हम वह चीज किसी को भेंट कर दें, तो वह व्यक्ति खुश हो सकता है। हम लकीर के बहुत पुराने कीर है, लेकिन त्याग के नए अर्थ गढ़ रहे हैं। खुद त्याग करें, न करें, मगर दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि वे स्वार्थी न बनें। त्याग करें, बलिदान दें, समर्पण करें। अब तो मानवीय रिश्ते भी वस्तुओं की मानिंद हो गए हैं। एक-दूसरे पर, चीजों और संपत्ति पर नजर रखी जा रही है। काफी कुछ जैसे-तैसे हासिल करने की कोशिश की जा रही है। न मिले तो मारना-पीटना तो कम है, मनमानी हरकत भी की जा रही है। क्रूर शैली में जान तक ली जा रही है। विवाह नामक पारंपरिक, सांस्कृतिक संस्था जोखिम में है। ऐसा लगता है कि वचनों की मर्यादा जैसे जिंदगी की भूल भुलैया में भटक रही है।

बदलाव सकारात्मक हो, मानवीय हो, तो इससे अच्छा क्या होगा। मगर बाजार की गिरफ्त में फंसी दुनिया में आए बदलावों ने सबसे ज्यादा परेशान मानवीय रिश्तों को किया है। किसी को नहीं पता कि विवाह के बंधन में उलझे इंसानी रिश्ते, कब तक कौन-सा रूप बनाए रखेंगे, कब अचानक बदल जाएंगे। यह नए तरह के विकास की ही %मेहरबानी% है कि पति-पत्नी के रिश्तों के आयाम बदल रहे हैं और उनके बीच नई अपेक्षाएं पैदा हो रही हैं। फिल्में भी ऐसे रिश्ते-नातों के उतार-चढ़ावों को आकर्षक बना कर पेश कर रही हैं। अनेक धारावाहिक भी ऐसे सुलझते, उलझते रिश्तों के कारण खूब पसंद किए जा रहे हैं और वे सफल भी हो रहे हैं। यह समाज में आ रहे बदलाव से निर्मित स्वीकृति है।

विकास के एक मानक माने जा रहे मोबाइल के जरिए बनते वीडियो और तस्वीरों की दुनिया ने खूब मनोरंजन किया है, संप्रेषण को खूब बढ़ावा दिया है, सूचनाओं की अति कर दी है। डिजिटल संपर्क इतना हो गया है कि माहौल का मौसम संक्रमित हो गया। इस क्रम में संवाद की बार-बार हत्या होने लगी है। जीवन की आचार संहिता और मूल्यों के नुकसान का ग्राफ बढ़ता गया है। भौतिकता इंसानी रिश्तों में बहुत गहरे घुसपैठ कर चुकी है। मानवीय रिश्तों से दिल दुखाता स्वार्थ लगातार रिसने लगा है। फिल्मों की कहानी जैसी अविश्वसनीय बातें आंखों के सामने घटनाएं बनने लगीं। कभी फिल्में बदलाव सकारात्मक और मानवीय हो, तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। मगर बाजार की गिरफ्त में फंसी दुनिया में आए बदलावों ने सबसे ज्यादा परेशान मानवीय रिश्तों को किया है। किसी को नहीं पता कि विवाह के बंधन में उलझे इंसानी रिश्ते, कब तक कौन-सा रूप बनाए रखेंगे।

सामाजिक घटनाओं और सच्चाइयों का आईना होती थीं, इंसान को उचित राह पर लौटने के लिए प्रेरित करती थीं। मगर ऐसा लगता है कि अब फिल्में सिर्फ पैसा कमाने के लिए बनाई जा रही हैं और उनमें परोसी जा रही हिंसा, क्रूरता, नफरत और चापलूसी देखने का असर दिमाग पर हो रहा है।

बदलते वातावरण का प्रभाव युवाओं से लेकर बच्चों और महिलाओं पर बहुत दिख रहा है। यह माहौल यही चाहता है कि महिलाएं नौकरी करे, पैसा कमाए, लेकिन साथ-साथ सुबह घर से निकलने से पहले या घर पर काम करते समय समूचे घर-परिवार का ध्यान रखे। इसके बाद फिर शाम को लौट कर घरेलू काम संभाले और सारी दुनियादारी भी निभाए। यानी दूसरों के लिए सुविधा बनी रहे। निरंतर त्याग करती रहे। मगर अब महिलाएं भी बदल रही हैं। दबी-छिपी इच्छाओं की गली से निकल रही हैं। नौकरी या व्यवसाय करना चाहती हैं। अपने पांव पर खड़ी होकर रिश्तों के अपने चुनाव के रास्ते पर चल रही हैं। विवाह उनकी एकमात्र या आखिरी मंजिल नहीं। किसी दबाव या अन्य कारणों से शादी करती हैं, तो अपनी सुविधा के मुताबिक संतान प्राप्त करने का समय तय करती हैं। प्रेम विवाह, सप्रेम न चल रहा हो, तो परिस्थिति अनुसार मानसिक रूप से अलग रहने लगती हैं। उसी पुरानी छत के नीचे नई छत बना लेती हैं। यानी त्याग का सूत्र वहां भी काम करता है, फिर चाहे वहां कई अप्रिय स्थितियों का सामना करना पड़े। जीवन में कलुष को पीछे छोड़ नई राह पर निकलने के सामाजिक, व्यक्तिगत और पारिवारिक खतरे भी रहते हैं। पसंदीदा और संवेदनशील व्यक्ति मिल जाए और जब तक समझ बनी रहे, तब तक आपसी समन्वय को जिंदगी संवारने, व्यक्तित्व सुधारने के नजरिए से देखा-समझा जा सकता है। इस तरह का व्यवहार समाज में किसी की ओर से संभव है। कभी-कभी तो यह काफी हद तक खालिस व्यावसायिक भी हो सकता है। यहां भी विचारों का त्याग काम आता है। जिंदगी में वैचारिक उकताहट बढ़ जाए, तो त्याग का सूत्र कामयाब नहीं होता। नई छत का निर्माण नहीं, पुराना फर्श भी छोड़ने को तैयार रहना पड़ता है। त्याग दरअसल नफरत, बड़प्पन, प्रतिशोध संभालता कई स्वादों वाला व्यंजन है। यह वियोग का उत्सव मनाने की तरह है, जिसमें आने वाले समय में मनचाही स्वतंत्रता के साथ, अकेले या किसी के संपर्क में रहना है। त्याग करना यानी जिंदगी से गैरजरूरी हटाना अपनी गुस्ताखियां कम करने जैसा है। इसे ही आजकल जीवन का सकारात्मक रास्ता माना जा रहा है। एक बार मिली जिंदगी में कुछ ऐसा ही किया जाए, जिससे मन को कुछ संतुष्टि और शांति का एहसास हो।

मुद्दा

वेनेजुएला अब भी संभावना है

द न्यूयॉर्क टाइम्स
-मैथ्यू क्रोनिग

ट्रंप के वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई की निंदा के बावजूद, मादुरो का हटना देश में बेहतर शासन, मजबूत अर्थव्यवस्था और आशावान भविष्य की संभावना खोल सकता है।

हाल ही में, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से ना बेदखल करने के उद्देश्य से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा किए गए सैन्य हमले की चौतरफा और तीखी आलोचना हुई। किसी ने इसे 'गैर-कानूनी और अविवेकपूर्ण' करार दिया, तो किसी ने 'अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन' बताया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने तो इस कार्रवाई को एक 'खतरनाक मिसाल' कहा। लेकिन ट्रंप ने यह सही कदम उठाया है। इसके पीछे कई ठोस व निर्विवाद कारण हैं।

मादुरो पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के गंभीर आरोप थे। उनकी नीतियों ने वेनेजुएला के लाखों लोगों को पलायन के लिए मजबूर किया, जिससे अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर आप्रवासन का संकट पैदा हो गया। उन्होंने चीन, रूस और ईरान जैसे अमेरिका के दुश्मनों को अमेरिका के पड़ोस में पैठ जमाने का अवसर दिया। अब, जब मादुरो सत्ता से बाहर हैं, तो इसका लाभ न केवल अमेरिका को, बल्कि वेनेजुएला सहित पूरे लैटिन अमेरिका और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था को मिलने की संभावना है। मादुरो का हटना वेनेजुएला की जनता के लिए बेहतर शासन, सुदृढ़ अर्थव्यवस्था और एक आशावान भविष्य की संभावना खोलता है। यह सही है कि काराकस में भावी सत्ता को लेकर अब भी कई सवाल अनुत्तरित हैं, पर यह कल्पना करना कठिन है कि आने वाले नेता मादुरो से अधिक खराब होंगे। कई विश्लेषकों ने इस अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की तुलना 1989 में पनामा पर किए गए उस हमले से की है, जिसमें तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने तानाशाह मैनुअल नोरिएगा को सत्ता से हटाया था। हालांकि, इस तुलना का एक महत्वपूर्ण पहलू अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। माना जाता है कि बुश उस अभियान से एक स्पष्ट सैन्य जीत हासिल करना चाहते थे, ताकि राष्ट्र-जनता और सशस्त्र बल, दोनों का आत्मविश्वास बहाल हो सके और वियतनाम युद्ध की पीड़ा से उबरा जा सके। अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई इस बात का ठोस प्रमाण है कि महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता के युग में खतरों से निपटने में अमेरिकी बल, खासकर अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज, कितने महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इस कार्रवाई की सबसे तीखी आलोचना इसकी संदिग्ध कानूनी वैधता को लेकर हुई है, लेकिन दोनों प्रमुख दलों के राष्ट्रपतियों ने अतीत में भी संसद की अनुमति के बिना सैन्य शक्ति का प्रयोग किया है। बेशक यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उस मूल सिद्धांत के विपरीत है, जो एक देश द्वारा दूसरे देश के खिलाफ बल प्रयोग पर रोक लगाता है। पर इस कार्रवाई की वैधता के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से प्रस्ताव पारित कराना होता, जिसका अर्थ होता व्लादिमीर पुतिन की मंजूरी पाना। रूसी नेतृत्व से यह उम्मीद करना कि वह अमेरिका के हितों को ध्यान में रखेगा, एक भ्रम है। अगर ट्रंप नौसैनिक बेड़ा कैरेबियाई सागर में तैनात कर फिर अंतिम क्षण में सैनिकों को लौटने का आदेश देते, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। वेनेजुएला की जनता को एक खतरनाक और अक्षम शासक के हवाले छोड़ दिया जाता, अमेरिकी सेना और सरकार की साख को गहरा आघात पहुंचता तथा अमेरिका के विरोधियों को अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर मिल जाता।

इसके उलट, ट्रंप ने एक साहसिक और निर्णायक कदम उठाया और वह सफल भी रहा। नाटो सहयोगियों पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बनाने और ईरान का परमाणु कार्यक्रम सीमित करने के प्रयासों के साथ, मादुरो के खिलाफ यह कार्रवाई ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की तीन सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में गिनी जा सकती है।

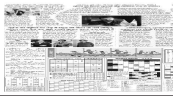

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर आवकों के बीच शुक्रवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार बढ़त पर रहे। सरसो, रायडा बना रहा। खाद्य तेलों में मजबूती आयी। दलहनों में चने में लेवाली देखी गयी। किराना जिंसों में शक्कर में सुस्ती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में आवकें कमजोर रहने से बाजार में सुधार रहा। अन्य तिलहनों में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में मजबूती बनी। दलहनों में चने में लेवाली देखी गयी। चना कांटेवाला अच्छे मालों में 6000 रू. क्विंटल पर आ गया। तुअर, उड़द में सुस्ती आयी। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4070, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 2750-2900, विरूद्ध नगर 2800-2850, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3350, एक्ट्रा बोल्ड 3350-3450, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-590, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1600-1610, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1230-1235, सोया रिफाइंड 1290-1300, कपास्या 1225-1230, धूलिया 1235, कड़ी 1235,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1575, मुम्बई पाम 1260, मुम्बई सोया 1295,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4900-5000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5000-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7250, एवरेज 6900-7000, हल्की 6700-6800, तुअर महाराष्ट्र 7200-7400, उड़द बेस्ट 7300-7400, एवरेज 7100-7200, शंकर 6800-6900, हल्की 6500-6600,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। विदेशी बाजारों की अगुवाई में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुर्ख रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 245000, चॉंदी (99) 244000, टंच 243500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 144000,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 27 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.17 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.97 पर बंद हुआ था। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से घरेलू मुद्रा दबाव में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिका के शुल्क बढ़ाने की चिंताओं और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी ने विदेशी निवेशकों द्वारा शेयर की बिकवाली को बढ़ावा दिया जिससे स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 604.72 अंक की गिरावट के साथ 83,576.24 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 193.55 अंक की गिरावट के साथ 25,683.30 अंक के आस-पास बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार आने वाली तीसरी तिमाही की आय को लेकर अनिश्चितता से निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। ऐसे मे निवेशक इस बात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं कि बड़ी कंपनियां कैसा प्रदर्शन करती हैं। इस बड़ी गिरावट के कारण बीएसई के मिड-कैप और स्मॉल-कैप इंडेक?स में गिरावट दर्ज की गई। यह बिकवाली मुख्य रूप से रूस से तेल आयात करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी व्यापारिक

कार्रवाइयों में बढ़े दबाव के कारण हुई है। बीएसई के मार्केट कैप के आधार पर मापी गई निवेशक संपत्ति पिछले सत्र के 472.25 लाख करोड़ रुपये से घटकर 467.87 लाख करोड़ रुपये रह गई, जिसमें 4.38 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। पिछले पांच सत्रों में यह आंकड़ा 13.37 लाख करोड़ रुपये कम हुआ है।इससे पहले आज सुबह बाजार ने सीमित बढ़त के साथ शुरुआत की। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में कमजोरी के साथ 84,022 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ 25,840 अंक पर खुला। कारोबार की शुरुआत में निफ्टी 25,900 के स्तर के ऊपर गया, लेकिन बाद में दबाव में आ गया। आईटी और एनर्जी शेयरों में सीमित खरीदारी देखने को मिली, जबकि कुछ बैंकिंग और मेटल शेयरों में मुनाफावसूली का दबाव रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में मजबूती से बाजार को सहारा मिला, लेकिन व्यापक बाजार में निवेशकों का उत्साह सीमित दिखा। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला वैश्विक व्यापार और बाजारों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसी वजह से घरेलू बाजार में फिलहाल सतर्कता का माहौल है और निवेशक बड़े दांव लगाने से बचते नजर आ रहे हैं।

रूस से तेल खरीद पर भारत को अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा

500 फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। एजेंसी। रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत को अमेरिका के कड़े द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका में प्रस्तावित सैंक्शनिंग रशिया ऐक्ट 2025 के तहत रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। इस विधेयक को

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का समर्थन मिल चुका है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि राष्ट्रपति ने इस द्विदलीय विधेयक को हरी झंडी दे दी है। प्रस्तावित कानून के अनुसार, यदि कोई देश जानबूझकर रूसी पेट्रोलियम या यूरेनियम उत्पादों की खरीद में शामिल पाया जाता है, तो अमेरिका उसके उत्पादों और सेवाओं के आयात पर 500 फीसदी तक शुल्क लगा सकता है। अमेरिका पहले ही अगस्त से कई भारतीय उत्पादों पर कुल 50 फीसदी शुल्क लागू कर चुका है, जिसमें 25 फीसदी शुल्क रूस से तेल खरीद से जुड़ा दंड है। विशेषज्ञों का मानना है कि इतना अधिक शुल्क लगने पर अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात लगभग ठप हो सकता है, जिसकी सालाना कीमत 120 अरब डॉलर से अधिक है।

सोना हुआ महंगा, चांदी की कीमतों में भी तेजी

सोना 1.38 लाख और चांदी 2.45 लाख रुपये के करीब

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत शुकवार को तेजी के साथ हुई। घरेलू बाजार से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजार तक कीमती धातुओं में मजबूती देखने को मिल रही है। निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी और वैश्विक संकेतों के चलते दोनों धातुओं के भाव में उछाल दर्ज किया गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 255 रुपये की तेजी के साथ 1,37,997 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,37,742 रुपये था। इस समय सोना करीब 254 रुपये की बढ़त के

साथ 1,37,996 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबारी सत्र के दौरान सोने ने दिन का उच्च स्तर 1,37,997 रुपये और निचला स्तर 1,37,729 रुपये छुआ। उल्लेखनीय है कि सोने के वायदा भाव ने पिछले साल 1,40,465 रुपये का सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 2,276 रुपये की तेजी के साथ 2,45,600 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछला बंद भाव 2,43,324 रुपये था। इस समय चांदी 1,713 रुपये की बढ़त के साथ 2,45,037 रुपये पर कारोबार कर रही थी। इस दौरान चांदी ने दिन का उच्च स्तर 2,47,127 रुपये और निचला स्तर 2,43,670 रुपये छुआ। चांदी ने इस साल 2,59,692 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर बनाया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना-चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,489.30 डॉलर प्रति औंस पर खुलने के बाद 13.70 डॉलर की बढ़त के साथ 4,474.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 76.67 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 1.08 डॉलर की तेजी के साथ 76.22 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी।

मेष- आज आपको करियर में अच्छा उछाल देखने को मिलेगा, लेकिन आपके कुछ विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। आपके ऊपर कुछ कर्जा था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा, क्योंकि आपकी समस्याएं बढ़ने से आपका खर्चा भी अधिक होगा। संतान पढ़ाई लिखाई को लेकर लापरवाही दिखा सकती है, जिससे आपको टेंशन होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने कारोबार में कुछ योजनाओं की शुरुआत करेंगे, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं। आप अपने काम को लेकर मेहनत अधिक करेंगे, लेकिन आपका स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन रहेगा, जिससे परिवार के सदस्य नाराज हो सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेष कर दिखाने के लिए रहेगा। आपको बिजली के उपकरणों से सावधान रहने की आवश्यकता है। सांसारिक सुख भोग के साधनों मे वृद्धि होगी और आपको काम अधिक रहने से आप थोड़ा परेशान भी रहेंगे। लेकिन आपकी संतान को नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुख साधनों की प्राप्ति के लिए रहेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। पारिवारिक व्यवसाय में किसी बात को लेकर कड़वाहट चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप किसी यात्रा पर जाने की तैयारी कर सकते हैं और अपने सामानों को किसी दूसरे के भरोसे ना छोड़ें। किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। ऑफिस में आपके खिलाफ आज कोई पॉलिटिक्स रची जा सकते हैं, जिससे आपको सतर्क रहना होगा और अपने कामों को पूरी ईमानदारी से करने की आवश्यकता है। यदि आप किसी कहीं ट्रैवलिंग पर जाने की सोच रहे हैं, तो उसमें अपने माता-पिता से सलाह मशवरा अवश्य करके जाएं।

कन्या- आज आपके सामने कुछ खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी और आप अपने भाई व बहनों से कुछ जरूरी कामों को लेकर बातचीत कर सकते हैं। यदि पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में कोई लड़ाई झगड़ा लंबे समय से चल रहा था, तो वह भी दूर होगा।

तुला- आज आपको अपने कामों को लेकर धैर्य व संयम बनाए रखना होगा। आपके मन में कुछ उलझन रहने से आप परेशान रहेंगे। यदि आपको कोई जिम्मेदारी मिले, तो उसको लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं और किसी से कोई वादा भी सोच समझ कर करें, क्योंकि आने वाले समय में आपको उसे पूरा करने में समस्या आ सकती हैं। भगवान की भक्ति में आपका खुब मन लगेगा और आप किस पूजा पाठ का भी आयोजन कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने मेहनत का पूरा फल मिलेगा और लेन-देन से संबंधित मामलों में आपको थोड़ा सावधानी बरतने की आवश्यकता है, जो जातक नौकरी को लेकर इधर-उधर भाग दौड़ में लगे हैं, उन्हें भी कोई बेहतर अफसर हाथ मिलेगा। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे और किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाने की आवश्यकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। नौकरी बदलने के आपके जो प्रयास है, वह आपके लिए बेहतर रहेंगे। रोजगार की तलाश में इधर-उधर भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलना होगा। परिवार में बड़े बुजुर्गों की बातों को आप पूरा महत्व देंगे।

मकर- आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके कुछ नए प्रयास बेहतर रहेंगे। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी और माता जी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा एहतियात बरतनी होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको कोई नई जिम्मेदारी मिलने से आप काफी परेशान रहेंगे और संतान को आप कहीं बाहर घूमने फिरने भी लेकर जा सकते हैं। आप किसी मांगलिक उत्सव में जाने की तैयारी करेंगे, लेकिन यदि आपकी कोई डील लंबे समय से अटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है, जो आपको खुशी देगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए धर्म कर्म के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप अपने पिताजी से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं और कुछ कामों को लेकर आपका मन विचलित रहेगा। पारिवारिक मामलों को आप अपने जीवनसाथी के साथ मिल बैठकर निपटाएंगे। आज आप अपने लिए कुछ नई चीजों की खरीदारी कर सकते हैं। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

शब्दजाल - 8136

शब्दजाल में 'असरानी' की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

र	क	ल	ड्री	च	र	स	धी	सी	ल	अ
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	नु
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध
रा	फ	दो	ग	ल्ला	प	ज	तू	गी	मि	र्निं
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ

अभिमान,अचानक,छलिया,चुपके-चुपके, चरस,फकीरा,शोले,अनुरोध,चला मुरारी हीरो बनने,अनामिका

शब्दजाल - 8135 का हल

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7080

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7079

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
र्म		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		श	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श	गु	न		द	ल	ल	
रो	टी			तें	दो	स		ल	
सा		जो		आ		क	जं		श
	स	र	फ	रो	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

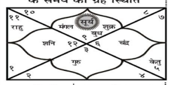

ग्रह	स्थिति
सूर्य	धनु में
चंद्र	कन्या में
मंगल	धनु में
बुध	धनु में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	धनु में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मकर	07.04 बजे से
कुंभ	08.51 बजे से
मीन	10.24 बजे से
मेष	11.54 बजे से
वृष	13.34 बजे से
मिथुन	15.33 बजे से
कर्क	17.46 बजे से
सिंह	20.02 बजे से
कन्या	22.14 बजे से
तुला	00.25 बजे से
वृश्चिक	02.39 ब.से
धनु	04.55 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 10 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 08.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 15.40 बजे को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 16.59 बजे को समाप्त। **करण** बव 08.24 बजे तदनन्तर बालव 21.18 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 59' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872585 **जूलियन दिन** 2461050.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 20 **विशेष** कालाष्टमी, मासिक जन्माष्टमी, स्वामी विवेकानंद जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सौंदर्य की खोज

एक व्यक्ति हमेशा परेशान और उद्विग्न सा रहता था। उसकी परेशानी मानसिक थी। उसे सर्वोत्तम सौंदर्य की तलाश थी। एक दिन उसने बिना कुछ कहे-सुने चुपचाप घर छोड़ दिया। वह इधर-उधर भटकता रहता और अपने प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास करता रहता। इसी तरह बहुत समय बीत गया। एक दिन वह किसी जंगल से गुजर रहा था। वहां उसने एक तपस्वी को साधना करते पाया। वह वहीं ठहर गया। तपस्वी का ध्यान टूटने पर व्यक्ति ने उससे पूछा, 'सर्वोत्तम सौंदर्य क्या है?' तपस्वी का उत्तर था, 'श्रद्धा ही सबसे सुंदर है, जो मिट्टी को भी भगवान बना देती है।' व्यक्ति संतुष्ट नहीं हुआ। यात्रा के अगले पड़ाव पर उसे एक गुणी सज्जन मिले। उसने अपना यह प्रश्न उनके समक्ष रखा तो वह बोले, 'प्रेम ही सर्वोत्तम सौंदर्य है। प्रेम न हो, तो जीवन की सुंदरता को कुरूपता में बदलते देर नहीं लगती।' व्यक्ति फिर भी संतुष्ट नहीं हुआ। आगे चलकर उसे युद्ध से लौटता सैनिक मिला। सैनिक से पूछने पर उसका उत्तर था, 'शांति ही सर्वोत्तम सौंदर्य हैं क्योंकि संघर्ष की भयानक विनाशलीला मैं स्वयं देखकर आ रहा हूं।' व्यक्ति अब भी संतुष्ट नहीं था और निराश होकर घर लौट आया। घर के सभी लोग उसकी प्रतीक्षा में व्याकुल हो रहे थे। दुखी पत्नी, और आंसू बहाते अपने बच्चों से मिलकर उस व्यक्ति को अपार सुख का अनुभव हुआ। उसने महसूस किया कि आत्मीयता, स्नेह और श्रद्धा का मिला-जुला सौंदर्य तो घर में ही था और वह व्यर्थ इन्हें बाहर खोजने का प्रयास कर रहा था। घर अपने आप में सभी सौंदर्य को समेटे हुए है।

सूडोकु नवताल- 7389

★★★☆☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

सूडोकु नवताल-7388 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8604

बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइनू-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

शब्द पहेली -8603 का हल

	आ	र	ति		अ	ना	मि	का
आ	ना		ल	जी	ज			र
ले		श	मि		र	न		तू
ख	ल	ब	ला	ना		र	ई	स
	ग		ना		म		मा	
ख	न	न		म	नो	न	न	य
लि		ल	क		रं	ग		ती
हा			हा	फि	ज		का	म
न	स	बा	र		न	ज	ला	

Jagrutidaur.com, Bangalore

संभाजी महाराज की प्रतिमा स्थापना स्थल को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

मूर्ति स्थापना हेतु बनाये जा रहे कॉलम को तोड़ने से आक्रोश

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला में क्षत्रपति संभाजी महाराज की प्रतिमा स्थापना के स्थान को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि मामला राजस्व विभाग व पुलिस थाने तक पहुंच गया। जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला में कुनबी समाज द्वारा संभाजी महाराज की मूर्ति स्थापना हेतु भूमिपूजन के पश्चात निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था किन्तु मरार समाज के लोगों द्वारा इसका विरोध करते हुए एसडीएम कार्यालय में निर्माण कार्य पर रोक लगाने के लिये आवेदन दिया गया था। जिस पर तहसील न्यायालय द्वारा 8 जनवरी को स्थगन आदेश भी जारी कर दिया गया किन्तु मरार समाज द्वारा स्थगन आदेश लेकर लांजी थाने में भी आवेदन किया गया जिस पर थाना प्रभारी द्वारा मौका स्थल की जांच कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। परंतु 8 जनवरी की रात्रि 10 बजे के आसपास मरार समाज के लोगों द्वारा मूर्ति स्थापना निर्माण स्थल पर पहुंचकर मूर्ति स्थापना हेतु बनाये जा रहे कॉलम को उखाड़कर फेंक दिया गया। जिससे रात्रि में दोनो ही समाज के लोगों के बीच तनाव की स्थिति निर्मित हो गई और कुनबी समाज के लगभग सैकड़ा भर से अधिक ग्रामीण लांजी थाना पहुंचकर उपद्रवियों पर कार्यवाही की मांग करते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने पर अड़े रहे। उक्त घटनाक्रम की शिकायत लेकर कुनबी समाज के लोग क्षेत्रिय विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास पर भी रात 12 बजे पहुंचे और उन्हें घटना के संबंध में अवगत कराया। इसके पश्चात विधायक श्री कर्राहे ने पुलिस प्रशासन से चर्चा कर मामले का निराकरण करने के निर्देश दिये थे।

दिन भर बनी रही गहमागहमी, बैरंग लौटा प्रशासन

उक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन का अमला 9 जनवरी की सुबह 9 बजे ही ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला पहुंचा और दोनो पक्षों को समझाने का भरसक प्रयास में लगा रहा। परंतु ग्रामीण किसी भी शर्त पर किसी को सुनने तैयार नहीं थे। इस दौरान एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार भी मौका स्थल अपनी टीम के साथ पहुंचे परंतु उन्हें भी यहां निराशा ही हाथ लगी और वे भी वहां से बैरंग ही लौट गये। इसके पश्चात ग्राम चौंदाटोला के सभामंच स्थल पर भी सरपंच प्रतिनिधी और ग्रामीणों की कई घंटों तक चर्चा हुई किन्तु नतीजा सिफर रहा। समझाईश देने के बाद भी ग्रामीणों के नहीं मानने पर पुलिस ने दोनो पक्षों के लोगों को लांजी थाना बुलाया, जिसमें भी मूर्ति स्थापित करने वाले पक्ष ने असहमति जताते हुए समझौते से इंकार कर दिया। वहीं देर शाम सरपंच प्रतिनिधी लक्ष्मण कावरे द्वारा इस मामले में विधायक राजकुमार कर्राहे से फोन पर चर्चा कर मामले का हल निकालने की गुहार लगाई। ताकि ग्राम में आपसी भाईचारा और सद्भावना का वातावरण बना रहे।

इनका कहना है

ग्राम पंचायत टेमनी के चौंदाटोला में मूर्ति स्थापना को लेकर दो पक्षों में विवाद मामले की जानकारी मिली है। दोनो पक्षों को बुलाकर समझाईश देने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में आगे जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके बाद नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम लांजी

ग्राम पंचायत खजरी में नलजल योजना की पाइपलाइन लीकेज से ग्रामीणों में आक्रोश, गंदा पानी पीने को मजबूर

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खजरी में जल जीवन मिशन (नलजल योजना) की पाइपलाइन में लीकेज की समस्या बनी हुई है। इससे ग्रामीणों को कई दिनों से गंदा और दूषित पानी मिल रहा है, जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पाइपलाइन जगह-जगह से रिसाव कर रही है। नल खोलते ही पहले 8-10 बाल्टी गंदा, बदबूदार पानी निकलता है। यह समस्या पिछले 4 महीनों से लगातार जारी है। वार्ड क्रमांक 2 के निवासी हुलासराम सोनवाने ने बताया, हम कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन पाइपलाइन की मरम्मत नहीं हुई। लीकेज से निकलने वाला पानी कीचड़ और गंदगी में मिलकर घरों तक पहुंच रहा है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दूषित पानी के सेवन से बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। वे प्रशासन से तत्काल पाइपलाइन की जांच करवाने और स्थायी मरम्मत की मांग कर रहे हैं ताकि स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। दूसरी ओर, ग्राम पंचायत खजरी की सरपंच दमयंती

धारणे ने बताया कि योजना को पंचायत को हैंडओवर होने के बाद से ज्यादातर समय कोई समस्या नहीं आई थी। उन्होंने कहा, केवल 4-5 दिन पहले ही हुलासराम सोनवाने ने इसकी सूचना दी है। हमने उन्हें आश्वासन दिया है कि दो-चार दिनों में समस्या ठीक करा दी जाएगी। यह समस्या ऐसे समय में सामने आई है, जब मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। हाल के रिपोर्ट्स में बालाघाट सहित कई जिलों में पानी के नमूनों में दूषित पाए जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनपद पंचायत प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कराई जाए और स्वच्छ पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अन्यथा यह समस्या स्वास्थ्य संकट में बदल सकती है।

मकर संक्रांति पर्व पर बोरडी में 13 से ओपन कबड्डी प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मकर संक्रांति के पावन अवसर पर क्षेत्र के ग्राम बोरडी में ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मंडई मेले का भी आयोजन किया गया है। इस वर्ष भी न्यू आजाद क्लब बोरडी के द्वारा ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाता है। जिसके तहत इस वर्ष भी 13 एवं 14जनवरी 2026 को न्यू आजाद क्लब बोरडी, ग्राम पंचायत भूरसाडोंगरी, एवं ग्राम बोरडी के समस्त ग्रामवासी के सहयोग से ओपन कबड्डी प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक मण्डई मेले का आयोजन किया जा रहा है। ओपन कबड्डी प्रतियोगिता को लेकर न्यू आजाद क्लब बोरडी ने जानकारी में बताया कि 13 जनवरी को प्रतियोगिता का शुभारंभ किया जायेगा तथा समापन 14 जनवरी को रात्रि 8 बजे होगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 10 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 5 हजार रूपये, तृतीय पुरस्कार 3000 रूपये निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 13 जनवरी को मुख्य अतिथि सुश्री हिना कावरे पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश शासन, श्रीमती अर्चना खोंगल जनपद अध्यक्ष लांजी, मीना दशरिया जिला पंचायत सदस्य, अजय अवसरे जनपद उपाध्यक्ष, नर्मदा बाई मर्सकोले जनपद सदस्य, ऋषि पटेल सरपंच वारी, खेमराज मछिरके, श्रीमती सुखमन धनराज चौधरी सरपंच भुरसाडोंगरी, रेखलाल कावरे संरक्षक वारी देवीधाम, मीना सुभाष सहारे सरपंच मनेरी, विलाश चौरे, पवन तिवारी, चैतराम महिश्वरे, अर्जुन धामने, पन्ना पटले, रामजी लिल्हारे की उपस्थिती में किया जायेगा। तथा प्रतियोगिता का समापन के मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, रमेश भटेरे पूर्व विधायक लांजी, एन आर निराला जी रामटेककर, आलोक चौरसिया भाजपा मण्डल अध्यक्ष लांजी, जीतू बंबुरे अध्यक्ष भाडरा, राजेश मेहरबान, थाना प्रभारी राजकुमार रघुवंशी, सपना विजय मस्करे जनपद सदस्य, शीतल धर्म भूषण बनौठे जनपद सदस्य, सोहन उपराड़े, विजय मस्करे, प्रज्ञात वासनिक, डिलेश्वरी बसेना आदि के आतिथ्य में कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। रात्रि में 9 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम मोर मया के छईहा छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच की प्रस्तुती दी जावेगी। आयोजन समिति ने क्षेत्र वासियों से उपस्थिति की अपील की है।

शराब के नशे में पति ने पत्नी को हाथ-मुक्कों से मार-पीट किया

खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम घोटी की घटना, महिला जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम घोटी में 8 जनवरी की शाम घरेलू विवाद के दौरान शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी

के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।घायल महिला रामकुमारी, पत्नी उमेश लिल्हारे 32 वर्ष को गंभीर चोट लगने के बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामकुमारी अपने पति उमेश लिल्हारे के साथ खेती-किसानी का काम करती हैं। परिवार में उनके 10 और 12 वर्ष के दो बेटे है। रामकुमारी का मायका ग्राम लड्सड़ा का है और उसकी शादी वर्ष 2010 में सामाजिक रीति-रिवाज से उमेश लिल्हारे के साथ हुई थी।शादी के प्रारंभिक वर्षों में दांपत्य जीवन सामान्य रहा, लेकिन पिछले तीन वर्षों से उमेश लिल्हारे शराब पीकर अपनी पत्नी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। इस वर्ष रामकुमारी ने खेत की धान बिक्री से प्राप्त 10 हजार रुपये अपने पास रखे थे, जिसको लेकर पति उमेश लिल्हारे उसे अक्सर परेशान करता था।8 जनवरी को रामकुमारी ने अपने पति उमेश लिल्हारे को घरेलू सामान लाने के लिए 500 रुपये दी थी और खेत चली गई। शाम को जब वह घर लौटी तो पति शराब के नशे में घर पर बैठा मिला और सामान भी नहीं लाया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इसके दौरान रामकुमारी ने पति उमेश लिल्हारे की जेब से 400 रुपये निकाल लिए, जिससे उमेश लिल्हारे आक्रोशित हो गया। उसने पहले रामकुमारी हाथ-मुक्कों से मारपीट की और फिर घर में रखी लोहे की फुकनी से रामकुमारी के सिर पर वार कर दिया। जिससे उसका सिर फट गया और खून बहने लगा।रामकुमारी की चीख-पुकार सुनकर उसकी जेठानी सुलोचना, परिजन और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव किया। घायल रामकुमारी को तुरंत निजी वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया।जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक बारेलाल पांचे ने रामकुमारी का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना खैरलांजी को अग्रिम कार्रवाई हेतु भेज दिये है। खैरलांजी पुलिस द्वारा मामले की जांच कर रही है।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। आज दिनांक 09 जनवरी 2026 को तहसील किरनापुर अंतर्गत ग्राम बटरमारा में खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान एक ट्रैक्टर क्रमांक स्क्ब्0. 0163 संलग्न ट्रॉली में खनिज रेत का परिवहन करते हुए पाया गया।उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि वाहन चालक जितेंद्र, पिता दीपक चंद कावरे, निवासी मोहगांव कला के पास रेत परिवहन से संबंधित किसी प्रकार की वैध रॉयल्टी/अनुमति पत्र नहीं पाया गया। खनिज नियमों के उल्लंघन के चलते संबंधित ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर लिया गया। जप्त किया गया वाहन कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला बालाघाट के प्रांगण में सुरक्षित रूप से खड़ा कराया गया है। मामले में मध्यप्रदेश खनिज अधिनियम के तहत आगामी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बॉटनीकल गार्डन गर्रा में अनुभूति कार्यक्रम सम्पन्न

विभिन्न स्कूलों के बच्चों के बीच कराई गई प्रतियोगिता, वन, सम्पदा औषदी, नदियों आदी की दी गई जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट सा0 परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बॉटनीकल गार्डन गर्रा के वन कक्ष क्र.513 में शुक्रवार को अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिंसमे शासकीय हाईस्कूल आवलाझरी, पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमेड़ा डी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक बिद्यालय भरवेली एवं पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरवेली के कक्षा 09 वीं से 11 वीं के कुल 115 स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मैं भी बाघ, हम है बदलाव, हम है धरती के दूत थीम विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में इन विघार्थियों को वन क्षेत्र में ट्रेकिंग सहित वनों के महत्व एवं अन्य जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान उपवनमण्डल अधिकारी उपवनमण्डल बालाघाट सा. श्रीमति विनीता फूलबेल, वन परि क्षेत्राधिकारी हिमांशु राय, नरेश धुवारे जिलाध्यक्ष जिला एथलेटिक्स एशोसिएशन संघ बालाघाट, सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विघार्थियों को जानकारी देकर, कराई गई प्रतियोगिता

कार्यक्रम के दौरान विघार्थियों को वन भ्रमण के साथ-साथ ट्रेकिंग, वन्यप्राणियों के पगमार्क एवं विष्ठा, आदि से अवगत कराया गया। अशासकीय प्रेरक अनिस चार्ल्स, ज्ञानचंद शर्मा, सुरेंद्र बडीचार्य, महेन्द्र ठवरे, शासकीय प्रेरक मनीष कुमार सिन्हा उपवन क्षेत्रपाल, नरेन्द्र ठाकरे वनरक्षक एवं ओमप्रकाश दमाहे तथा अन्य वन कर्मचारियो द्वारा विघार्थियों को वनों का महत्व एवं वन्यप्राणियों तथा छोटे-छोटे कीट, पतंगों की सुरक्षा कैसे की जाये के संबंध में अनुभूति ब्रोसर अनुसार फील्ड में बताया गया तथा उनके महत्व को समझाया गया। उपवनमंडल अधिकारी एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी बालाघाट सामान्य द्वारा वन एवं वन्य प्राणियों से संबंधित रोचक तथ्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया और वन एवं वन्य प्राणियों संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी छात्र छात्राओं के साथ साझा की। अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत अनुभूति ब्रोसर एवं फील्ड विजिट में छात्र-छात्राओं से जो जानकारी साझा की गई उन्ही अवधारणाओं पर आधारित एक क्विज का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया ।

वनों और वन्य प्राणियों की सुरक्षा सहित दी गई अन्य जानकारी

अनुभूति कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7ः30 समस्त छात्राओं के अनुभूति कार्यक्रम स्थल पर एकत्रण के साथ हुई जिसमें सर्वप्रथम उनको स्वल्पाहार परोसा गया एवं तत्पश्चात मास्टर ट्रेनर एवं अनुभूति प्रेरकों की अगुवाई में समस्त छात्र-छात्राओं को प्राकृतिक पथ भ्रमण के माध्यम से वन एवं वन्य प्राणियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया गया एवं सतत और धारणीय जीवन शैली के प्रति जागरूक किया गया वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा और संवर्धन में जन सहभागिता के विषय पर जागरूक किया गया , प्राकृतिक पथ भ्रमण के पश्चात समस्त अनुभूति भागीदारों को भोजन परोसा गया एवं पर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनाने के लिए कुछ व्यावहारिक उपायों से अवगत कराकर सभी को प्रकृति संरक्षण में मानव की भूमिका से परिचित कराया गया।इस दौरान बिरन सिंह कुसरे वनक्षेत्रपाल, सुधीर घोड़ेश्वर उपवन क्षेत्रपाल, संजय गिरी गोस्वामी, श्रीमति पूर्णिमा धुर्वे वनपाल, श्रीमति चन्द्रकला कुमरे वनपाल,श्रीमति तारा धुर्वे वनपाल, श्रीमति पुष्पा दाण्डेकर वनपाल, श्रीमति मीना पटले वनपाल, शीतल कान्त हनवत वनपाल, सतीश दाण्डेकर वनपाल, दिलीप पालेवार वनरक्षक, प्रकाश साहू वनरक्षक, स्वतंत्र लिल्हारे वनरक्षक गोविन्द मर्सकोले वनरक्षक,चन्दनलाल वनरक्षक,और धनराज वनरक्षक सहित अन्य अमले का भरपूर सहयोग रहा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

हाईकोर्ट ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

- अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों को राहत, भर्ती प्रक्रिया याचिका के निर्णय के अधीन
- गजट उल्लंघन पर नर्सिंग फैकल्टी भर्ती हाईकोर्ट के दायरे में

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी), भोपाल द्वारा जारी नर्सिंग फैकल्टी भर्ती अधिसूचना को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोप है कि यह अधिसूचना साल 2024 की राजपत्र (गजट) अधिसूचना का उल्लंघन करते हुए जारी की गई, जिससे सालो से सेवा दे रहे अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों के साथ गंभीर अन्याय हुआ है। हाईकोर्ट ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस जारी का जवाब मांगा है। मामले में एनएसयूआई संगठन की और से साझा की गई जानकारी के अनुसार अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और अंशुल तिवारी ने याचिका में कहा कि गजट अधिसूचना 2024 के अनुसार एसोसिएट प्रोफेसर के पद 100 प्रतिशत पदोन्नति से भरे जाने का प्रावधान था, लेकिन चयन मंडल द्वारा 40 पदों को सीधी भर्ती के तहत विज्ञापित कर दिया गया। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए निर्धारित 60 प्रतिशत पदोन्नति एवं 40 प्रतिशत सीधी भर्ती की व्यवस्था को दरकिनार करते हुए सभी पद सीधी भर्ती से निकाल दिए गए।

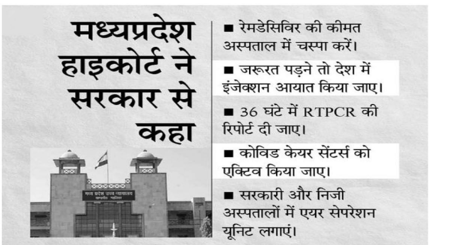

- फैकल्टी संकट में काम लिया, अब सीधी भर्ती

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सीबीआई जांच के बाद विभाग में गंभीर फैकल्टी संकट उत्पन्न हुआ था। उस समय शासन ने इन्हीं योग्य व अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों को अस्थायी प्रभार देकर वर्षों तक असिस्टेंट प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर जैसे पदों पर कार्य कराया। इसके बावजूद न तो उन्हें पदोन्नत किया गया और न ही नियमित किया गया।

- 67 याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में दी चुनौती

इस मामले को लेकर याचिका एमपी हाईकोर्ट, जबलपुर में अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय व अधिवक्ता अंशुल तिवारी द्वारा याचिका दायर की गई है, जिसमें 67 नर्सिंग ऑफिसर शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि उनके पास 10 से 25 वर्षों तक का अनुभव है, और वे लंबे समय से संबंधित पदों पर अस्थायी रूप से सेवाएं दे रहे हैं।

- न्यायमूर्ति विशाल धगत की एकलपीठ में सुनवाई

मामले की सुनवाई एकलपीठ न्यायमूर्ति विशाल धगत के समक्ष हुई। अदालत ने प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों और संस्थाओं को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि विवादित भर्ती प्रक्रिया याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी, जिससे चयन मंडल की भर्ती पर न्यायिक निगरानी स्थापित हो गई है।

- नर्सिंग ऑफिसरों के अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण राहत

अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय व अंशुल तिवारी ने कहा कि हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद प्रदेश के नर्सिंग समुदाय में इसे अनुभवी नर्सिंग ऑफिसरों के अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण राहत के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया और सीधी भर्ती को लेकर उठ रहे सवाल अब न्यायिक समीक्षा के केंद्र में आ गए हैं।

सरकारी अस्पतालों में अमानक दवाओं का स्टॉक, पूरे स्टॉक की जांच शुरू

जेपी अस्पताल में अब माउथवॉश में कीड़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश के 25 से ज्यादा बच्चों की जान लेने वाले कोल्ड्रिफ सिरप के बाद भी अस्पतालों में खराब क्वालिटी वाली दवाएं लगातार सामने आ रहीं हैं। स्थिति यह है कि जेपी अस्पताल में मरीजों को इलाज के नाम पर दी जा रहीं दवाएं खुद ही बीमार हैं। साल 2026 में अभी 9 दिन ही बीते हैं और राजधानी के जिला अस्पताल से मरीजों को खराब दवा देने के दो केस सामने आ चुके हैं। पहला दर्द में दी जाने वाली डिक्लोफेनाक 50 एमजी की टैबलेट और गले में दर्द होने पर दिया जाने वाला 50 एमएल का क्लोरहेक्सिडिन माउथ वॉश। दोनों खराब क्वालिटी की मिली हैं।

पहला मामला 3 जनवरी को सामने आया, जिसमें सतीष सेन नाम के युवक ने अस्पताल से फफूंदी लगा दवा मिलने की शिकायत की थी। वहीं, दूसरा मामला 6 जनवरी को सामने आया, जिसमें मनीष नाम के युवक ने माउथ वॉश में कीड़ा निकलने का दावा किया। इन दोनों मामलों को लेकर शुक्रवार को राजधानी के सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने एक विशेष दल का गठन किया। यह टीम अस्पताल की फार्मेसी का पूरा स्टॉक चेक किया गया। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा का कहना है कि फफूंदी लगी दवा का जो दावा किया जा रहा है, उसका

स्टॉक जेपी अस्पताल में दिसंबर माह में ही खत्म हो गया था। जबकि दूसरी तरफ शिकायतकर्ता से जेपी अस्पताल का स्टाफ खराब गुणवत्ता वाली दवाओं की स्ट्रिप लेकर गया था। वहीं, मरीज से यह दावा किया गया था कि जांच रिपोर्ट आने पर उसकी सूचना दी जाएगी। इस मामले में अब तक कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि माउथ वॉश में एक अजीब चीज नजर आ रही है। यह क्या है, इसकी जानकारी जांच के बाद ही हो सकेगी। खराब माउथवॉश का सैंपल टेस्टिंग के लिए भेज दिया गया है।

अस्पताल की हर दवा जांच के दायरे में

शुक्रवार को इन मामलों को लेकर उच्च अधिकारियों ने सीएमएचओ और अस्पताल के सिवल सर्जन को जांच के आदेश दिए। जिसके बाद सीएमएचओ कार्यालय से 5 सदस्यीय जांच दल बनाया गया। इसमें फूड एंड ड्रग के अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य विभाग के लोग भी शामिल हैं। यह दल अस्पताल में मिलने वाली खाने की सामग्री से लेकर फार्मेसी और ड्रग स्टोर में रही दवाओं का क्वालिटी चेक की गई। स्टोर के स्टाफ के अनुसार, जेपी अस्पताल परिसर में नमी सबसे बड़ी चुनौती है। ड्रग स्टोर से लेकर फार्मेसी तक की दीवारों पर नमी बनी रहती है। इसकी कई बार सिविल सर्जन कार्यालय में शिकायत भी कई गई है।

सीएम की सख्ती के बाद भी अधिकारी-कर्मचारियों की मनमानी

- वल्लभ भवन समेत दूसरे ऑफिस देरी से पहुंचे

भोपाल। मध्य प्रदेश में कर्मचारियों के अटेंडेंस को लेकर सरकार सख्त है। सरकार ने पहले ही फेस अटेंडेंस जैसी सुविधा रखी है, उसके बावजूद भी अधिकारी-कर्मचारी समय का ध्यान नहीं रखते हैं, जिसके चलते मुख्यमंत्री सख्त दिखाई दे रहे हैं। मध्य प्रदेश में फाइव डे वर्किंग सिस्टम लागू है, जिसके चलते शनिवार-रविवार के दिन छुट्टी रहती है। कर्मचारियों को पांच दिन काम करना होता है और दो दिनों की छुट्टी मिलती है। इसके बावजूद भी कई अधिकारी-कर्मचारी दफ्तर समय पर नहीं पहुंचते हैं। जिसके चलते सरकार ने नकेल कसने के लिए ई-अटेंडेंस और फेस अटेंडेंस जैसी सुविधा शुरू की थी। उसके बावजूद भी अटेंडेंस में सुधार नहीं दिखा, जिसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नाराजगी अधिकारियों की बैठक पर जाहिर की। वहीं अटेंडेंस को लेकर सख्ती दिखाई। इसके बाद पड़ताल की गई तो पता चला कि कर्मचारी समय पर ऑफिस नहीं पहुंचे हैं। वल्लभ भवन और भोपाल नगर निगम के ऑफिस दोनों जगह कर्मचारी लेट दिखाई दिए, यानी कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के आदेश की धज्जियां उड़ाते अधिकारी और कर्मचारी दिखाई दिये।

मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद कर्मचारियों की मनमानी

मुख्यमंत्री ने सख्ती दिखाते हुए अधिकारियों की बैठक में कहा कि सुबह 10 बजे अधिकारी-कर्मचारी दफ्तर पहुंचेंगे और शाम 6 बजे तक दफ्तर में रहें। उसके बावजूद भी अधिकारी-कर्मचारी अपनी मनमर्जी करते दिखाई दिए, हालांकि मुख्यमंत्री ने बैठक में साफ कह दिया है कि यदि नियम का पालन नहीं करेंगे तो आने वाले समय में फाइव डे वर्किंग को बंद कर सिक्स डे वर्किंग शुरू की जाएगी।

प्रदेश के 46 जिलों में एटीएस नहीं

मैनुअल फिटनेस जारी रखने का परिवहन मंत्री ने केंद्र से किया आग्रह

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया समाप्त कर ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) के माध्यम से ही वाहन फिटनेस कराए जाने का प्रावधान किया है। हालांकि मध्यप्रदेश के 55 जिलों में से फिलहाल केवल 9 जिलों में ही एटीएस की सुविधा उपलब्ध है, जबकि 46 जिलों में अभी यह व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है। इस स्थिति को देखते हुए परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार से मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को जारी रखने का आग्रह किया है।

परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मध्यप्रदेश में सडक़ परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुलाकात के दौरान परिवहन मंत्री सिंह ने सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 1 जनवरी 2026 को जारी पत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके तहत जिला परिवहन कार्यालयों में वाहनों की मैनुअल फिटनेस प्रक्रिया को समाप्त कर केवल ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन के माध्यम से फिटनेस परीक्षण किए जाने का प्रावधान किया गया है।

मध्य प्रदेश में वर्तमान में प्रदेश के ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, सतना, सिंगरौली, देवास और धार जिलों में एटीएस संचालित हैं, जहां वाहन फिटनेस पूरी तरह से ऑटोमेटेड प्रणाली से की जा रही है। इसके अलावा प्रदेश के शेष जिलों में एटीएस की सुविधा उपलब्ध नहीं है। परिवहन मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से एक बड़ा राज्य है, जहां कई जिलों के बीच की दूरी 150 किलोमीटर से अधिक है। ऐसे में एटीएस विहीन जिलों के वाहन स्वामियों को फिटनेस परीक्षण के लिए दूसरे जिलों में वाहन ले जाना पड़ता है, जिससे समय अधिक लगता है और ईंधन खर्च भी बढ़ता है। उन्होंने यह भी बताया कि यात्री वाहनों के परमिट निर्धारित मार्गों और क्षेत्रों के लिए जारी किए जाते हैं। ऐसे में परमिट मार्ग से बाहर जाकर फिटनेस परीक्षण कराना वैधानिक दृष्टि से भी उपयुक्त नहीं है। इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए परिवहन मंत्री सिंह ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया कि जब तक प्रदेश के सभी जिलों में ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन स्थापित नहीं हो जाते, तब तक एटीएस विहीन जिलों में जिला परिवहन कार्यालयों के माध्यम से मैनुअल वाहन फिटनेस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी जाए। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस विषय पर सहमति व्यक्त करते हुए प्रक्रिया को शीघ्र अनुमति प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मप्र में तबादले के लिए नई व्यवस्था

3 दिन के अंदर होगा कर्मचारियों का ट्रांसफर, विभाग प्रमुख को निकालने ही होंगे तबादला आदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश से एक बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश में अब सिर्फ तीन दिन में कर्मचारियों के तबादले हो जाएंगे। सरकारी कर्मचारियों के ट्रांसफर को लेकर अब तक की सबसे फुर्तीली व्यवस्था बनाई गई है। विभाग प्रमुख को तीन दिन में तबादला आदेश निकालना होगा। ऐसा नहीं करने पर कारण बताना होगा। एमपी में कर्मचारियों के तबादले को लेकर नई व्यवस्था की गई है। विभाग प्रमुख को अब तीन दिन में ट्रांसफर का आदेश निकलाना होगा। अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव को तीन दिन में तबादले करने होंगे। मुख्यमंत्री ऑफिस की तबादले वाली ए प्लस नोटशीट को लेकर बड़ा बदलाव किया गया है। इस दौरान तबादला नीति के प्रावधान शिथिल रहेंगे। तबादले के बाद अनुमोदन भी बाद में लिया जा सकेगा। वहीं तीन दिन में ट्रांसफर का आदेश नहीं निकलने पर कारण बताना होगा। तबादला नहीं कर पाने की टीप भी सीधे सीएम ऑफिस भेजना होगी। ए+ नोटशीट का समय सीमा में पालन कराने की जिम्मेदारी भी एसीएस और पीएस की होगी। मंत्री-विधायकों के केस में हो रही देरी पर नई व्यवस्था बनाई गई है। आपको बता दें कि इसे लेकर मंत्री-विधायकों ने मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुंचाई थी।

रातापानी वन अभयारण्य उनके नाम से जाना जाएगा

- डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान समारोह व शोध संगोष्ठी में सीएम डॉ. मोहन बोले

भोपाल। आज का यह समझ हो वैसे तो कार्यक्रम को अलग मजा है मगर आज का आयोजन के लिए हमारे हमारे बीच जो विद्वान पधारे रहे हैं सभी का स्वागत है। वाकणकर जी से मेरा भी संबंध है। संगीत की जानकारी पर मिलकर मूर्तिकला, चित्रकला पुरातत्व संस्कृत भी उज्जैन में ही सीखने का काम शुरू किया। कला संस्कृति को लेकर मेरा भी वाकणकर से संबंध रहा। भानगढ़ की राजनीतिक रूप से भी पूर्वानुमान बारीकी से करते थे। आज मालवा के पूरे गांव में पुरातत्व को लेकर जागृति जगाई है। उक्त बातें सीएम डॉ. मोहन यादव ने डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान समारोह एवं शोध संगोष्ठी में कही। उन्होंने कहा कि उनके बारे में बात करते हैं ऐसा लगता था कि इतिहास जीवंत हो गया। सरस्वती नदी कोई मिथक नहीं वास्तविक नदी है। 4000 से अधिक चित्रों की खोज करके अध्ययन किया। आपातकाल के दौर में इंदिरा गांधी ने उनको पद्मश्री अनाउंस किया है गर्व की बात है। पद्मश्री दिए जाने की घटनाक्रम का भी जिक्र किया। रातापानी वन अभ्यारण श्रीधर वाकणकर

के नाम पर किए जाने का निर्णय किया है। उनके कामों के आधार पर वन विभाग में भी उनके काम का उल्लेख उनके नाम से जाना जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार आपका नाम से गौरवांवित होती है।

सीएम ने कहा कि 1000 साल पहले मोहम्मद गजनबी ने जब हमारे आराध्य को हमारे इतिहास पर कलंक लगा था सबसे खराब घटना थी तमाम प्रयास के बाद भी हमारे लोग उसको बचा नहीं पाए, अब सौभाग्य की बात है कि आज सोमनाथ का मंदिर का ध्वज फहरा रहा है। मिटाने वाले मिट रहे हैं लेकिन आज भी हम खड़े हुए हैं। 14 जनवरी से महाकाल उत्सव मनाया जाएगा। वहीं पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध करने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बोले- किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को ईडी और अन्य केंद्रीय एजेंसी के साथ सहयोग करके काम करना चाहिए। हम शपथ भी इसी बात की लेते हैं, किसी राज्य के मुख्यमंत्री को ऐसे माहौल में ऐसी हल्की हरकत करते हैं तो मैं समझता हूं यह अच्छा नहीं है। एक राज्य के मुख्यमंत्री होने के नाते उनका यह कार्य कतई उचित नहीं है।

प्रेरणा बच्चन के निधन पर जताया दुःख

मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री वाला बच्चन की बेटी की सडक़ दुर्घटना में मौत पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा- हमारे साथी पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी का निधन हुआ है इस बात का गहरा दुख है। मैं ऐसी दुखद घड़ी में शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। इस घड़ी में मैं उनके साथ हूं, मैं खुद बाला बच्चन से बात करूंगा।

ट्रांसफर आदेश के बाद भी उन्हीं थानों में जमे पुलिसकर्मी

भोपाल। आला अधिकारियों के फरमान पुलिस महकमे में किस तरह हवा में उड़ा दिए जाते हैं, इसका नमूना राजधानी के पुलिस थानों में देखा जा सकता है। जहां अधिकारियों के हस्ताक्षर से जारी ट्रांसफर आदेश थानों तक पहुंचते ही अपनी वैधानिक हैसियत खो देते हैं। हालात यह हैं कि तबादला होने के बावजूद पुलिसकर्मी महीनों तक न पुराने थानों से रवानगी लेते हैं और न ही नई पदस्थापना पर आमद दर्ज कराते हैं। इस खुली नाफरमानी ने पूरे ट्रांसफर सिस्टम को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है। राजधानी के कई थानों में ऐसे आरक्षक, प्रधान आरक्षक और यहां तक कि उप निरीक्षक (एसआई) तक तैनात हैं, जिनका तबादला छह महीने से लेकर एक साल पहले हो चुका है। कागजों में वे कहीं और पदस्थ बताए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि वे अब भी उन्हीं थानों में आराम से जमे हुए हैं। न किसी को आदेश की चिंता है, न कार्रवाई का डर।

डेढ़ साल बाद दोबारा आदेश निकाला, तब अमल में आया

भोपाल कमिश्नरेट में यूं तो ट्रांसफर आदेश की अवहेलना आम हो चुकी है, लेकिन जब मुख्यालय डीसीपी श्रद्धा तिवारी द्वारा 2024 में निकाले गए आदेश का अमल नहीं हुआ और उन्हें संबंधित पुलिसकर्मियों को थाने से हटाने के लिए दोबारा आदेश जारी करना पड़ा तो एक बार फिर पूरी ट्रांसफर प्रक्रिया की तस्वीर सामने आई। जून 2024 में जहांगीराबाद और बजरिया थाने से एसआई राजकुमार गौतम और उमेश मिश्रा का ट्रांसफर पिपलानी थाने में किया गया था। साथ ही एसआई संगीता काजले को कोलार से शाहपुरा थाने भेजा था। लेकिन दिसंबर 2025 तक उन्हें थानों से रवानगी ही नहीं दी गई। लिहाजा दोबारा आदेश निकालने पड़े। इसके अलावा अगस्त 2024 में ही जहांगीराबाद से पिपलानी थाने में ट्रांसफर किए गए प्रधान आरक्षक आनंद चौहान अब तक जहांगीराबाद में ही जमे हुए हैं। वहीं हबीबगंज में पदस्थ हवलदार ओमप्रकाश पाठक, कोहेफिजा के विष्णु प्रताप सिंह और बैरागढ़ के विवेक शर्मा को भी पिछले महीनों में ट्रांसफर किया गया था, लेकिन अब तक वे भी पुराने थानों में जमा हैं।

चुगलखोरी से परेशान पीसीसी चीफ, पटवारी बोले

मन में किसी तरह का खटास न रखे

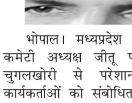

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी चुगलखोरी से परेशान है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- कार्यकर्ता आते हैं कान में बोलते हैं मैं उतनी तेजी से डांटा। कान फूंकने वालों से मैं कहना चाहता हूं, कान फूंकने का काम बिल्कुल भी नहीं चलेगा। छोटी मोटी बात होगी तो उनकी शिकायत सुनना मेरी जिम्मेदारी है। कान फूंकने वालों से मैं ये हाथ जोडक़र कहना चाहता हूं, कांग्रेस की मजबूती के लिए कितना भी अपमान सहना मुझे पड़े मैं उसे स्वीकार करता हूं। गुटबाजी से परेशान जीतू ने कहा- कार्यकर्ताओं से अपील है कि मन में किसी तरह का खटास नहीं रखना है। वे देपालपुर विधानसभा में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इधर जीतू पटवारी के चुगलीखोरी वाले बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- सलाह चुगली नहीं होती, संगठन चलाने के लिए सलाह की जरूरत होती है। सभा में कोई कान में ऐसी बात कर रहा है तो जीतू पटवारी को ऐसा नहीं बोलना चाहिए। राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह, कमलनाथ अगर सलाह देंगे तो सलाह को चुगलखोरी मानेंगे।

- भूजल में बैक्टीरिया की पुष्टि के बाद अलर्ट, मेयर बोलीं

शिकायत पर तुरंत कार्रवाई कर रहे हैं अधिकारी

भोपाल। इंदौर की पेयजल त्रासदी की घटना के बाद भोपाल में भी पानी में खतरनाक बैक्टीरिया मिलने से चिंता बढ़ गई है। तीन स्थानों पर खतरनाक ई-कोलाई बैक्टीरिया मिला है, जिसने इंदौर में हाल ही में 18 लोगों की जान ले ली थी। नगर निगम तत्काल प्रभावित इलाकों में भूगर्भ जल के उपयोग पर तत्काल रोक लगाने की सलाह जारी की है। वहीं 22 दिन पहले पकड़े गए 26 टन मांस की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। राज्य पशु चिकित्सालय के विशेषज्ञों की जांच रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई है कि कंटेनर में मिला मांस गोवंश का था।

भोपाल की मेयर मालती राय ने बताया कि भोपाल नगर निगम ने पानी के 1810 सैंपल जांच के लिए लैब भेजे थे। जांच के बाद उनकी रिपोर्ट आ गई है। चार सैंपल में बैक्टीरिया पाए गए हैं। ये अंडरग्राउंड पानी के सैंपल थे, जो सैंपल ट्यूबवेल से लिए गए थे वे कच्चे पानी के थे। यह पानी भोपाल के लोगों को सप्लाई नहीं किया जाता है। नगर निगम को अलग-अलग सोर्स से शिकायतें मिल रही हैं। नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत जगहों पर जाकर जांच कर रहे हैं। अगर कोई कमी होती है तो नगर निगम की टीम मौके पर पहुंचकर समस्या को ठीक कर रही है। अगर लीकेज या लोगों की शिकायतें होती हैं तो नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी जांच कर रहे हैं। वे लोगों की शिकायतों के आधार पर जांच कर रहे हैं और सैंपल संबंधित अधिकारियों को भी भेज रहे हैं। वहीं, स्लॉटर हाउस में हो रहे नियमों के उल्लंघन को लेकर मेयर मालती राय ने कहा कि बूचडख़ाने के सैंपल गलत पाए गए हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। संबंधित अधिकारी या प्राइवेट वेंडर या कोई भी और जो भी इसमें शामिल हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। बूचडख़ाने को सील कर दिया गया है।

मप्र में 'अतिथि विद्वान' कैडर बनाने की तैयारी

उच्च शिक्षा विभाग में हरियाण मॉडल का अध्ययन करने समिति गठित

भोपाल । प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के आधे से ज्यादा पद अतिथि विद्वानों से भरे हैं। यानी उच्च शिक्षा अतिथि विद्वानों के भरोसे हैं। अब सरकार अतिथि विद्वानों के लिए अलग कैडर बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने विशेषज्ञों की एक सात सदस्यतीय कमेटी बनाई है। जो हरियाणा राज्य के अतिथि विद्वान मॉडल का अध्ययन करेगी। हरियाणा में अतिथि विद्वानों का मानदेय मप्र से डेढ़ गुना ज्यादा है।

उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिस समिति का गठन किया गया है, वह हरियाणा में अतिथि विद्वानों की सेवा शर्तों, सामाजिक सुरक्षा और स्थायित्व से जुड़े बिंदुओं का अध्ययन कर अपनी सिफारिशें देंगी। मप्र उच्च शिक्षा में प्राध्यापकों की नियमित भर्ती कम होने से शिक्षकों की कमी हो गई थी। इसी कमी को पूरा करने के लिए अतिथि विद्वानों का सहारा लिया गया। अब पूरी उच्च शिक्षा अतिथि विद्वानों के भरोसे हो गई है। वर्ष 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि विद्वानों के एक प्रदर्शन में प्रत्येक माह एकमुस्त 50 हजार रुपया मानदेय देने की घोषणा की थी, जिसे लागू नहीं किया गया। जबकि हरियाणा में पांच वर्ष का अनुभव रखने वाले यूजीसी पात्र अतिथि विद्वानों को 57,700 रुपये वेतन और सेवानिवृत्ति की आयु तक स्थायित्व प्रदान किया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने बताया कि किसी भी शासकीय कॉलेज में प्राध्यापकों के कोई पद खाली नहीं है। यह जरूर है कि नियमित प्राध्यापक नहीं है, लेकिन अतिथि विद्वान अध्यापन का काम करा रहे हैं। अतिथि विद्वानों को और ज्यादा सुविधा देने को लेकर विभाग विचार कर रहा है।

शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन के लिए जन भागीदारी समितियों के जरिये तदर्थ प्राध्यापकों की भर्ती 1990 के दशक में शुरू हुई थी। वर्ष 2000 के बाद इसमें तेजी आई। मध्य प्रदेश में ऐसे अतिथि विद्वानों को 2000 रुपया प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय दिया जाता है। अवकाश के दिनों का मानदेय नहीं बनने से अतिथि विद्वानों को अधिकतर 40 हजार 44 हजार रुपया प्रतिमाह ही मिल पाता है। उन्हें 13 आकस्मिक अवकाश और तीन ऐच्छिक अवकाश की पात्रता है। अगर रिक्त स्थान पर नियमित भर्ती का प्राध्यापक आ गया तो अतिथि विद्वानों को बिना किसी विकल्प के बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है।

मुंबई ने बेंगलुरु को 155 रन का टारगेट दिया

एस सजना ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए, नदीन डी क्लर्क को 4 विकेट

नई दिल्ली। पिछले साल की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने विमेंस प्रीमियर लीग 2026 के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 155 रन का टारगेट दिया है। डीवाई पाटील स्टेडियम में चल रहे मैच में आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है।

मुंबई ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 154 रन बनाए। एस सजना ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाकर टीम को 150 के करीब पहुंचाया। उन्होंने निकोला कैरी के साथ 49 बॉल पर 82 रन की साझेदारी की। ओपनर जी कमलिनी ने 32 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 20 रन बनाए। नदीन डी क्लर्क ने 4 विकेट झटके। लौरेन बेल और श्रेयांका पाटील को एक-एक विकेट मिला।

ओपनिंग सेरेमनी में जैकलिन, हनी सिंह ने परफॉर्म किया मैच से पहले ओपनिंग सेरेमनी में गायक हनी सिंह और बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलिन फर्नांडीस ने परफॉर्म किया। इस दौरान मिस यूनिवर्स हरनाज संधू भी मौजूद रहीं।

प्लेइंग-11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, डी हेमलता, ऋचा घोष (विकेटकीपर), राधा यादव, नदीन डी क्लर्क, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटील, प्रेमा रावत, लेंसी स्मिथ, लौरेन बेल।

मुंबई इंडियंस- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जी कमलिनी (विकेटकीपर), नैट सिवर-ब्रंट, अमेलिया केर, निकोला कैरी, पूनम खेमनार, शबनिम इस्माइल, संस्कृति, एस सजना, साइका इशाक।

अभी हमारा ध्यान टी20 नहीं एकदिवसीय सीरीज पर - मिचेल

वडोदरा । न्यूज़ीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा है अभी उनका ध्यान भारतीय टीम के खिलाफ 11 जनवरी से शुरु होने वाली एकदिवसीय सीरीज पर है। इसलिए टीम अभी उसी की तैयारी में लगी है। इसके समाप्त होने के बाद ही टीम अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर अपनी रणनीति बनाएगी। मिचेल का मानना है कि भारतीय टीम के टी20 सीरीज में उनके बल्लेबाजों के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवती का सामना करना आसान नहीं होगा।

इस बल्लेबाज के अनुसार अभी टीम उस सीरीज हो देख रही है जो सामने है। इसलिए अभी टी20 विश्वकप के बारे में सोचा नहीं जा सकता। मिचेल ने कहा, टी20 विश्व कप अभी एक महीने दूर है। इसलिए अभी हम केवल एकदिवसीय सीरीज में ही बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। भारतीय टीम के पास बुमराह और वरुण जैसे शानदर गेंदबाज हैं, जो हमारे लिए चुनौतियां पेश करेंगे।

तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय खेल होगी। एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ उतरेगी जिससे किवी गेंदबाजों को काफी अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। ये मुकाबले टी20 वर्ल्ड कप से पहले लय हासिल करने का अवसर भी देते हैं, मिचेल ने साफ किया कि टीम इसे केवल अभ्यास नहीं, बल्कि एक अहम द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ले रही है। मिचेल ने भारतीय पिचों को लेकर भी अपनी बात रखी और कहा कि यहां की परिस्थितियों में ढलना विदेशी टीमों के लिए हमेशा कठिन रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टर्न लेती पिचें कीवी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी परेशानी होंगी। उन्होंने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के तौर पर आपको दुनिया भर के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होता है। भारत में खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है।

विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में 13 को होगा दिल्ली और विदर्भ मुकाबला

बेंगलुरु। दिल्ली टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। यहां अब उसे 13 जनवरी को विदर्भ से खेलना है। दिल्ली की कप्तानी ऋषभ पंत कर रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने गत दिवस हरियाणा को नौ विकेट से हराकर ग्रुप डी में पहले स्थान हासिल कर लिया। अब दिल्ली को चौथे क्वार्टरफाइनल में 13 जनवरी को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में विदर्भ से खेलना है हालांकि इस मैच में ऋषभ नहीं खेलेंगे क्योंकि इस समय वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में व्यस्त रहेंगे।

हरियाणा के खिलाफ मैच में इशांत शर्मा ने तीन विकेट लिए। हरियाणा की टीम 25.4 ओवर में केवल 105 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को दिल्ली ने नीतीश राणा के नाबाद 57 रनों की सहायता से 13.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। वहीं दिल्ली के अलावा ग्रुप डी से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम सौराष्ट्र रही। सौराष्ट्र ने एक अन्य मुकाबले में गुजरात की टीम को 145 रन से हराया है। सौराष्ट्र ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 383 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम 238 रन ही बना पायी। सौराष्ट्र की ओर से विश्वराज जडेजा ने 103 गेंद में 112 रन जबकि प्रेरक मांकड़ ने तेजी से 86 रन बनाये। वहीं कप्तान हार्दिक देसाई ने 82 रन बनाए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले तीन मैचों से बाहर हुए तिलक

मुम्बई। बल्लेबाज तिलक वर्मा सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले तीन मैचों से बाहर हो गये हैं। इसके बाद बाकि दो मैच में मैचों में उनके खेलना का फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी के अनुसार ग्रोइन इंजरी के कारण तिलक की सर्जरी हुई थी जो सफल रही और उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी मिल गई है। उनकी हालत अब स्थिर है और वह पूरी तरह से फिट होने पर वापसी करेंगे। इस अधिकारी ने कहा कि तिलक पहले शारीरिक प्रशिक्षण शुरू करेंगे और फिर धीरे-धीरे अभ्यास का समय बढ़ाएंगे। अंतिम दो मैचों में उनका खेलना इस बात पर निर्भर करेगा कि उनकी रिकवरी और ट्रेनिंग कैसी चल रही है।

तिलक वर्मा का चोटिल होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि अगले माह उसे टी20 विश्वकप खेलना है। इस प्रारुप में वह एक बेहद भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। एशिया कप 2025

फाइनल में इस बल्लेबाज ने बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

तिलक को विजय हजारे ट्रॉफी में हैदराबाद की ओर से राजकोट में खेलने के दौरान ही तेज दर्द उठा था। उसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में ग्रोइन इंजरी की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी की सलाह दी, जो सफल रही। अब तिलक तेजी से रिकवरी की ओर बढ़ रहे हैं।

वहीं भारतीय टीम के लिए एक अच्छी खबर ये है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पूरी तरह से फिट हो गये हैं। अय्यर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मेडिकल टीम ने पूरी तरह फिट करार दिया है। अय्यर ने विजय हजारे ट्रॉफी में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 82 रनों की अच्छी पारी खेलकर अपनी फिटनेस को साबित किया है। वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में आंत में लगी चोट के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे थे। अय्यर को एकदिवसीय टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है।

तीरंदाज अंकिता की नजरें एशियाई खेलों पर लगीं

नई दिल्ली। तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं।

अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने हाल ही में टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को हराया, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साह से भरी हैं।

अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई हैं।

आगा को शाहीन के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

लाहौर। पाकिस्तान की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने उम्मीद है कि तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी अगले माह टी20 विश्वकप तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। शाहीन की चोट को लेकर टीम प्रबंधन इसलिए चिंन्तित है क्योंकि वह टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। टी20 विश्वकप फरवरी में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

आगा ने कहा, हमें उम्मीद है कि शाहीन विश्व कप तक फिट हो जाएंगे हालांकि उनके खेलने का अंतिम फैसला मेडिकल पैनल की सलाह पर लिया जाएगा। अभी शाहीन का रिहैबिलिटेशन लाहौर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में जारी है। इसकी निगरानी पीसीबी का मेडिकल पैनल भी कर रहा है। पीसीब ने शहीन के रिहैबिलिटेशन का एक वीडियो भी हाल में जारी किया पर ये नहीं बताया था कि उन्हें पूरी तरह से ठीक होने में कितना समय लगेगा।

गौरतलब है कि शाहीन को ऑस्ट्रेलिया में खेले जा रहे बिग बैश लीग मैच में घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद से ही उनकी टीम ब्रिस्बेन हीट ने उन्हें रिलीज कर दिया था। इसके बाद से ही वह पीसीबी के रिहैबिलिटेशन सेंटर में हैं। पहले भी शाहीन बार बार घुटने की चोट से परेशान रहे हैं। इससे पहले श्रीलंका में भी एक बार उन्हें घुटने में लगी चोट के कारण लंबे समय तक टीम से बाहर रहना पड़ा था।

हरमनप्रीत ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की - झूलन

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि उसने विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की है। इसलिए कप्तान के तौर पर उसने जो स्तर हासिल किया है। वह आने वाले समय में किसी के लिए भी हासिल करना बेहद कठिन होगा। हरमनप्रीत के नाम भारतीय टीम को घरेलू धरती पर खिताब जिताने के अलावा मुंबई इंडियंस को डब्ल्यूपीएल खिताब जिताना भी है। साथ ही कहा कि उसने वह सब किया है जो अभी तक नहीं हुआ था और महिला क्रिकेट दशकों से इसी क्षण का इंतजार कर रहा था। इस दिग्गज खिलाड़ी के अनुसार उन्होंने बड़े मैचों में दबाव के बीच भी काम करने की क्षमता विकसित कर जी है और यही टीम की

सफलता का राज है।

गोस्वामी ने कहा, उन्होंने भारतीय क्रिकेट, मुंबई इंडियंस और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट के लिए जो किया है, वह शीर्ष स्तर का प्रदर्शन है। मुझे नहीं लगता कि आने वाले समय में कोई भी उनके रिकॉर्ड तक पहुंच पाएगा। साथस ही कहा कि हरमनप्रीत के पास अभी चार से पांच साल और हैं ऐसे में वह अभी आगे भी खेल में अहम भूमिका निभाएंगी। झूलन ने विश्वकप जीत के जश्न को याद कर कहा कि पूर्व खिलाड़ियों को बुलाकर उन्होंने अलग-अलग पीढ़ियों की भारतीय महिला क्रिकेटरों को जोड़ने का काम किया है और इसी जितनी प्रशंसा की जाये कम है। और यह दिखाता है कि यह जीत सिर्फ मौजूदा टीम की नहीं, बल्कि उन सभी खिलाड़ियों की है जिन्होंने महिला क्रिकेट की नींव रखी।

मलेशियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची सिंधु

कुआलालम्पुर। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु मलेशिया ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु को इस सुपर 1000 इवेंट में जापान की अकाने यामागुची के रिटायर होने के कारण आराम से सेमीफाइनल में जगह मिल गयी । यामागुची ने टूर्नामेंट का पहला गेम 21-11 से हारने के बाद ही मैच छोड़ दिया था। सिंधु ने इसी के साथ ही साल की अच्छी शुरुआत की है। वह लंबे समय के बाद किसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। सिंधु ने इससे पहले जापान की टोमोका मियाज़ाकी को हराकर क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया था। यामागुची के खिलाफ मुकाबला इतना आसान होने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन यामागुची अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिख रही थीं, क्योंकि सिंधु ने पहले गेम में 11-5 की बढ़त बना ली थी।

मैच में यामागुची केघुटने में मोच आ गई। पहला गेम समाप्त होने में थोड़ा समय लगा, सिंधु ने इसे केवल 12 मिनट में ही 21-11 से जीत लिया। इसके समाप्त होने के बाद, यामागुची ने अंपायर से मैच में रिटायर होने की बात कही और कोर्ट से बाहर चली गयीं। सिंधु का मुकाबला अब सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी या छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा।

आईपीएल 2026 में आरसीबी को रायपुर या इंदौर में खेलने पड़ सकते हैं मैच

मुम्बई । आईपीएल के 2026 सत्र में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने घरेलू मैदान पर नहीं खेल पायेगी। आरसीबी को इस सत्र में बेंगलुरु की जगह रायपुर या इंदौर में खेलना पड़ सकता है। इसका कारण है कि पिछले साल आरसीबी की जीत के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न के दौरान जिस प्रकार से भगदड़ मची थी और कई लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। उसे देखते हुए स्टेडियम को कार्यक्रमों के लिए असुरक्षित करार दिया गया है। उसके बाद से ही यहां बड़े आयोजनों पर रोक लगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी कारण आरसीबी भी अपने घरेलू मैच बेंगलुरु में नहीं कराना चाहती। आरसीबी ने अपने मैचों के आयोजन के लिए कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन से बातचीत भी नहीं की है। आईपीएल 2026 में आरसीबी के घरेलू मैदान के रूप में रायपुर और इंदौर के नाम पर विचार किया जा रहा है। रायपुर का नाम काफी आगे चल रहा है। गौरतब है कि आरसीबी आईपीएल 2025 की चैंपियन है। टीम की पहली खिताबी जीत के बाद जश्न में हुई मौतों से उसकी जमकर किरकिरी हुई थी। आरसीबी की सोशल मीडिया टीम को जश्न के दौरान भगदड़ की जानकारी दी गई थी, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया।आरसीबी ने बाद में सोशल मीडिया के माध्यम से जान गंवाने वाले लोगों के परिवार को आर्थिक सहायता की घोषणा की थी। हाल में विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान दिल्ली और आंध्र प्रदेश का मैच भी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था पर अंतिम समय पर इसकी अनुमति नहीं दी गयी थी

क्योंकि विराट कोहली दिल्ली टीम में शामिल थे और इसके कारण भारी तादाद में लोगों के आने की संभावना थी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में श्रेयस अय्यर का खेलना तय

मुम्बई । विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी को होने वाले पहले एकदिवसीय में अवसर मिलने की काफी संभावनाएं हैं। श्रेयस को एकदिवसीय सीरीज के लिए उपकप्तान बनाया गया है पर चयन समिति ने टीम की घोषणा के समय कहा था कि उनको टीम में शामिल किये जाने का फैसला पूरी तरह से फिट होने पर ही लिया जाएगा। श्रेयस वड़ोदरा में में होने वाले पहले एकदिवसीय के लिए टीम से जुड़ गये हैं। वहीं अधिकतर खिलाड़ी एक दिन पहले ही टीम से जुड़ गये थे। श्रेयस को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया में पसली में चोट लगी थी और इसके बाद से ही वह टीम से बाहर चल रहे थे। इसी कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

घरेलू सीरीज से भी बाहर थे। विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए 82 और 45 रनों की पारियां खेलकर अय्यर ने खेल में अच्छी वापसी की है। उन्होंने इस मैच में मुंबई की कप्तानी भी की थी। एक दशक से भी अधिक समय के समय के बाद वड़ोदरा में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। जिसको देखते हुए इस मैच को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है।

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल।

विजय हजारे ट्रॉफी में अंतिम ओवर मेडन कर रामकृष्ण ने बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रामकृष्ण घोष ने गोवा के साथ हुए विजय हजारे ट्रॉफी मैच के अंतिम ओवर को मेडन फेंककर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम की है। लिस्ट ए क्रिकेट में पहली बार किसी गेंदबाज ने अंतिम ओवर में एक भी रन नहीं दिया। इस प्रकार की गेंदबाजी पहली बार देखने में आयी है। इस मैच में गोवा का अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल 5 रन बनाने थे और उसकी जीत तय नजर आ रही थी पर रामकृष्ण ने अंतिम ओवर में गोवा के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। रामकृष्ण ने इस मैच में 10 ओवर में 35 रन देकर 1 विकेट लिया। रामकृष्ण ने इसमें से दो ओवर मेडन किये।

स्टोइनिस ने बाबर के आउट होने पर मनाया जश्न, सोशल मीडिया में आया वीडियो

सिडनी। मेलबर्न स्टार्स के गेंदबाज मार्कस स्टोइनिस ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मैच में सिडनी सिक्सर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को 14 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टोइनिस ने बाबर को एलबीडब्ल्यू करने के बाद आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है।

इस मैच की पहली पारी में स्टोइनिस ने कैच बाबर ने ही पकड़ा था। स्टोइनिस ने 33 रन बनाये थे। ऐसे में जब उन्होंने बाबर को एलबीडब्ल्यू किया तो उनकी खुशी देखते लायक थी। मानो उन्होंने बाबर से बदला पूरा कर लिया हो। अंपायर के बाबर को आउट देने के साथ ही स्टोइनिस ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। वहीं बाबर मायूस होकर मैदान से वापस लौटे। बाबर का बिग बैश लीग में अब तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने एक ही मैच में 58 रन बनाये बाकि मैचों में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। उनका स्ट्राइक रेट भी केवल 126 ही रहा।

वहीं बाबर के असफल होने के बाद भी इस मुकाबले में स्टोनिस की टीम हारी। मैच में मेलबर्न स्टार्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 128 रन बनाये। वहीं सिडनी सिक्सर्स ने चार विकेट खोकर ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

गंदगी के बीच से गुजरी पाइप लाइन का पानी पी रहा शहर

नगर परिषद् ने दूषित पानी के ट्रीटमेंट पर काम तो शुरू किया लेकिन सिनेमा चौक की गंदगी का नहीं निकाला समाधान

पद्मेश न्यूज । कटंगी।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई दर्जनभर से अधिक मौतों के बाद प्रदेशभर के निकाय नागरिकों को की जा रही पेयजल आपूर्ति को लेकर हरकत में आए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार पेयजल सप्लाई के चैनल की पूरी जांच की जा रही है। कटंगी शहर में भी नगर परिषद् ने शहरी क्षेत्र के सभी बोरिंग एवं लीकेज के पानी की जांच कराकर रिपोर्ट जिला कलेक्टर को भेज दी है। रिपोर्ट में पानी पीने योग्य एवं शुद्ध है। इस बीच नगर के सिनेमा चौक में गंदगी से बजबजाते हुए नाले से गुजरी पाइप लाइन को देखकर नागरिकों को पीने की पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता व्याप्त है। क्योंकि सिनेमा चौक का यह नाला विगत कई वर्षों से शहर के विभिन्न वार्डों की गंदगी, दूषित अवशेष, जल-जमाव एवं मच्छरों की गिरफ्त में हैं। नियमित सफाई के अभाव में नाले में जमा गंदगी से उठती दुर्गंध ने आस-पास के निवासियों एवं दुकानदारों का जीना मुहाल कर रखा हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर परिषद् ने इस नाले के गंदे पानी के टपऐटमेंट की योजना पर काम शुरू कर दिया है। योजना के अनुसार नाले का गंदा पानी ट्रीटमेंट कर बड़ा तालाब में संग्रहित किया जाना है। इसके लिए बकायदा निविदा प्रक्रिया पूर्ण की जाकर परीक्षण किया जा चुका है। अब सिर्फ निर्माण एजेंसी द्वारा काम शुरू करने की देरी है। इन सबके बीच नाले की गंदगी की समस्या का समाधान न करना नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बताया जाता है कि नगर परिषद् के पार्षद कई बार इस मुद्दे को उठा चुके हैं परंतु पार्षदों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। चर्चा है कि नगर परिषद् में क्षेत्रीय विधायक का हस्तक्षेप बढ़ने के बाद पार्षदों के मुद्दे अनसुने कर दिए जा रहे हैं। यह अजीबोगरीब स्थिति है।

हवा हवाई साबित हुआ रोबोट से सफाई का वादा

शहर में आधुनिक तकनीकी के माध्यम से नालियों की सफाई का वादा करने वाले जिम्मेदार जनप्रतिनिधि सिनेमा चौक में गंदगी से सरोबार नाले की स्थिति को देख मौन साधे हुए हैं। कई सालों बाद भी यहां वह रोबोट नहीं पहुंच पाया है जिससे सफाई की जानी थी। नतीजतन सालों बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। सिनेमा चौक स्थित नाले के आस-पास निवास नागरिक एवं दुकानदार गंदगी, मच्छर एवं असहनीय दुर्गंध से हलाकान है।

ट्रीटमेंट योजना के बाद राहत के आसार

नगर परिषद् ने सिनेमा चौक के गंदे नाले के दूषित पानी को साफ कर बड़े तालाब में प्रवाहित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। योजना के अनुसार इस नाले का पानी को ट्रीटमेंट के जरिए साफ कर बड़े तालाब में संग्रहित किया जाएगा और बड़े तालाब से उस पानी को शहर में सप्लाई किया जाएगा। जलसंरक्षण के उद्देश्य से यह योजना काफी कारगर साबित होगी। इस योजना के अमल में आने के बाद कुछ राहत मिलने की उम्मीद व्यक्त की जा सकती है।

सीएमओ ने कहा - जेसीबी से करवाएंगे सफाई

नपा सीएमओ राधेश्याम चौधरी ने बताया कि शहर में सप्लाई हो रहे पेयजल को लेकर सभी बोरिंग एवं लीकेज की जांच कर रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी गई है। सभी जांच में पानी शुद्ध एवं पीने योग्य है। अगले चरण में घर-घर में लगे नलों से सप्लाई हो रहे पानी की जांच की जानी है। जहां तक सिनेमा चौक के नाले की गंदगी की समस्या है तो इसे हम कल ही जेसीबी मशीन के माध्यम से साफ करवाएंगे।

16 जनवरी को विद्युत कंपनी के कार्यपालन यंत्री का बालाघाट में घेराव करेंगे किसान

पद्मेश न्यूज ।कटंगी। जिले में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं दिए जाने के विरोध में किसान गर्जना संगठन ने प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी के आव्हान पर बालाघाट जिला मुख्यालय में आगामी 16 जनवरी को विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है। किसान गर्जना बिजली आपूर्ति में कटौत्री को लेकर कार्यपालन यंत्री बिजली विभाग का घेराव करने जा रही है। इस संबंध में प्रेस से चर्चा करते हुए किसान गर्जना के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष राहंगडाले ने बताया कि सरकार किसानों को ठगने का काम कर रही है। 24 घंटे बिजली का वादा कर महज आठ घंटे सिंचाई के लिए बिजली मिल रही है। इस मुद्दे को लेकर किसानों के पूर्व आंदोलनों के दौरान शासन ने कम से कम 12 घंटे बिजली दिए जाने का आश्वासन दिया था लेकिन आज भी किसानों को 8 घंटे ही बिजली दी जा रही है।

दिन में पांच एवं रात्रि में तीन घंटे बिजली दी जा रही है। दिन में किसी कारणवश खेतों में सिंचाई नहीं कर पा रहे किसानों को रात में जागकर सिंचाई करनी पड़ रही है। वनसीमा से सटे हुए खेतों में रात्रि में खेतों की सिंचाई करना किसानों के लिए जोखिमभरा है। कई किसानों की वन्यप्राणियों के हमले में मौत हो चुकी है। इस विषम परिस्थिति में किसान गर्जना जिले के सभी किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करने जा रही है। 16 जनवरी को बालाघाट में विरोध प्रदर्शन कर सरकार से बिजली आपूर्ति बढ़ाने की मांग करेंगे। मांग पूरी न होने पर नेताओं एवं अधिकारियों के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। किसान गर्जना ब्लॉक अध्यक्ष भरत बिसेन ने कहा कि किसानों के बीच बिजली की विकट समस्या चल रही है। किसानों को रबी की फसलों की सिंचाई के लिए रात दिन जागना पड़ रहा है। किसान गर्जना प्रदेश अध्यक्ष के निर्णय अनुसार 16 जनवरी को बिजली विभाग के दपफ्तरों के घेराव की योजना है। किसान गर्जना पदाधिकारियों ने जिले के सभी किसानों से 16 जनवरी को दोपहर 12 बजे तक मोतीगार्डन बालाघाट पहुँचने की अपील की है।

दुर्घटना में दोनो भाई और भाभी घायल

कार मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना अंतर्गत गोंदिया रोड पर स्थित ग्राम कन्नड़ गांव मिताली नर्सिंग होम के पास कार मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई इस सड़क दुर्घटना में कार की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार एक व्यक्ति और उसके बड़े भाई और भाभी घायल हो गए। तीनों घायल सुरेंद्र पिता देवा जी पांचे 42 वर्ष और उसके बड़े भाई सुरेश पांचे 45 वर्ष और भाभी लता पांचे 40 वर्ष सभी निवासी ग्राम डुंडा सिवनी थाना हट्टा निवासी है। सभी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेंद्र पांचे प्राइवेट मैकेनिक का काम करता है। 9 जनवरी को सुरेंद्र पांचे अपने बड़े भाई सुरेश पांचे भाभी लता पांचे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम पिंडरई अपने रिश्तेदारी में आए थे। इनके अलावा मोटरसाइकिल में अन्य लोग भी पिंडरई आए हुए थे। दोपहर में सुरेंद्र पांचे अपने बड़े भाई सुरेश पांचे और भाभी लता पांचे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम पिंडरई से अपने गांव डुंडा सिवनी जाने निकले थे। पिंडरई से फोरलेन की सर्विस रोड से रजेगांव की ओर जाते समय ग्राम कन्नड़ गांव मिताली नर्सिंग होम के पास बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही कार सुरेंद्र पांचे की मोटरसाइकिल के पीछे को ठोस मार कर फरार हो गई। कार की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार सुरेंद्र पांचे उनके बड़े भाई सुरेश पांचे भाभी लता

पांचे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए ।तीनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया ।जिला अस्पताल पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए सुरेंद्र पांचे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित ग्रामीण थाना नवेगांव भिजवा दी है।

राजा भोज क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-2 में रोमांच चरम पर, तीन और टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के जागपुर घाट खेल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-2 खेल प्रेमियों के लिए लगातार रोमांच का केंद्र बनी हुई है। 7 जनवरी से प्रारंभ हुए इस टूर्नामेंट में जिलेभर की पवार समाज की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के तहत 7, 8 और 9 जनवरी को खेले गए लीग मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया, वहीं बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति से मैदान में उत्साह का माहौल देखने को मिला। टूर्नामेंट के तीसरे दिन 9 जनवरी को खेले गए मुकाबले बेहद रोमांचक रहे, जिनमें कड़े संघर्ष के बाद तीन टीमों ने जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। 9 जनवरी को लक्ष्य इलेवन और एम.आर. इलेवन के बीच मैच खेला गया। लक्ष्य इलेवन ने संतुलित बल्लेबाजी और सटीक गेंदबाजी के दम पर मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा और अंततः जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा मुकाबला खिलेश इलेवन और वी नीर इलेवन के बीच खेला गया। यह मैच अंत तक बेहद रोमांचक बना रहा, जिसमें वी नीर इलेवन ने संयम और रणनीतिक खेल का परिचय देते हुए जीत हासिल की और अंतिम आठ में जगह बनाई। तीसरा मुकाबला कटंगी पंवार इलेवन और मधु ड्रीम होम्स इलेवन के बीच खेले गए इस मुकाबले में दर्शकों को भरपूर रोमांच देखने को मिला। कटंगी पंवार इलेवन ने हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी टीम बनी।

आज से शुरू होंगे क्वार्टर फाइनल मुकाबले

राजा भोज क्रिकेट टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष मनोज भैरव ने बताया कि टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन 7 जनवरी को किया गया था, जिसके बाद लगातार लीग मैच आयोजित किए जा रहे हैं। लीग चरण के सफल समापन के पश्चात अब 10 जनवरी से क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के अगले चरण में मुकाबले और भी रोमांचक होंगे, क्योंकि अब सभी टीमें खिताब की दौड़ में उतरेंगी। टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष मनोज भैरव ने जिलेभर के खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे जागपुर घाट खेल मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और इस खेल महोत्सव का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ खेल संस्कृति को भी मजबूत करती हैं।

पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी की दर्दनाक मौत... ट्रक से टकराने पर 90 डिग्री घूम गई थी कार, तस्वीर देख सहमे लोग

इंदौर। तेजाजी नगर स्थित रालामंडल में हुए हादसे की तस्वीर देख कर लोग सहम गए। ट्रक से टकराई कार की छत उड़ गई और कार कार 90 डिग्री तक घुम गई। शव निकालने के लिए पुलिस को सब्बल और कटर से दरवाजे, कांच और छत काटना पड़ी। पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन की बेटी प्रेरणा का शव तो उछल कर बोनट पर आ गया था। टीआई देवेंद्र मरकाम के अनुसार टक्कर के बाद ट्रक चालक संदीप तो मौके से फरार हो गया था। पुलिस को एक अन्य ड्राइवर आकाश उर्फ मोंटी (उमरीखेड़ा) ने काल लगाकर सूचना दी।

मौके पर पहुंचे तो देखा युवक युवतियों के शव क्षत विक्षत अवस्था में पड़े हुए है। पुलिस ने डायल-112 को बुलाया और सब्बल,कटर से दरवाजे काट कर शवों को निकाला। ब्रह्मपुरी कालोनी निवासी मन संधू ड्राइविंग सीट पर और मिलन ग्रीन कालोनी(बिचौली) निवासी प्रखर बगल वाली सीट पर था। जबकि प्रेरणा बोनट के पास फंसी हुई थी। वह अनुष्का के साथ पीछे की सीट पर बैठी थी पर उछल कर बोनट तक आ गई। टीआइ के अनुसार पुलिस ने डायल-112 से मिलें बैग में शवों को पैक कर एमवाय अस्पताल भिजवा दिया।

डॉक्टरों ने अनुष्का को गीता भवन स्थित निजी अस्पताल भेज दिया। उसके पिता ने पुलिस को बताया चारों कामन दोस्त थे। गुरुवार रात प्रखर खुद अनुष्का को लेने आया था। उसने कहा था कि मैं जन्मदिन की पार्टी दे रहा हूं। पार्टी बायपास स्थित कोको फार्म पर रखी गई थी। उसमें करीब 20 युवक युवतियों को बुलाया गया था। बाकी सब तो समय पर चले गए पर प्रखर,अनुष्का और प्रेरणा कार लेकर घुमने निकल गए। रात करीब 2 बजे उन्होंने मन संधू को काल लगाया और कहा कि वह उसको लेने आ रहे है। कुछ देर बाद प्रखर कार लेकर आया और मन को लेकर बायपास की ओर निकल गए। प्रखर ने ज्यादा शराब पी ली थी इसलिए कार मन संधू ने ले ली।

भाई का काल आते ही घबराए,कार लेकर शहर की ओर भागे टीआइ के अनुसार चारों घंटो तक कार में ही घूम रहे थे। बायपास,तेजाजी नगर और रालामंडल की ओर कार में घुमते रहे। तड़के करीब 5 बजे प्रेरणा के फोन पर भाई का काल आया तो घबरा गए और कार लेकर घर रवाना हुए। सड़क किनारे खड़ा ट्रक नहीं दिखा और रालामंडल के समीप कार ट्रक में जा घुसी। युवक की हत्या में जमानत पर छुटा है मन संधू ब्रह्मपुरी कालोनी निवासी मन पुत्र हरविंदरसिंर संधू पर मार्च 2022 में हत्या का केस दर्ज हुआ है।

उसने मनमीत बोपारा,मनजोत,प्रतीक,बिट्टू के साथ मिलकर हरमीत की हत्या कर दी थी। वह जमानत पर जेल से छुटा है। पुलिस के अनुसार पार्टी में शामिल अन्य युवक युवतियों से भी पूछताछ की जाएगी। अनुष्का कथन देने की स्थिति में नहीं है। बेटे का शव देखते ही बेहोश हो गई मां हादसे की सूचना मिलते ही पूर्व गृहमंत्री बाला बच्चन सहित अन्य कांग्रेस नेता एमवाय अस्पताल पहुंच गए। आनंद कासलीवाल के समर्थक,रिश्तेदार और जैन समाज के पदाधिकारी भी आ गए। उनकी पत्नी की तबियत बिगड़ गई। प्रेरणा के शव का पोस्ट मार्टम होते ही बाला बच्चन पैतृक गांव कासेल रवाना हो गए।

भारत अब कमजोर नहीं, हम खुद बना रहे अपने हथियार-राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं और उत्तर प्रदेश इसमें नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि यही सोच और मेहनत देश को मजबूत बनाती है और इसी रास्ते पर आज हमारी सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं।

राजनाथ सिंह शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के साथ हिंदुजा परिवार के सदस्य भी मौजूद थे। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विश्व स्तरीय ग्रीन फील्ड एकीकृत वाणिज्यिक वाहन विनिर्माण इकाई की शुरुआत उत्तर प्रदेश की औद्योगिक यात्रा में एक मील का पत्थर है। मैं इस उपलब्धि के लिए अशोक लेलैंड, हिंदुजा समूह और उत्तर प्रदेश की जनता को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ रहा और उसकी पहचान एक ऐसे राज्य के रूप में हो रही है, जो देश के विकास में बढ़-चढ़कर योगदान दे रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में तो ब्रह्मोस एयरोस्पेस की फैक्टरी भी स्थापित की गयी है, जहां ब्रह्मोस मिसाइल बनायी जा रही है। अब यह मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती, हमारे अपने देश में, हमारे अपने उत्तर प्रदेश में बनती है। सरकार ने यहां रक्षा गलियारा बनाया है। इसका मतलब सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों से जुड़ा सामान अब हमारे ही प्रदेश में बनेगा।

खराब मौसम के कारण एयर इंडिया की दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को डायवर्ट किया गया

नई दिल्ली। खराब मौसम की वजह से एयर इंडिया की दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अपने तय गंतव्य पर उतरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखकर सुरक्षा मानकों के तहत उनके मार्ग में बदलाव हुआ। एयर इंडिया की ओर से आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई है। जानकारी के अनुसार, 9 जनवरी को मुंबई से लंदन हीथ्रो जा रही उड़ान को गंतव्य हवाई अड्डे पर प्रतिकूल मौसम के कारण लंदन गैटविक की ओर मोड़ा गया। विमान को पहले लंदन हीथ्रो के ऊपर कुछ समय तक होल्ड करना पड़ा, क्योंकि वहां खराब मौसम की स्थिति बनी हुई थी। मौसम में सुधार न होने पर पायलट ने मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन कर प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग का अनुरोध किया, इसके बाद विमान को गैटविक डायवर्ट किया गया। इसके बाद में विमान सुरक्षित रूप से गैटविक हवाई अड्डे पर उतर गया और सभी यात्रियों को आवश्यक सहायता दी गई। इस तरह, अमृतसर से बर्मिंघम जा रही उड़ान एआई117 भी गंतव्य हवाई अड्डे पर खराब मौसम के कारण उतर नहीं पाई। इस उड़ान को भी कुछ समय तक होल्ड किया गया, लेकिन हालात अनुकूल न होने पर चालक दल ने उड़ान को डायवर्ट करने का निर्णय लिया। पायलट ने प्राथमिकता लैंडिंग की अनुमति मांगी और विमान को लंदन में सुरक्षित रूप से उतारा गया।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने 14 करोड़ का गांजा पकड़ा, दो गिरफ्तार

हैदराबाद। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने शुक्रवार को हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़ा है। अधिकारियों के मुताबिक यह प्रतिबंधित सामान कतर से आए दो यात्रियों के पास से बरामद हुआ। जब्त किए गए हाइड्रोपोनिक गांजे की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 14 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। शक के आधार पर कस्टम अधिकारियों ने कतर से आए दो यात्रियों को रोका। इसके बाद, उनके सामान को डिटेल स्कैनिंग और फिजिकल जांच के लिए भेजा गया। स्कैनिंग में अधिकारियों ने सामान के अंदर छिपाए गए हाइड्रोपोनिक गांजे के पैकेट बरामद किए। जब्त किए गए प्रतिबंधित सामान की कुल मात्रा 14 किलोग्राम थी।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों यात्रियों को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। अधिकारी अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से उनके संभावित संबंधों की जांच कर रहे हैं। यह ताजा जब्ती कस्टम अधिकारियों द्वारा एक फ्लाइट से एक किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किए जाने के दो दिन बाद की है। बताया जा रहा है कि एक यात्री ने चेकिंग के दौरान पकड़े जाने के डर से ड्रग्स को सीट पर छोड़ दिया था। हाइड्रोपोनिक गांजा एक हाई-ग्रेड और महंगा नशीला पदार्थ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस और अन्य एजेंसियों ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर निगरानी बढ़ा दी है। पिछले साल जुलाई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक महिला यात्री के सामान से 400 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया था, जिसकी कीमत 40 करोड़ रुपये आंकी गई थी। खुफिया जानकारी के आधार पर, एनसीबी अधिकारियों ने महिला यात्री को रोका और उसके दो चेक-इन बैग से 400 किलो नशीला पदार्थ जब्त किया।

असम बीजेपी अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज, विपक्ष ने लगाए वोट चोरी के आरोप

एसआईआर में अगर सुधार नहीं हुआ, तो पूरे राज्य में आंदोलन तेज करने की दी चेतावनी

गुवाहाटी,। असम में कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने बीजेपी की राज्य इकाई के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। विपक्षी दलों ने बीजेपी पर आने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची में हेरफेर करने का आरोप लगाया। दिसपुर पुलिस थाने में दी गई शिकायत में बीजेपी पार्टी का नाम है। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि असली मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाने के लिए चुनाव आयोग के साथ मिलकर एसआईआर कराई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि इस तरह की हरकतें लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा हैं। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने के साथ मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और बिना किसी भेदभाव के समीक्षा करने की मांग की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रिपुन बोरा ने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियों ने मिलकर 4 जनवरी को हुई एक लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस का हवाला देते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

रिपुन बोरा ने कहा कि बैठक में सैकिया ने बीजेपी विधायक और जिला अध्यक्षों को हर चुनाव क्षेत्र में पांच हजार से 10 हजार ऐसे वोटरों की पहचान करने का निर्देश दिया जो बीजेपी के समर्थक नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह काम करीब 60 चुनाव क्षेत्रों में किया जाना था और पार्टी नेताओं को 12 जनवरी तक सूची जमा करने के लिए कहा था और एक मंत्री को पूरी प्रक्रिया की देखरेख करने का काम सौंपा था। उन्होंने कहा कि इससे हर चुनाव क्षेत्र से पांच हजार से 10 हजार मतदाताओं को हटाने की बीजेपी की योजना का पता चलता है। यही चिंता राहुल गांधी पूरे देश में उठा रहे हैं और अब यह असम में भी सामने आई है।

कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर आरोपों की गंभीरता के बावजूद चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अपराध है। हमने चुनाव आयोग के नियमों और नियमावली के मुताबिक कार्रवाई की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। यह हमारा लोकतांत्रिक कर्तव्य है। विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर तुरंत सुधार के कदम नहीं उठाए गए, तो वे पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करके अपना आंदोलन तेज करेंगे और कानूनी व संवैधानिक उपाय भी अपनाएंगे। उन्होंने बीजेपी सरकार पर लोकतंत्र-विरोधी और संविधान-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया।

न्यूज गैलरी

बालाघाट में अगले पाँच दिनों तक मौसम शुष्क व ठंडा रहने का अनुमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 5 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में दिनांक 10 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक मौसम मुख्यत: साफ रहने की संभावना है। इस अवधि में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी तथा मौसम शुष्क रहने के साथ हल्के बादल छाए रह सकते हैं। पूर्वानुमान के अनुसार इस दौरान जिले में अधिकतम तापमान 23.2 से 24.4 डिग्री सेल्सियस के बीच तथा न्यूनतम तापमान 7.8 से 8.4 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय वायुमंडल में 89 से 96 प्रतिशत तक आर्द्रता तथा दोपहर के समय 60 से 78 प्रतिशत आर्द्रता रहने का अनुमान है। आने वाले दिनों में हवा की गति लगभग 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है, जो मुख्यत: उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व दिशा में प्रवाहित होगी। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र अगासे ने बताया कि किसानों को मौसम की इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपनी कृषि गतिविधियों की योजना बनाएं तथा ठंड से फसलों की सुरक्षा के आवश्यक उपाय अपनाएं।

पेण्डरई के 2 शिक्षको को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने लिंगा संकुल के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला पेंडरई के प्राथमिक शिक्षक खेमलाल परिहार एवं माध्यमिक शाला पेंडरई के माध्यमिक शिक्षक कमलेश राहंगडाले को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनका 01 दिन का वेतन काटने के कार्यवाही की जाए। इन दोनो शिक्षकों को 02 दिन के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नही मिलने पर इन शिक्षकों का माह जनवरी का 01 दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की जाएगी। शासकीय प्राथमिक शाला पेंडरई के प्राथमिक शिक्षक खेमलाल परिहार एवं माध्यमिक शाला के शिक्षक कमलेश राहंगडाले 07 जनवरी को अपनी शाला का एईओ केंद्र बदलने के संबंध में आवेदन लेकर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचे थे, जबकि वर्तमान समय में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा का अत्यंत महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्य चल रहा है। इन शिक्षकों द्वारा शाला समय में ही विद्यालय का कार्य छोड़कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होना पाया गया है। चूंकि इन शिक्षकों की अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही को दर्शाता है। जिसके कारण जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इन शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

कागज़ों में बना तालाब, ज़मीन पर नहीं हुआ काम, बिना निर्माण के निकाली गई राशि, फर्जी मस्टर भरा गया!!

टेकाड़ी ग्राम पंचायत में तालाब निर्माण में बड़ी गंभीर अनियमितता का आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से कई महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन कई स्थानों पर ये योजनाएं कागज़ों तक ही सीमित होकर रह गई हैं। ऐसा ही एक मामला जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत टेकाड़ी से सामने आया है, जहां तालाब निर्माण योजना में भारी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। ग्राम पंचायत टेकाड़ी के एक हितग्राही ने पंचायत के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक पर आरोप लगाया है कि तालाब निर्माण के नाम पर स्वीकृत राशि निकालकर आपसी बंदरबांट कर ली गई। हितग्राही का कहना है कि उसके नाम पर तालाब निर्माण की स्वीकृति दिखाई गई, लेकिन आज तक मौके पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं कराया गया। आरोप है कि बिना कार्य कराए ही अलग-अलग मस्टर रोल तैयार कर हजारों रुपये का भुगतान कर लिया गया। जब हितग्राही ने निर्माण स्थल पर किसी भी प्रकार का तालाब मौजूद नहीं हैं और भुगतान की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली गई है। हितग्राही ने पूरे मामले की शिकायत संबंधित विभागीय अधिकारियों से करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जल गंगा संवर्धन योजना के तहत ग्राम पंचायत टेकाड़ी में तालाब निर्माण को लेकर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत टेकाड़ी की हितग्राही हिरवन्तीबाई पति संतोष नागेश्वर के खेत खसरा क्रमांक 12/6 में तालाब निर्माण की स्वीकृति 10 मई 2025 को प्रदान की गई थी। योजना के अंतर्गत तालाब निर्माण के लिए कुल 1 लाख 37 हजार रुपये की राशि भी स्वीकृत की जा चुकी थी । आरोप है कि ग्राम पंचायत टेकाड़ी के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक द्वारा बिना किसी तालाब निर्माण कार्य कराए ही 17 जून 2025 को विभिन्न मस्टर रोल क्रमांक 4298, 4903, 5809, 6849, 9245, 9246 एवं 9247 के माध्यम से फर्जी दस्तावेज तैयार कर लगभग 74 हजार 646 रुपये की राशि का आहरण कर लिया गया।

हितग्राही के पति संतोष नागेश्वर ने बताया कि वे अपने खेत में मत्स्य पालन के उद्देश्य से एक छोटा तालाब बनवाना चाहते थे, जिसके लिए उन्होंने विधिवत आवेदन किया था। आरोप है कि सरपंच रश्मि कावरे के पति तारा कावरे ने रोजगार सहायक शिवशंकर गाड़ेश्वर और सचिव ज्ञानेन्द्र कटरे के साथ मिलकर यह कहकर उनके खाते में कुछ राशि डलवाई कि तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ होना है। बाद में यह कहकर कि तालाब नहीं बन रहा है, वह राशि वापस भी ले ली गई। संतोष नागेश्वर ने आगे बताया कि इसके बाद उनके नाम पर मीनाक्षी तालाब बनाए जाने की बात कही जाने लगी, जबकि उन्होंने इसकी कोई सहमति नहीं दी थी। पूरे मामले को लेकर उन्होंने जनपद पंचायत, जिला पंचायत और कलेक्टर कार्यालय तक शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हितग्राही परिवार का आरोप है कि इस प्रकरण में राजनीतिक दबाव के चलते मामला दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरपंच के पति तारा कावरे एक निजी अस्पताल में कार्यरत हैं और अपने प्रभाव का उपयोग कर जांच को प्रभावित कर रहे हैं। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें लगातार फोन कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। हितग्राही ने स्पष्ट किया है कि वे अब तालाब निर्माण नहीं चाहते, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निकाली गई शासकीय राशि की वसूली की मांग कर रहे हैं।

निजी अस्पताल का संचालक भी कर रहा हस्तक्षेप

संतोष नागेश्वर ने आरोप लगाया है कि पंचायत के सरपंच पति तारा कावरे इस पूरे मामले में न केवल हस्तक्षेप कर रहे हैं, बल्कि एक निजी चिकित्सालय के संचालक के माध्यम से दबाव बनाकर कार्रवाई को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। संतोष नागेश्वर के अनुसार, तारा कावरे एक शहर के निजी अस्पताल में कार्यरत हैं और वहां नियमित रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, दूसरी ओर पंचायत में भी मस्टर रोल के माध्यम से रोज़गार कार्य में उपस्थिति दर्शाकर भुगतान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही समय पर दो स्थानों पर कार्य कर भुगतान लेना कैसे संभव है। इस पूरे मामले में उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ऑडियो भी आया तारा कावरे का सामने

हितग्राही संतोष नागेश्वर ने आरोप लगाया कि बीते कुछ दिनों से तारा कावरे लगातार उन्हें फोन कर मामले को सुलझाने का दबाव बना रहे हैं। संतोष का कहना है कि तारा कावरे ने उनके खाते में आई लगभग 65 हजार रुपये की राशि में से 10 हजार रुपये में जेसीबी से तालाब खुदवाने और शेष राशि स्वयं रखने का प्रस्ताव दिया था। संतोष नागेश्वर ने इस संबंध में कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग पद्मेश न्यूज़ को उपलब्ध कराई हैं, जिनमें कथित तौर पर जांच से बचने और समझौते की बातचीत सुनी जा सकती है।

तालाब का निर्माण कार्य चल रहा है - ज्ञानेन्द्र कटरे

इस विषय में जब टेकाड़ी ग्राम पंचायत के सचिव ज्ञानेन्द्र कटरे से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने वस्तुस्थिति स्पष्ट करने से बचते हुए केवल इतना कहा कि तालाब का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके बाद उन्होंने विस्तृत जानकारी देने की बात कहकर फोन डिस्कनेक्ट कर दिया।

आधी राशि निकाली जा चुकी है - तारा कावरे

सरपंच रश्मि कावरे के पति तारा कावरे पर लगे आरोपों को लेकर जब उनसे संपर्क किया गया तो उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताया। तारा कावरे ने कहा कि संतोष नागेश्वर के खेत में तालाब निर्माण का कार्य जारी है और फिलहाल लगभग 10 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने स्वीकार किया कि तालाब निर्माण की स्वीकृत राशि में से लगभग आधी राशि निकाली जा चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि हितग्राही की शिकायत पर जनपद और जिला पंचायत स्तर पर जांच चल रही है।

मामले की जांच की जा रही है- ममता कुलस्ते

इस पूरे मामले को लेकर जब जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद जनपद एवं जिला पंचायत स्तर पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही इस विषय में जानकारी दी जायेगीं।

जमुनिया नदी में डूबने से 70 वर्षीया वृद्धा की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाली जमुनिया नदी में डूबने से एक वृद्धा की मौत हो गई। सुखबत बाई पति भदरू लाल कावरे 70 वर्ष वार्ड नंबर 1 बाकीगुड्डा थाना मलाजखंड निवासी है। 8 जनवरी को दोपहर में यह घटना उस समय हुई जब यह वृद्धा कपड़े धोने के लिए अपने घर से कुछ दूर जमुनिया नदी गई थी। मलाजखंड पुलिस ने इस वृद्धा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुखबत बाई अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती थी। जिसके परिवार में पति भदरू लाल कावरे के अलावा दो बेटे हैं और दोनों की शादी हो चुकी हैऔर सुखबत बाई के दोनों बेटे अपने परिवार के साथ हैदराबाद मजदूरी करने के लिए गए हैं। घर में सुखबत बाई अपने पति भदरुलाल के साथ में रहती थी। 8 जनवरी को दोपहर में सुखबत बाई नहाने के बाद अपने घर से कुछ दूर जमुनिया नदी कपड़े धोने के लिए गई थी। किंतु 2 घंटे के बाद भी घर नहीं लौटने पर उसका पति भदरू लाल जमुनिया नदी तरफ गया था। जिसने अपनी पत्नी सुखबत बाई को जमुनिया नदी के पानी में उतारते हुए देखा और उसे नदी से खींचते हुए पत्थर पर लाया।। सुखबत बाई की मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद बदरू लाल अपनी पत्नी सुखवाद भाई केशव को वही नदी में ही रखकर अपने गांव आया और गांव के सरपंच कोटवार को बताया और रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस थाने से प्रधान आरक्षक रतन सोनवाने अपने स्टाफ के साथ ग्राम बाकीगुड्डा समीप जमुनिया नदी पहुंचे और सुखबत बाई का शव बरामद किए। शाम हो जाने के कारण सुखबत बाई के शव का पोस्टमार्टम नहीं पाया था। 9 जनवरी को प्रधान आरक्षक रतन सोनवाने ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात सुखबत बाई का शव बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि जब सुखबत बाई जमुनिया नदी मे कपड़े धो रही थी। तभी अचानक ब्लाउज नदी के बहाव में बहने लगा। जिसे पकड़ते समय वह असंतुलित होने से नदी में गिर गईं। जिससे उसकी मौत हो गई। मलाजखंड पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

भमोड़ी के निकट फोरलेन में धान से भरे ट्रक में भड़की आग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया लवादा फोरलेन पर स्थित ग्राम भमोड़ी के पास धान के बोरों से भरा ट्रक में अचानक आग भड़क गई और देखते-देखते धान के बोरे सहित ट्रक को आग की लपटों ने घेरे में ले लिया। यह घटना 9 जनवरी की शाम 6:30 बजे करीब के बताई गई है ट्रक का जलता हुआ एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रक कहां से आ रहा था और कहां से जा रहा था किंतु जलते हुए ट्रक को देखकर यह बताया जा रहा है कि यह ट्रक धान के बोरो से भरा हुआ था। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले भमोड़ी के पास अचानक इस ट्रक में आग भड़क गई और देखते-देखते धान से भरे इस ट्रक को आग की लपटों ने घेर ली। जल रहे इस ट्रक का एक वीडियो भी वायरल हुआ है और यह ट्रक भमोड़ी फोरलेन पर जलना बताया जा रहा है।

खनिज नीलामी में लापरवाही नहीं चलेगी- कलेक्टर मीना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 09 जनवरी को खनिज विभाग की

समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनिज पट्टों एवं कम्पोजिट लाइसेंस की नीलामी प्रक्रिया को लेकर सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि खनिज नीलामी से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करना अनिवार्य होगा, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहाँ एवं खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

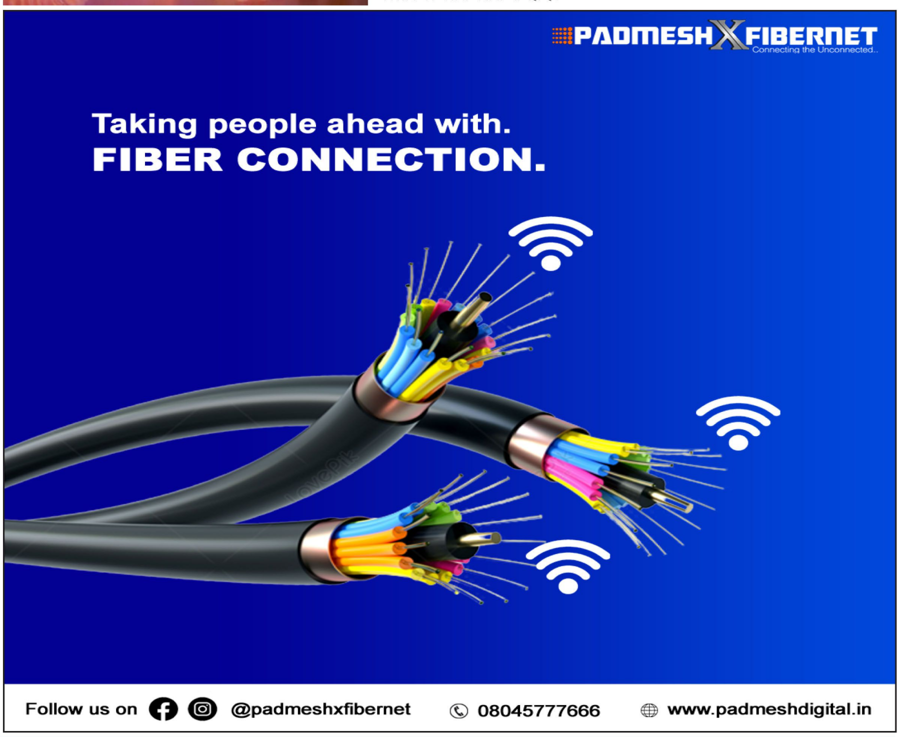

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट